रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

हर खबर पर पहली नजर

www.vananchaleye@gmail.com

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 वर्ष:01 अंक:108 गुरूवार,25 दिसंबर Email:vananchaleye@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

झारखंड में सरकारी स्कूलों की वर्ष 2026 की छुट्टियां तये

संवाददाता

रांची : झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद ने सरकारी, सहायता प्राप्त तथा अल्पसंख्यक स्कूलों के लिए वर्ष 2026 की एकीकृत अवकाश तालिका जारी करते हुए छुट्टियां तय कर दी हैं। इस बार सोहराय और करमा का दो-दो दिनों का अवकाश स्कूलों में रहेगा। कई अवकाश तृतीय शनिवार और रविवार को पड़ रहे हैं, जिसमें आम तौर पर स्कूलों में अवकाश रहता ही है। पांच दिनों का अवकाश जिलों के लिए स्थानीय पर्व-त्योहार को ध्यान में रखकर संबंधित जिलों द्वारा ही निर्धारित किया जाएगा। जारी आदेश में कहा गया कि चांद के दिखने के आधार पर मुस्लिम त्योहारों के लिए अवकाश की तिथि में परिवर्तन किया जा सकता है।

क्रिसमस से पहले रांची की महिलाओं को मंईयां सम्मान की किस्त जारी

संवाददाता

रांची : क्रिसमस के पावन अवसर से पहले राज्य सरकार ने रांची जिले की महिलाओं को बड़ी राहत दी है। झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत जिले में नवंबर माह की सम्मान राशि का भुगतान कर दिया गया है। योजना के अंतर्गत रांची जिले की 3 लाख 93 हजार 84 महिलाओं के बैंक खातों में आधार आधारित डीबीटी के माध्यम से 2,500 रुपए प्रति लाभुक की दर से कुल 98 करोड़ 27 लाख 10 हजार रुपए की राशि भेजी गई है। जिला प्रशासन से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार सबसे अधिक लाभुक कांके प्रखंड में रहे। जहां 31,781 महिलाओं के खातों में राशि पहुंची। इसके बाद सदर शहरी क्षेत्र में 25,038, मांडर में 23,308, सिल्ली में 21,390 और बेड़ो में 20,761 लाभुकों को योजनाका लाभ मिला।

राष्ट्रपति ने देशवासियों को क्रिसमस की बधाई और शुभकामनाएं दी नई दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी

एजेंसी

मुर्मु ने देशवासियों को क्रिसमस के अवसर पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। श्रीमती मुर्मु ने बुधवार को क्रिसमस की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में कहा, क्रिसमस के शुभ अवसर पर, मैं सभी देशवासियों, विशेषकर ईसाई भाईयों और बहनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। हर्ष और उल्लास का त्योहार क्रिसमस प्रेम और करुणा का संदेश देता है। यह पर्व प्रभु ईसा मसीह द्वारा मानवता के कल्याण के लिए दिए गए बलिदान की याद दिलाता है। यह पर्व हमें समाज में शांति, सद्भाव, समानता और सेवा की भावना को और सुदृढ़ करने की प्रेरणा देता है। आइए, हम सब, ईसा मसीह के दिखाए मार्ग पर चलने का दृढ़ संकल्प लें और एक ऐसे समाज का निर्माण करें जहां दया और समरसता की भावना को बढ़ावा मिले। क्रिसमस का पर्व ईसा मसीह के जन्म के अवसर पर 25 दिसम्बर को दुनिया भर मेंमनाया जाता है।

प्रभु यीशु का हुआ आगमन : गूंजा जिंगल बेल, जिंगल बेल...

प्रभु के जन्म की आतुरता से प्रतीक्षा कर रहे थे मसीही समुदाय के हजारों लोगफादर कामिल बुल्के पथ से चर्च रोड व कोकर से लेकर कांके तक में रहा उल्लास

संवाददाता

रांची:बुधवार यानी 25 दिसंबर की रात 12 बजे प्रभु यीशु का जन्म होते ही गिरजाघरों में में घंटे बजने लगे। जिंगल बेल, जिंगल बेल का गीत गूंजने लगा। इसके साथ ही राजधानी रांची सहित झारखंड के अन्य जिलों के गिरजाघरों में मिस्सा धर्म विधि का प्रारंभ हो गया। रांची के कैथोलिक चर्च में मिस्सा धर्म विधि आर्च बिशप विंसेंट आइंद ने पूरी कराई। संत पाल्स कैथेड्रल चर्च और जीईएल चर्च में में भी मिस्सा विधि के दौरान विश्वासियों ने हिस्सा लिया। इसके पहले कड़के की ठंड में अपने

प्रभु के आगमन की प्रतीक्षा आतुरता से मसीही समुदाय के हजारों लोग कर रहे थे। फादर कामिल बुल्के पथ से लेकर चर्च रोड और कोकर से लेकर कांके तक उल्लास माहौल रहा। फादर कामिल बुल्के पथ शाम से ही गुलजार

क्रिसमस उत्सव परमेश्वर के प्रति असीम प्रेम और आस्था का है प्रतीक: हेमंत सोरेन

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन से आज मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में रांची जिले में अवस्थित जीईएल चर्च,एनडब्ल्यू जीईएल चर्च, सीएनआई चर्च एवं पेंटीकॉस्टल चर्च के पुरोहित तथा यूथ लीडर्स ने शिष्टाचार भेंट कर क्रिसमस की बधाई दी। मुख्यमंत्री ने भी सभी को क्रिसमस की ढेरों बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस विशेष अवसर पर उन्होंने केक काटकर प्रभु यीशु के आगमन की खुशियों को सेलिब्रेट किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्रिसमस का उत्सव परमेश्वर के प्रतिअसीम प्रेम और आस्था को दशार्ता है। यह पर्व समाज में शांति, एकता, सद्भाव और एकजुटता की भावना को मजबूत करता है। हम सभी के जीवन में खुशियां हमेशा बरकरार रहे, प्रभु यीशु से यह प्रार्थना करते हैं। इस मौके पर विधायक राजेश कच्छप, आर्च बिशप राजू सतीश टोप्पो, बिशप निस्तार कुजूर, बिशप अनुराग मिंज, जीईएल चर्च के महासचिव ।

पेसा नियमावली को राज्य मंत्रिपरिषद की मंजूरी मिलने पर राज्य के जनजातीय क्षेत्र से आए प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

जनजातीय क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा पेसा नियमावली: मुख्यमंत्री

गांव मजबूत होगा तभी राज्य का सर्वांगीण विकास संभव है

संवादाता

रांची : पेसा नियमावली को राज्य मंत्रिपरिषद से मंजूरी मिलने का जश्न पूरा राज्य मना रहा है। इस कड़ी में राज्य के अनुसूचित जनजातीय क्षेत्र से आए पारंपरिक प्रधान/ प्रमुख/ मुखिया के साथ सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन को पेसा नियमावली लागू करने की दिशा में लिए गए निर्णायक फैसले के लिए आभार जताया। मुख्यमंत्री ने भी नगाड़ा बजाकर अपनी खुशियों का इजहार किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज पेसा दिवस भी मना रहे हैं। इस विशेष अवसर पर राज्य सरकार ने पेसानियमावली को अंतिम मुकाम तकपहुंचाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया था, वह साकार हो रहा है। पेसा कानून धरातल पर उतरने को तैयार है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार जो नियम- कानून बनाती है, उसमें विसंगतियां नहीं होती है, लेकिन उसके क्रियान्वयन में गड़बड़ी होने से सुखद परिणाम नहीं मिल पाता है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पेसा नियमावली के तहत पंचायतों को जो अधिकार प्राप्त होंगे, उसका ईमानदारी से पालन और क्रियान्वयन हो, तभी यह सफल होगा। इस अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्री श्रीमती दीपिका पांडेय, विधायक श्रीमती कल्पना सोरेन, पंचायती राज विभाग के सचिवश्री मनोज कुमार और पंचायतीराज निदेशक श्रीमती राजेश्वरी बी के अलावा राज्य के अलग-

पूर्वजों के सपने को कर रहे हैं साकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने झारखंड राज्य के लिए जो सपना देखा था, उसे हमारी सरकार पूरा करने का लगातार प्रयास कर रही है। इसी क्रम में जल - जंगल- जमीन की रक्षा, अपनी सभ्यता- संस्कृति और पहचान को बरकरार रखने एवं पारंपरिक स्थानीय स्वशासन व्यवस्था को मजबूत करना हमारे सरकार की शुरू से प्राथमिकता रही है। इसी सिलसिले में पेसा कानून को लागू करने का जो निर्णय लिया था, वह आकार लेने जा रहा है।

गांव मजबूत होगा तभी राज्य का सर्वांगीण विकास संभव है

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे राज्य का गौरवशाली इतिहास रहा है। हमारे पूर्वजों, वीर शहीदों, आंदोलनकारियों एवं दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी ने इस राज्य को लेकर जो परिकल्पना की थी, उसे साकार करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। मेरी स्पष्ट सोच है कि जब तक गांव मजबूत नहीं होगा, तब तक इस राज्य को सशक्त करने का सपना साकार नहीं होगा ।

पेसा सिर्फ कानून नहीं, यह हमारी भावनाओं का परिचायक है

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेसा सिर्फ एक कानून नहीं है। इसके साथ हमारी भावनाएं जुड़ी हुई हैं। लंबे समय से पेसा कानून की मांग हो रही थी। इसमें अड़चनें भी आती रही, लेकिन जन प्रतिनिधियों, आम जन तथा सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधियों से प्राप्त विचारों एवं सुझावों के आधार पर इसका ड्राफ्ट तैयार किया गया, जिसे कानूनी दर्जा देने के साथ इसे लागू करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। मुझे विश्वास है ।

20 साल बाद साथ आए 'ठाकरे ब्रदर्स'

एजेंसी

मुंबई : उद्धव और राज ठाकरे ने बुधवार को बृहन मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव एक साथ लड़ने का ऐलान किया। 20 साल बाद दोनों की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) और मनसे में चुनावी गठबंधन हुआ है। इससे पहले 2005 में राज ठाकरे ने शिवसेना से अलग होकर मनसे पार्टी बनाई थी। दोनों ने जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया। उद्धव ठाकरे ने कहा कि हमारी सोच एक है अगर बंटेंगे तो बिखरेंगे। महाराष्ट्र के लिए हम सब एक हैं। इससे पहले दोनों नेता शिवाजी पार्क स्थित बालासाहेब ठाकरे के स्मारक पहुंचे और श्रद्धांजलि दी। महाराष्ट्र में बीएमसी समेत 29 नगर निगमों में 15 जनवरी को वोटिंग होगी। 16 जनवरी को रिजल्ट आएगा। राज ठाकरे ने कहा, मैंने एक बार कहा था कि हमारी आपसी किसी भी विवाद या लड़ाई से महाराष्ट्र बड़ा है। आज की बैठक के बाद हम अन्य नगर निगमों के लिए भी घोषणा करेंगे। मुंबई का मेयर मराठी ही होगा और वह हमारे दल से होगा। उद्धव ठाकरे ने कहा, मैं सभी से अनुरोध और अपील करता हूं कि पिछली विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा ने 'बंटेंगे तो कटेंगे' जैसा दुष्प्रचार किया था।

इसरो ने एलवीएम3 एम6 मिशन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया

पीएम मोदी ने इसरो के ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 लॉन्च की सराहना की, इसे भारत के स्पेस सेक्टर में 'एक अहम कदम' बताया

संवाददाता

नई दिल्ली। भारत ने अंतरिक्ष की दुनिया में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। हम आपको बता दें कि श्रीहरिकोटा से उड़े इसरो के सबसे शक्तिशाली प्रक्षेपण यान एलवीएम3 एम6 ने अमेरिका के संचार उपग्रह ब्लूबर्ड ब्लॉक 2 को पृथ्वी की निम्न कक्षा में सटीकता के साथ स्थापित कर दिया है। यह केवल एक सफल प्रक्षेपण नहीं था बल्कि भारत की तकनीकी क्षमता, रणनीतिक आत्मविश्वास और वैश्विक विश्वसनीयता का प्रदर्शन भी था। हम आपको बता देंकि 43.5 मीटर ऊंचे और दो एस200 ठोस बूस्टरों से लैस इस भारी रॉकेट ने लगभग 15 से16 मिनट की

उड़ान के बाद 6100 किलोग्राम वजनी उपग्रह को करीब 520 किलोमीटर ऊंची कक्षा में स्थापित किया। यह एलवीएम3 के इतिहास का अब तक का सबसे भारी पेलोड है जिसे भारतीय धरती से अंतरिक्ष में पहुंचाया गया। इस मिशन के साथ एलवीएम3 ने अपनी छठी परिचालन उड़ान और तीसरी समर्पित वाणिज्यिक उड़ान पूरी की। यह प्रक्षेपण इसरो की वाणिज्यिक इकाई न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड और अमेरिका स्थित एएसटी स्पेसमोबाइल के बीच हुए समझौते के तहत किया गया। ब्लूबर्ड ब्लॉक 2 सीधे मोबाइल से जुड़ने वाली अगली पीढ़ी की उपग्रह संचार प्रणाली का हिस्सा है, जो बिना किसी विशेष उपकरण के 4जी और 5जी सेवाएं देने के लिए तैयार की गई है। इसका विशाल फेज्ड एरे एंटेना इसे निम्न कक्षा में तैनात सबसे बड़े वाणिज्यिक संचार उपग्रहों में शामिल करता है। इस मिशन की सफलता पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने बताया कि नियोजित कक्षा के मुकाबले वास्तविक कक्षा में केवल मामूली अंतर रहा, जो प्रक्षेपण की उच्च सटीकता को दशार्ता है। इसरो प्रमुख ने इसे भारत के भारी प्रक्षेपण कार्यक्रम के लिए मील का पत्थर बताया।

राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव प्रक्रिया को लेकर जारी किए दिशा-निर्देश

दो से अधिक बच्चों वाले उम्मीदवार नहीं लड़ सकेंगे निकाय चुनाव

संवादाता

रांची : नगर निकाय चुनाव में दो से अधिक बच्चे वाले उम्मीदवार चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। इतना ही नहीं हर प्रत्याशी को चुनाव नामांकन के वक्त एक शपथ पत्र देना होगा कि निर्धारित कट ऑफ तक उन्हें दो बच्चे हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने इसको लेकर सभी जिलों को निर्देशित किया है। राज्य निर्वाचन आयोग ने नगर निकाय चुनाव की तैयारियों के बीच उम्मीदवारों की योग्यता और चुनाव प्रक्रिया को लेकर सभी जिलों को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आयोग के सचिव राधेश्याम प्रसाद ने बताया कि महापौर, अध्यक्ष और वार्ड सदस्य पद के लिए चुनाव

लड़ने वाले प्रत्याशी का संबंधित नगर निकाय का मतदाता होना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि नगर निकाय की मतदाता सूची में शामिल कोई भी व्यक्ति उस निकाय के किसी भी वार्ड से चुनाव लड़ सकता है, बशर्ते वह उस वार्ड में लागू आरक्षण नियमों का पालन करे। आरक्षण के कारण कोई प्रत्याशी अपने वार्ड से चुनाव नहीं लड़ पा रहा है, तो वह अन्य किसी भी वार्ड से किस्मत आजमा सकता है। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि नगर निकाय चुनाव में दो से अधिक बच्चों वाले उम्मीदवार चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। नामांकन के समय प्रत्येक प्रत्याशी को शपथ पत्र देना होगा कि निर्धारित कट-ऑफ तिथि तक उनके दो से अधिक बच्चे नहीं हैं। इस संबंध में नगर विकास विभाग की पूर्व जारी चिट्ठी के आधार पर कड़ाई से अनुपालन कराने के निर्देश दिए गए हैं। चुनावी तैयारियों की जानकारी देते हुए आयोग के सचिव ने बताया कि सभी जिलों में वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।

समारोह

श्रीनाथ विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह संपन्न, डिग्री पाकर खिले विद्यार्थियों के चेहरे

राज्य कर्मियों को मिलेगा 1 करोड़ का दुर्घटना बीमा

संवादाता

सरायकेला-खरसावां जिला के आदित्यपुर स्थित श्रीनाथ विश्वविद्यालय में बुधवार को प्रथम दीक्षांत समारोह हुआ। इसमें बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार उपस्थित थे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल विश्वविद्यालय के लिए ही नहीं, बल्कि शिक्षकों और अभिभावकों के लिए भी गर्व और उपलब्धि का क्षण है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आज से उनके जीवन की एक नई यात्रा प्रारंभ हो रही है। दीक्षांत समारोह केवल डिग्री प्राप्त करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के संघर्ष, अनुशासन, परिश्रम और संकल्प का प्रतीक है। आने वाले जीवन में ज्ञान के साथसाथ । मूल्य, संवेदनशीलता और सामाजिक दायित्व ही विद्यार्थियों की पहचान बनेंगे। राज्यपाल ने निजी

विश्वविद्यालयों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनसे यह अपेक्षा की जाती है कि वे यूजीसी द्वारा निर्धारित मानकों का पालन करें, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर आधारभूत संरचना, योग्य संकाय, शोध एवं नवाचार को बढ़ावा दें। उन्होंने विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट सेल को सक्रिय और उद्योगों से जुड़ा रहने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि केवल उपाधि पर्याप्त नहीं, बल्कि कौशल विकास, व्यावहारिक प्रशिक्षण और रोजगारपरक शिक्षा आज की जरूरत है। इस दौरान प्रथम दीक्षांत समारोह में 2021, 2022 एवं 2023 शैक्षणिक सत्रों के विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सुखदेव महतो,कुलपति प्रो. डॉ. एसएन सिंह, कुलसचिव डॉ. याहिया भी उपस्थित थे। अपने संस्कार और अपनी मिट्टी से जुड़े रहें छात्र : विधायक दीक्षांत समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि ईचागढ़ की विधायक सविता महतो ने कहा कि कहा कि आज का दिन पूरे क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक है और विद्यार्थियों के लिए यह एक यादगार क्षण है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने संस्कार और अपनी मिट्टी से जुड़े रहने की अपील करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी पाना नहीं, बल्कि एक अच्छा इंसान बनना भी है। दीक्षांत समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि ईचागढ़ की विधायक सविता महतो ने कहा कि कहा कि आज का दिन पूरे क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक है और विद्यार्थियों के लिए यह एक यादगार क्षण है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने संस्कार और अपनी मिट्टी से जुड़े रहने की अपील करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी पाना नहीं, बल्कि एक अच्छा इंसानबनना भी है।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने की मुलाकात

संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से बुधवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने औपचारिक मुलाकात की। इस मौके पर राज्य सरकार तथा कोल मंत्रालय एवं कोल इंडिया की अनुषंगी इकाइयों के अधिकारियों के बीच कोयला एवं खनन क्षेत्र की बेहतरी को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। इस दौरान राज्य में कोल माइंस से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों-मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। मौके पर मुख्यमंत्री ने कोल माइंस से संबंधित कई महत्वपूर्ण विषयों सहित झरिया मास्टर प्लान, बेलगड़िया टाउनशिप परियोजना, गवर्नमेंट लैंड कंपनसेशन, खनन कार्य पूर्ण हो चुके भूमि की वापसी, शेष का रिव्यू, नई कोल खनन परियोजनाओं का संचालन सहित

अन्य मुद्दे पर राज्य सरकार का पक्ष रखा, वहीं केंद्रीय कोयला मंत्री ने कोल खनन परियोजनाओं को लेकर आ रही समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के बेहतर समन्वय से ही कोल माइंस से जुड़े समस्याओं का समाधान संभव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झरिया मास्टर प्लान तथा बेलगड़िया टाउनशिप परियोजना एक महत्वपूर्ण पहल है, इन परियोजनाओं के तहत विस्थापित परिवारों को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान किया जा सकेगा, जल्द झरिया मास्टर प्लान हेतु पूर्णकालिक सीईओ की नियुक्ती पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी की उपस्थिति में अधिकारियों के बीच हुई खनिजों पर मिलने वाली रॉयल्टी, विस्थापितों का पुनर्वास, नौकरी और मुआवजा, सरकारी भूमि पर जमाबंदी को लेकर नीतिगत निर्णय लिए पर सहमति, शेष का रिव्यू,

फिरायालाल स्कूल में धूमधाम से मना खेल वार्षिकोत्सव कॉम्बाटिका, बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियां ने मोहा मन

रांची, संवाददाता ।

फिरायालाल पब्लिक स्कूल में 27वां खेल वार्षिक उत्सव कॉम्बाटिका बड़े धूमधाम से मनाया गया. कार्यक्रम की शुरूआत दीप जलाकर और मेहमानों के स्वागत से हुई. इसके बाद बच्चों के प्रार्थना नृत्य किया, जिससे स्कूल का माहौल भक्तिमय हो गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारत के चर्चित क्रिकेटर एवं झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी सौरभ तिवारी उपस्थित रहे. वहीं गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी मधुकांत पाठक ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई. विशिष्ट अतिथियों में क्रिकेट कोच चंचल भट्टाचार्य, रजनी सेन और एस. सेन मौजूद रहे. विद्यालय के स्कूल बैंड की सशक्त और अनुशासित प्रस्तुति ने सभी को प्रभावित किया. इसके बाद ताइक्वांडो प्रदर्शन, अम्ब्रेला डांस, जुम्बा, एरोबिक्स, हैट डांस और गीत प्रस्तुति जैसे रंगारंग कार्यक्रमों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया. खेल प्रतियोगिताओं के समग्र परिणामों में ज्ञान दल ने पहला, शांति दल ने दूसरा और मैत्री दल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया.

व्यक्तिगत खेलों सहित सर्वाधिक पदक अर्जित करने वाले दल को विनर ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य नीरज कुमार सिन्हा ने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की. इस दौरान उन्होंने स्कूल की शैक्षणिक, खेलकूद एवं सह-शैक्षणिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और अभिभावकों को नई शिक्षा नीति के प्रमुख बिंदुओं से अवगत कराया. चेयरमैन रितुल मुंजाल ने अपने संबोधन में कहा कि संस्थान के छह स्तंभ पाठ्यक्रम, नैतिक मूल्य, सामाजिक दायित्व, नेतृत्व, इन्फ्रास्ट्रक्चर और टेक्नोलॉजी को सशक्त बनाना उनकी प्राथमिकता है. मुख्य अतिथि सौरभ तिवारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए खेलों को जीवन का अभिन्न अंग बताया और अनुशासन, समर्पण एवं टीम भावना के महत्व पर बल दिया.कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन अक्षिता और संभव भारद्वाज ने किया. खेल समारोह का आयोजन स्पोर्ट्स टीचर बिजय राज वर्मा और अमित मोदक के निर्देशन में किया गया, जिसमें सीनियर कोऑर्डिनेटर शाईनी सिंह, सुनील प्रसाद एवं संजीव श्रीवास्तव का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

हेमंत कैबिनेट से पेसा नियमावली को मंजूरी मिलने पर झारखंड में उत्साह का माहौल ! पूर्व मंत्री के आवास पर ढोल नगाड़ों के साथ मनाई गई खुशियां

रांची, संवाददाता ।

हेमंत कैबिनेट द्वारा पेसा नियमावली को मंजूरी प्रदान किये जाने के बाद बुधवार को झारखंड में जश्न मनाया गया. रांची के बरियातू स्थित पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव के आवास पर जनजातीय समुदाय के लोगों ने ढोल नगाड़े की थाप पर जमकर नृत्य किया और एक दूसरे को गुलाल लगाकर बधाई दी. इस दौरान राज्य की पूर्व पंचायत निदेशक एवं आईआरएस अधिकारी निशा उरांव भी उत्साहित दिखीं. दरअसल, पूर्व पंचायती राज निदेशक रहते हुए निशा उरांव के कार्यकाल में ही 'पेसा नियमावली' का ड्राफ्ट तैयार किया गया था. निशा उरांव, राज्य की पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव की बेटी हैं और फिलहाल रांची में इनकम टैक्स विभाग में उच्च अधिकारी हैं. इस मौके पर निशा उरांव ने कहा कि 1996 में संसद से पारित पेसा कानून में जो प्रावधान है, वह अब धरातल पर उतरेगा.

पेसा कानून के लिए संघर्ष करने वालों के विचार भी नियमावली में हैं समाहित: निशा उरांव

झारखंड में लंबे इंतजार के बाद कैबिनेट से पेसा नियमावली पारित हो जाने के बाद खुशी साझा करते हुए निशा उरांव ने बताया कि बहुत लंबे इंतजार के बाद पेसा नियमावली, राज्य में लागू हुई है और अब कागज में जो संवैधानिक अधिकार आदिवासी समाज के थे वह अब जमीन पर उतरेगा. हम सबको इसका बेसब्री से इंतजार था, इसलिए आज हम अलग-अलग समाज के लोग मिलकर एक साथ खुशियां मना रहे हैं क्योंकि यह उत्सव मनाने का दिन है. निशा उरांव ने आगे कहा कि पेसा कानून दो पेज का कानून है लेकिन वह किस प्रक्रिया के तहत राज्य में जमीन पर उतारा जाएगा? यह इस नियमावली से ही तय होगा. निशा उरांव ने बताया कि जब मैं पंचायत निदेशक के रूप में पेसा कानून के नियमावली ड्राफ्ट में थी और उसे पहली बार प्रकाशित किया गया था, मुझे लगा कि इसमें जिस समाज के लिए नियमावली बनाई जा रही है, उनके भी विचार समाहित होने चाहिए, उनकी आकांक्षाओं को भी उसमें समाहित किया जाना चाहिए. यह सोचकर कई कार्यशाला आयोजित किए गए, सुझाव आमंत्रित किए गए और जो परामर्श मिले, उनमें से कई को नियमावली में जगह दी गई.

पेसा कानून से आदिवासियों की जमीन और संसाधनों की होगी रक्षा: रामेश्वर उरांव

वहीं पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा कि आज ही के दिन यानी 24 दिसंबर 1996 को केंद्र सरकार ने पेसा कानून बनाया था. इसमें अफसोस रहा कि झारखंड में आदिवासी बहुल क्षेत्र होने के बावजूद यह कानून रुका हुआ था. रामेश्वर उरांव ने कहा कि मुझे याद है कि 2014-15 में बीजेपी की सरकार थी, उसी समय केंद्र से मॉडल रूल बनकर आया था लेकिन उस समय कुछ नहीं हुआ. वर्तमान सरकार में भी देरी हुई है. राज्य सरकारों की ये जिम्मेदारी तो बनती थी कि नियमावली बनाकर जल्द से जल्द पेसा कानून को यहां लागू किया जाए लेकिन इसमें देरी हुई. पूर्व मंत्री ने आगे कहा कि कल सरकार ने नियमावली को कैबिनेट से पारित कर दिया और इसके लागू होने से जनजातीय क्षेत्र में जमीन और संसाधनों की रक्षा होगी. यही तो दोनों चीज आदमी को चाहिए, खासकर आदिवासियों को चाहिए कि उनकी जमीन बची रहे और उनके जो रिसोर्सेज हैं, वह भी बचे रहे. इसके साथ ही लोहरदगा से पेसा कानून नियमावली लागू होने की खुशियां मनाने रांची पहुंचे आदिवासी सोमेश उरांव ने बताया कि कितने सालों के संघर्ष के बाद यह मौका आया है, बहुत संघर्ष किया इसके लिए और संघर्ष करते-करते आज हमें पेसा कानून नियमावली मिली है।

आशियाना उजड़ा... खुशियां आंसू बनकर बह रहे, अब कैसे मनेगा क्रिसमस

रांची, संवाददाता ।

एक ओर पूरा शहर क्रिसमस की रौशनी, गीतों और खुशियों में डूबा है. दूसरी ओर डीआईजी ग्राउंड में बसे करीब दर्जनों ईसाई परिवारों के लिए यह पर्व इस बार दर्द और बेबसी की कहानी बनकर रह गया है. इनके लिए न रहने के लिए छत बची है और न ही क्रिसमस मनाने का ठिकाना बच सका है. टूटे हुए घरों के मलबे के बीच जब पीड़ित परिवारों से मुलाकात हुई, तो दृश्य किसी भूकंप या सुनामी के बाद की त्रासदी जैसा प्रतीत हो रहा था. जिन हाथों से कभी एक मंजिला घर बनाए गए थे, आज वही हाथ ईंट, रॉड और पत्थर चुनकर एक कोने में जमा करते दिखे. खिड़कियां, दरवाजे, दीवारें,सब कुछ उजड़ चुका है और घर अब सिर्फ खंडहर बनकर रह गए हैं. पीड़ित परिवार की सदस्य अनामिका गुड़िया भावुक हो कर बताती हैं कि चारों ओर क्रिसमस की खुशियां हैं. लोग अपने परिवार और बच्चों के साथ यीशु मसीह के आगमन की प्रतीक्षा कर रहे हैं, लेकिन हमें प्रशासन ने घर से बेघर कर दिया. हमारे पास अब मनाने के लिए कुछ भी नहीं बचा. इस क्षेत्र में पहले 8 से अधिक घर थे. जहां गलोरिया कंडुलना, फ्लुजेंसिया बाड़ा, रेमन डुंगडुंग सोनु, मारिया सहित कई परिवार वर्षों से रह रहे थे. हर साल क्रिसमस के मौके पर घरों में केक, मिठाई और उपहार आते थे, मेहमानों का आना-जाना लगा रहता था. लेकिन इस बार न केक होगा, न मिठाई और न ही क्रिसमस गिफ्ट का इंतजार होगा. क्योंकि घर ही नहीं बचे हैं. हाईकोर्ट के आदेश के बाद रिम्स की जमीन पर बसे इन परिवारों को अवैध कब्जाधारी बताकर इनके घर तोड़ दिए गए. किराए के मकान में रहने के लिए ये लोग मजबूर हो गये.

वीवीपीएस में 12वीं वार्षिक स्पोर्ट्स डे 'ओजस' का भव्य समापन

रांची, संवाददाता ।

वीवीपीएस विद्यालय में 12वें वार्षिक खेल दिवस ओजस का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण खेल भावना, अनुशासन और ऊर्जा से ओत-प्रोत नजर आया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत अनुशासित एवं आकर्षक मार्च पास्ट से हुई, जिसमें एकता, समर्पण और टीम भावना का सुंदर प्रदर्शन देखने को मिला। छोटे बच्चों के लिए आयोजित फन गेम्स, लेमन एंड स्पून रेस, रैबिट हॉप तथा बुक बैलेंसिंग रेस विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। विद्यार्थियों ने पूरे जोश और खेल भावना के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया। छात्राओं द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्वागत गीत, नृत्य एवं एरोबिक्स ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुरेंद्र कुमार झा, आईपीएस, डीआईजी (पर्सनल), पुलिस मुख्यालय, रांची ने विभिन्न कक्षाओं की दौड़, लंबी कूद, ऊँची कूद, रिले रेस, स्किपिंग एवं अन्य खेल प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पदक एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

विद्यालय की निदेशक प्रभा सिंह ने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया तथा विजेताओं को पुरस्कृत किया। प्रधानाचार्या जया प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेल अत्यंत आवश्यक हैं। खेल बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यालय की राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। समारोह का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। वार्षिक स्पोर्ट्स डे ओजस का यह आयोजन सभी के लिए प्रेरणादायक एवं अविस्मरणीय सिद्ध हुआ।

ये प्रतिभागी हुए सम्मानित

- बेस्ट गर्ल एथलीट ट्रॉफी -मोबाश्शेरा सुल्ताना
- बेस्ट बॉय एथलीट ट्रॉफी - मुहम्मद यईस मुस्ताख
- बेस्ट मार्च पास्ट ट्रॉफी - जर्कन हाउस
- ओवरऑल चैम्पियनशिप ट्रॉफी - रूबी हाउस

पेसा कानून की मंजूरी के बाद आदिवासी समाज में खुशी की लहर, उड़े अबीर-गुलाल

रांची, संवाददाता ।

आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों से जुड़े पेसा कानून को झारखंड कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद रामेश्वर उरांव के आवास में हजारों आदिवासी संगठनों और पारंपरिक व्यवस्था के लोगों में खुशी की लहर थमने का नाम नही ले रहा है. मंगलवार को डीआईजी ग्राउंड, बरियातु स्थित पूर्व मंत्री रामेश्वर उरांव के आवास पर खुशी का महौल देखने को मिला, जहां आदिवासी संगठनों, पारंपरिक अगुवाओं और सामाजिक कार्यकताओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर और फूलों की बारिश कर बधाइयां दीं. इस अवसर पर मुंडा, उरांव, संथाल, खड़िया हो सहित विभिन्न आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद थे. सभी ने इसे आदिवासी समाज के लंबे संघर्ष की बड़ी जीत बताया.

पूर्व मंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा कि पेसा कानून के मॉडल रूल पहले ही भेजे गए थे, लेकिन झारखंड में इसके लागू होने में देरी हुई. यह कानून आदिवासियों के अधिकारों को मजबूत करेगा. जब अधिकार मिलते हैं, तो उसकी जिम्मेदारी भी समाज को उठानी होती है. उन्होंने भरोसा जताया कि पेसा कानून से शोषण रुकेगा और जमीनें सुरक्षित होंगी. सामाजिक कार्यकर्ता निशा उरांव ने कहा कि पेसा कानून आदिवासी समाज के लंबे संघर्ष का परिणाम है. अब अधिकार सिर्फ कागजों में नहीं, बल्कि लोगों के हाथ में आ गए हैं. इससे गांवों में सहभागिता बढ़ेगी और पारंपरिक व्यवस्था को मजबूती मिलेगी.

कैबिनेट ने पेसा नियमावली को दी मंजूरी, जनजातीय स्वशासन की दिशा में ऐतिहासिक कदम : राजेश ठाकुर

रांची, संवाददाता ।

झारखंड सरकार ने पेसा कानून की नियमावली को मंजूरी देकर राज्य के जनजातीय स्वशासन को नई दिशा दी है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया, जिसके बाद ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह से मुलाकात कर उन्हें सराहना और बधाई दी गई.

29 वर्षों के बाद पूरा हुआ सपना

पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने इस फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि 29 वर्षों के बाद पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और दिशोम गुरु शिबू सोरेन का सपना साकार हुआ है. उन्होंने कहा कि व्यापक जन-विमर्श और निरंतर अध्ययन के बाद लिया गया यह निर्णय सुनिश्चित करेगा कि पेसा कानून अब कागजों में नहीं, बल्कि ग्राम सभाओं में जीवंत रूप में लागू हो. राजेश ठाकुर ने कहा कि यह फैसला अनुसूचित क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासन को मजबूती देने और आदिवासी समाज के संवैधानिक अधिकारों को धरातल पर उतारने का ठोस कदम है. झारखंड के 25वें स्थापना वर्ष में यह निर्णय राज्य की लोकतांत्रिक यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है.

पेसा बांटने का नहीं बल्कि मजबूत करने का है: राजेश ठाकुर

उन्होंने स्वर्गीय बंदी उरांव को विशेष रूप से याद करते हुए कहा कि पेसा कानून की नींव मजबूत करने में उनका योगदान अविस्मरणीय है. पूर्व व्हर अधिकारी और सिसई से कई बार विधायक रहे बंदी उरांव ने अपनी दूरदर्शिता और समर्पण से इस कानून को आकार देने में अहम भूमिका निभाई थी. राजेश ठाकुर ने स्पष्ट किया कि पेसा बांटने का नहीं, बल्कि ग्राम सभा को मजबूत कर सहभागी लोकतंत्र स्थापित करने का कानून है. उन्होंने कहा कि ग्राम सभा के सामूहिक निर्णयों का सम्मान हर सरकार को करना होगा. इस अवसर पर झारखंड राज्य आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान और वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि भूषण राय ने भी बधाई देते हुए कहा कि आज झारखंड के इतिहास का बेहद महत्वपूर्ण दिन है. उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मंत्री दीपिका पांडे सिंह और कैबिनेट के सभी सदस्यों को इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए धन्यवाद दिया.

जगन्नाथपुर मंदिर का स्थापना दिवस 25 को, होगी विष्णु सहस्त्रनाम पूजा

रांची, संवाददाता ।

राजधानी रांची के जगन्नाथपुर मंदिर का स्थापना दिवस 25 दिसंबर को होगा. इस दिन विष्णु लक्षार्चना वार्षिक पूजा होगी, सुबह पांच बजे से ही भगवान जगन्नाथ के दर्शन सुलभ होंगे, सुबह छह बजे आरती होगी, सुबह 8:00 बजे से 8:30 बजे तक कलश पूजा और विष्णु पूजा होगी. इसके बाद सुबह 8:30 बजे से 9:15 बजे गणपति हवन और विष्णु गायत्री हवन होगा.

सुबह 10 बजे से विष्णु सहस्त्रनाम पूजा

सुबह 9:16 बजे से 10:00 बजे तक पूजा के लिए श्रद्धालुओं के बीच पत्तल एवं फुल वितरण होगा 10:00 बजे से 11:30 बजे तक विष्णु सहस्त्रनाम पूजा होगी. दिन के 11: 31 बजे से अर्चित फुल भगवान को समर्पित किया जाएगा, दोपहर 12 बजे महाप्रभु को अन्न भोग लगाया जाएगा, दोपहर 12:10 बजे महाप्रभु दर्शन पट बंद कर दिया जाएगा. दोपहर 12:30 बजे से अन्न भोग श्रद्धालुओं के बीच निशुल्क वितरण किया जाएगा. इसके बाद अपराहन 3:00 बजे पुनः पट खुलेगा, यह जानकारी जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति ने दी. समिति की ओर से कहा गया है कि विष्णु सहस्त्रनाम अनुष्ठान में भाग लेने के लिए महिलाओं को साड़ी और पुरुषों को धोती पहन कर आना अनिवार्य है, अन्य किसी परिधान में होने से अनुष्ठान में नहीं बैठ सकते हैं.

संत जेवियर्स कॉलेज के क्रिसमस मिलन महोत्सव में शामिल हुए राज्यपाल, प्रेम और मानवता का दिया संदेश

रांची, संवाददाता ।

रांची स्थित संत जेवियर्स कॉलेज में आयोजित क्रिसमस मिलन महोत्सव में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने भाग लिया और उपस्थित लोगों को क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि क्रिसमस प्रेम, शांति, भाईचारे और मानवता का संदेश देने वाला पर्व है. प्रभु यीशु मसीह का संपूर्ण जीवन आपसी प्रेम, क्षमा और सेवा की भावना को अपनाने की प्रेरणा देता है. उन्होंने कहा कि क्रिसमस हमें यह सिखाता है कि सच्ची खुशी दूसरों की सेवा करने और उनके प्रति करुणा रखने में ही निहित है. राज्यपाल ने कहा कि संत जेवियर्स कॉलेज, रांची न केवल झारखंड बल्कि आसपास के राज्यों में भी एक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान के रूप में अपनी अलग पहचान रखता है. उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि यह महाविद्यालय वर्षों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रतीक रहा है. उन्होंने कहा कि यहां से शिक्षा प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों ने शिक्षा, प्रशासन, विज्ञान, साहित्य, खेल और सामाजिक सेवा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में देश और विदेश में नाम रोशन किया है. कॉलेज की गौरवशाली परंपरा का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि इसकी प्रतिष्ठा को ऊंचाई तक पहुंचाने में यहां के समर्पित शिक्षाविदों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है.

उन्होंने डी. ब्रावर और प्रो. ए. के. सिन्हा जैसे शिक्षाविदों को याद करते हुए कहा कि उनकी सादगी और विद्यार्थियों के प्रति आत्मीयता आज भी लोगों के बीच प्रेरणा का स्रोत है. उन्होंने फादर कामिल बुल्के द्वारा रचित हिंदी-अंग्रेजी शब्दकोश को हिंदी भाषा की अमूल्य धरोहर बताते हुए कहा कि विदेशी मूल के होते हुए भी हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति के प्रति उनका समर्पण अनुकरणीय है. राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में शिक्षा को भारतीय मूल्यों, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि युवा न केवल कुशल बल्कि संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बन सकें. उन्होंने संत जेवियर्स कॉलेज से यह भी आग्रह किया कि वह आसपास के गांवों को गोद लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्रों में और बेहतर कार्य करे. इससे न केवल ग्रामीण क्षेत्रों का विकास होगा, बल्कि यह संस्थान अन्य शिक्षण संस्थानों के लिए भी प्रेरणा का केंद्र बनेगा.

दीपिका पांडे सिंह की मौजूदगी में जनजातीय शासन महोत्सव का समापन, पेसा नियमावली की मंजूरी के लिए बाद सीएम को दिया धन्यवाद

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में आदिवासी स्वशासन को सशक्त करने की दिशा में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम उठाया है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित कैबिनेट की बैठक में पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम पेसा के तहत तैयार नियमावली को मंजूरी दे दी गई. पंचायती राज विभाग के इस प्रस्ताव को कैबिनेट ने मामूली संशोधनों के साथ स्वीकृति दे दी है.

पेसा नियमावली लागू होने से लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होगी: दीपिका पांडे सिंह

पेसा नियमावली के लागू होने से अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को व्यापक अधिकार और दायित्व प्राप्त होंगे. इसके तहत ग्राम सभा को स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, पारंपरिक संस्थाओं की रक्षा, सामाजिक-आर्थिक निर्णयों में भागीदारी, विकास योजनाओं की निगरानी और स्थानीय विवादों के समाधान जैसी जिम्मेदारियां दी गई हैं. इससे गांव स्तर पर लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होगी और आदिवासी समाज की पारंपरिक स्वशासन प्रणाली को संवैधानिक संरक्षण मिलेगा.

दीपिका पांडे सिंह ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर धन्यवाद दिया

इसी क्रम में राजधानी रांची स्थित ऑड्रे हाउस परिसर में आयोजित दो दिवसीय ह्यजनजातीय शासन महोत्सवह्व का समापन हुआ. समापन के अवसर पर पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग की मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उनके आवास पर मुलाकात कर महोत्सव के सफल आयोजन और कैबिनेट से पेसा नियमावली लागू करने को लेकर धन्यवाद दिया. दो दिवसीय इस महोत्सव के दौरान पंचायती राज व्यवस्था, ग्राम सभा को सशक्त बनाने, पारंपरिक प्रशासनिक ढांचे को नई ऊर्जा देने जैसे विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया. खासतौर पर पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और विशेषज्ञों के बीच गहन चर्चा हुई.

पेसा नियमावली को लागू करना सरकार की प्राथमिकता रही: दीपिका पांडे सिंह

मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने महोत्सव के दौरान कहा था कि पेसा नियमावली को कैबिनेट से पारित कर इसे धरातल पर लागू करना सरकार की प्राथमिकता है, ताकि जनजातीय समाज को उनके संवैधानिक अधिकार वास्तविक रूप में मिल सके. कैबिनेट की मंजूरी के साथ यह संकल्प अब औपचारिक रूप से साकार हो गया है. समापन सत्र में मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि ढएरअ एक्ट सिर्फ एक कानूनी प्रावधान नहीं है, बल्कि आदिवासी समुदायों के आत्मसेम्मान, स्वशासन और भागीदारी के लिए एक मजबूत नींव है.

आर्मी पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मना वार्षिकोत्सव

छात्र-छात्राओं ने कई रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए

संवाददाता । रांची

रांची। आर्मी पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया दो दिवसीय वार्षिकोत्सव 'कैलाइडोस्कोप -2025' आर्मी पब्लिक स्कूल ने दो दिवसीय (दिनांक 23 और 24 दिसंबर) वार्षिकोत्सव 'कैलाइडोस्कोप 2025' का आयोजन बड़े ही उत्साह के साथ कैरकट्टा सभागार दीपाटोली कैंट में किया। वार्षिकोत्सव के पहले दिन मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय के चेयरमैन ब्रिगेडियर राजकुमार, सेना मेडल, डिप्टी जी-ओ-सी, 23 इन्फेंट्री पैट्रन कोकरेल डिवीजन उपस्थित थे। वार्षिकोत्सव के दूसरे और अंतिम दिन मुख्य अतिथि के रूप में मेजर जनरल सज्जन सिंह मान, जी- आर्मी ओ-सी, 23 इन्फैंट्री कोकरेल डिवीजन, पैट्रन आर्मी पब्लिक स्कूल, रांची और श्रीमती संगीता मान उपस्थित थे। वि ?द्यालय के प्राचार्य श्री अभय कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि और गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। इसमें छात्र-छात्राओं ने कई रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। यह एक प्रकार का आनंद उत्सव ही था। पहले दिन के कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर राजकुमार सेना मेडल, डिप्टी जी-ओ-सी 23 इन्फैंट्री डिवीजन, अध्यक्ष आर्मी पब्लिक स्कूल दीपाटोली रांची, द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। दूसरे दिन के कार्यक्रम का शुभारंभ मेजर जनरल सज्जन सिंह मान, जी-ओ-सी, 23 इन्फेंट्री डिवीजन और पैट्रन आर्मी पब्लिक स्कूल दीपाटोली रांची और श्रीमती संगीता मान द्वारा दीप प्रज्वलन करने के साथ हुआ। इस अवसर पर छात्रों ने कई रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इसमें समूह नृत्य, गान, नाटक, संगीत आदि की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन जीत लिया। कार्यक्रम की शुरूआत शिव वंदना के साथ हुई, जिसमें कक्षा छठी से आठवीं तक के छात्रों ने अपनी प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति ने सबको भक्ति के रंग में डुबो दिया। इसके बाद प्रधानाचार्य श्री अभय कुमार सिंह ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर वि ?द्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, सह-पाठयक्रम गतिविधियों तथा वि ?द्यालय के आधुनिकीकरण आदि की जानकारी सबके साथ साझा की। कक्षा सातवीं और आठवीं के विद्यार्थियों द्वारा भारत के गौरवशाली इतिहास की जीवंत झलकियां प्रस्तुत की गई। धूमिल हुआ इतिहास फिर आंखों में नजर आने लगा। मौर्य साम्राज्य से लेकर 1857 तक का विद्रोह तो कहीं संप्रभुता से भारत की स्वाधीनता तक की वीर गाथाएं दिखाई गई, जिसने दर्शकों में वीरता के आव को जागृत कर दिया।

विविधता में एकता, साल 1947 से 1950 और आशा की किरण 1950 से 1970 तक के नृत्य ने तो दर्शकों को मंत्रमुग्ध ही कर दिया। वर्ष 1980 से 2000 तक खेलों की झलकियां समूह नृत्य द्वारा प्रस्तुत की गई। कक्षा ग्यारहवीं के छात्रों ?द्वारा अंग्रेजी नाटक प्रस्तुत किया गया। अंग्रेजी नाटक 'अल्लँ३ ड्ढा ॅ ल्लां टॅटॅ' ने सीख देने के साथ-साथ दर्शकों का काफी मनोरंजन भी किया। वर्ष 2000 से 2025 की भारत की यात्रा के ख ?ट्टे-मीठे अनुभव भी छात्रों द्वारा अपने नृत्य द्वारा प्रस्तुत किए गए। छात्रों ने वर्ष 2050 में भारत का भविष्य कैसा होगा, उसकी कल्पना करते हुए नृत्य पेश किया जिसने सबका मनमोह लिया। मुख्य अतिथि ने कई छात्रों को शैक्षणिक तथा खेल क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन और शत प्रतिशत उपस्थिति के लिए सम्मानित किया। सरोजिनी नायडू सदन को इस वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रथम पुरस्कार दिया गया। मुख्य अतिथि ने अपने भाषण में कहा कि बच्चों ने इस वार्षिकोत्सव में अपनी प्रतिभा का परिचय देकर यह साबित कर दिया है कि बच्चों में टैलेंट कूट-कूट कर भरा हुआ है, जरूरत है उनका सही मार्गदर्शन करने की और सर्वांगीण विकास करने की। मुख्य अतिथि ने अभिभावकों को अपने बच्चों की स्कूल में उपस्थिति बढ़ाने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए यह भी कहा कि बच्चों को जीवन में समय और अनुशासन का महत्व समझते हुए, संस्कारों को अपनाते हुए आगे बढ़ना है, तभी वह भविष्य में अच्छे नागरिक बनकर जीवन में सफल हो सकेंगे। जीवन मूल्यों को समझेंगे। मंच का संचालन कक्षा नौवीं और ग्यारहवीं तथा कक्षा पाँचवीं के छात्रों ने संभाला। उनके इस मंच संचालन की कला ने तो सबको चकित कर दिया। इस अवसर पर विद्यालय की उप-प्रधानाचार्या कैप्टन गीता सिंह (रिटायर्ड) हेडमिस्ट्रेस श्रीमती निशा राय के साथ-साथ कई गणमान्य व्यक्ति, शिक्षकगण तथा छात्र भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षकगण के कठोर परिश्रम के साथ-साथ एन.सी.सी कैडेट्स ने भी अपना पूरा योगदान दिया। अंत में वि ?द्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, अभिभावको, शिक्षकगण एवं प्रतिभागियों तथा सभी विद्यार्थियों के प्रति आभार प्रकट किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।

अंजुमन तरक्क़ी उर्दू (हिंद) झारखंड ने मुख्यमंत्री को भेजा विरोध पत्र

JAC की अधिसूचना (50/2025) से हजारों उर्दू छात्रों का भविष्य खतरे में

संवाददाता । रांची

अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू (हिंद) झारखंड ने झारखंड के माननीय मुख्यमंत्री को एक गंभीर विरोध-पत्र भेजकर झारखंड एकेडमिक काउंसिल (खअउ) द्वारा जारी अधिसूचना संख्या 50/2025 पर कड़ी चिंता व्यक्त की है। इस अधिसूचना में निर्देश दिया गया है कि जिन +2 स्कूलों और कॉलेजों में किसी विषय का शिक्षक नियुक्त नहीं है या उस विषय का नियमित पठनझ्रपाठन नहीं हो रहा है ,वहाँ के छात्रों का पंजीकरण स्वीकार नहीं किया जाएगा। संगठन ने इस निर्णय को पूरी तरह अलोकतांत्रिक, अन्यायपूर्ण और उर्दू पढ़ने वाले छात्रों के साथ खुला भेदभाव बताया है। अंजुमन का कहना है कि राज्य के अधिकांश संस्थानों में उर्दू शिक्षकों की भारी कमी है, जो स्पष्ट रूप से सरकारी लापरवाही और नियुक्ति में लगातार हो रही देरी का परिणाम है। ऐसे में इस प्रशासनिक विफलता की सजा छात्रों को देना न्याय के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है। अंजुमन तरक्की उर्दू झारखंड ने अपने विरोधझ्रपत्र में कहा है कि यह अधिसूचना व्यवहार में सबसे अधिक उर्दू छात्रों को प्रभावित करेगी, क्योंकि लगभग सभी अन्य विषयों के शिक्षक संस्थानों में उपलब्ध हैं जबकि उर्दू को वर्षों से उपेक्षित रखा गया है। संगठन का कहना है कि इस आदेश के लागू होने से न केवल हजारों उर्दू छात्र इंटरमीडिएट परीक्षा 2026/27 से वंचित हो जाएँगे बल्कि इसके परिणामस्वरूप उर्दू धीरेझ्रधीरे शैक्षिक ढांचे से बाहर होती चली जाएगी जो एक भाषा और उससे जुड़े समुदाय के साथ अप्रत्यक्ष भेदभाव के बराबर है। अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू (हिंद) झारखंड ने स्पष्ट रूप से कहा है कि सरकार द्वारा उर्दू शिक्षकों की नियुक्ति न करना एक प्रशासनिक विफलता है और जब किसी विषय की पढ़ाई का प्रबंधन ही उपलब्ध नहीं है तो केवल इसी आधार पर छात्रों का पंजीकरण रोक देना भारतीय संविधान के मूल अधिकारों के विरुद्ध है, विशेष रूप से अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार), अनुच्छेद 15 (भेदभावझ्रनिषेध) और अनुच्छेद 30 (अल्पसंख्यकों के शैक्षिक अधिकार) के सीधे उल्लंघन के समान है। अंजुमन तरक्की उर्दू झारखंड ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि इस अधिसूचना में उर्दू विषय के लिए तत्काल विशेष छूट दी जाए जिन संस्थानों में उर्दू शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं, वहाँ के छात्रों को पंजीकरण और परीक्षा हेतु विशेष अनुमति प्रदान की जाए और उर्दू शिक्षकों की नियुक्ति या वैकल्पिक शिक्षण व्यवस्था तुरंत सुनिश्चित की जाए ताकि छात्रों का भविष्य सुरक्षित रहे।

अंजुमन ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की गई तो यह मुद्दा राज्यव्यापी जनझ्रआंदोलन और न्यायालयी हस्तक्षेप का रूप भी ले सकता है। अंजुमन तरक्की उर्दू झारखंड ने आशा व्यक्त की है कि राज्य सरकार इस गंभीर स्थिति की संवेदनशीलता को समझते हुए शीघ्र और सकारात्मक निर्णय लेगी,

नागपुरी विभाग में उल्लासपूर्ण क्रिसमस गैदरिंग, प्रेम-सद्भाव का दिया गया संदेश

संवाददाता । रांची

रांची : रांची विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर नागपुरी विभाग में आज 24 दिसंबर 2025 को हर्षोल्लास के साथ क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. उमेश नंद तिवारी, सहायक प्राध्यापक डॉ. बीरेन्द्र कुमार महतो तथा डॉ. रिझु नायक की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के बीच उत्सव का आत्मीय और सौहार्दपूर्ण वातावरण देखने को मिला। अपने संबोधन में विभागाध्यक्ष डॉ. उमेश नंद तिवारी ने प्रभु यीशु के जन्म के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यीशु मसीह का अवतरण मानवता को प्रेम, भाईचारा और सद्भाव का संदेश देने के लिए हुआ था। उन्होंने बताया कि यीशु ने मानव रूप धारण कर संसार को यह सिखाया कि सेवा, करुणा और क्षमा ही सच्ची मानवता की पहचान है। डॉ. तिवारी ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने जीवन में यीशु के आदर्शों को अपनाते हुए समाज में प्रेम और आपसी सौहार्द को मजबूत करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

डॉ बीरेन्द्र कुमार महतो ने अपनी कविता ₹यीशु , जंगल का उजास₹ और ₹हां, मैं शांता क्लोजर₹ के माध्यम से शांति, प्रेम व सद्भाव का संदेश दिया। डॉ रीझु नायक ने यीशु के बताए मार्ग पर चलने की बात कही। उन्होंने कहा कि आज के समय में जब समाज अनेक चुनौतियों से गुजर रहा है, ऐसे में यीशु के संदेश और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं ।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने भी क्रिसमस के महत्व पर अपने विचार साझा किए और एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं। पूरे आयोजन में उल्लास, अपनापन और सांस्कृतिक एकता की झलक स्पष्ट रूप से देखने को मिली।

कार्यक्रम का संचालन विभाग के शोधार्थी विक्की मिंज ने जबकि धन्यवाद रवि कुमार द्वारा किया गया। इस मौके पर श्वेता कुमारी, अजीत कुमार, अनिता, सुनीता, राजकुमार, सुधीर, वीणा, रीना, काजल, नीलम के अलावा अन्य छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और गीत व कविताएं प्रस्तुत किया।

दो से अधिक बच्चे वाले नहीं लड़ सकेंगे नगर निकाय चुनाव

संवाददाता

रांची। नगर निकाय चुनाव में दो से अधिक बच्चे वाले उम्मीदवार चुनाव नहीं लड़ सकेंगे. इतना ही नहीं हर प्रत्याशी को चुनाव नामांकन के वक्त एक शपथ पत्र देना होगा कि निर्धारित कट ऑफ तक उन्हें दो बच्चे हैं. राज्य निर्वाचन आयोग ने इसको लेकर सभी जिलों को निर्देशित किया है. राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राधेश्याम प्रसाद के अनुसार इस संबंध में नगर विकास द्वारा पूर्व में निकाली गई चिट्ठी को आधार मानकर इसका कड़ाई से पालन कराने का सभी जिलों को निर्देशित किया गया है. जिलों में वार्डों के लिए आरक्षण की प्रक्रिया पूरी : निर्वाचन तैयारी की जानकारी देते हुए आयोग के सचिव ने बताया कि वार्डों में आरक्षण की प्रक्रिया सभी जिलों में पूरी कर ली गई है और आयोग को इस संबंध में रिपोर्ट प्राप्त हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि चुनाव तैयारी को लेकर जल्द ही सभी जिलों के डीसी-एसपी के साथ वीडियो कॉफ्रेंसिंग कर अद्यतन स्थिति की जानकारी ली जाएगी. निगम क्षेत्र के वोटर लड़ सकेंगे किसी भी वार्ड से चुनाव : नगर निकाय चुनाव में आरक्षण के कारण यदि आप उस वार्ड में चुनाव नहीं लड़ पा रहे हैं तो घबराने की कोई जरूरत नहीं है. आप अन्य किसी भी वार्ड से चुनाव लड़ सकते हैं. राज्य निर्वाचन आयोग ने इस संबंध में हाल ही में वार्डों के तय हो रहे आरक्षण के बाद मिल रही शिकायत के बाद सभी जिलों को दिशा निर्देश जारी किया है. आयोग के सचिव राधेश्याम प्रसाद के अनुसार महापौर, अध्यक्ष और वार्ड सदस्य पद के लिए चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की योग्यता से जुड़े दिशा निर्देश जारी किए गए हैं. इसके अनुसार प्रत्याशी का संबंधित नगर निकाय का मतदाता होना अनिवार्य होगा. हालांकि नगर निकाय की मतदाता सूची में शामिल व्यक्ति उस निकाय के किसी भी वार्ड से चुनाव लड़ सकता है, बशर्ते प्रत्याशी को वार्ड में लागू आरक्षण नियमों का पालन करना होगा. बहरहाल, चुनावी तैयारियों के बीच तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, ताकि फरवरी मेंचुनाव कराए जा सकें।

ब्रीफ न्यूज

युवा कांग्रेस झारखंड प्रदेश संगठन चुनाव में रांची जिला महानगर से महासचिव पद पर निर्वाचित हुए मो.असफर खान

संवाददाता ।

राँची। राँची जिला महानगर युवा कांग्रेस के जिला महासचिव पद पर मो. असफर खान के निर्वाचित होने पर कांग्रेस कार्यकताओं एवं समर्थकों में हर्ष का माहौल है। उनके चयन पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, युवाओं एवं शुभचिंतकों ने उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएँ एवं बहुत-बहुत मुबारकबाद दी है ।इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि असफर खान एक कर्मठ, जुझारू एवं ।ामाजिक कार्य के प्रति हमेसा समर्पित रहे हैं। आशा व्यक्त की गई कि वे कांग्रेस पार्टी के सिद्धांतों एवं विचारधारा पर चलते हुए युवा कांग्रेस संगठन को और अधिक सशक्त, मजबूत तथा जनहित से जोड़ने का काम करेंगे ।वही नवनिर्वाचित महासचिव असफर खान ने सभी समर्थको, शुभचिंताको और युवा साथियों का आभार व्यक्त किया और कहा की यह जीत किसी पद के लिए नहीं था यह युवा कांग्रेस के विचारधारा की जीत हैं जिससे प्रेरित होकर युवाओं ने साथ दिया और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में राँची महानगर में युवा कांग्रेस नई ऊर्जा के साथ जनसमस्याओं को उठाएगी और संगठन को मजबूती प्रदान करेगी। साथ ही कहा की मैं कांग्रेस पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने में अपना महत्वपूर्ण भूमिका निभाऊंगा और युवा कांग्रेस हमेशा से युवाओं की और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठती आई है और आगे हम सब मिलकर संगठनात्मक मजबूती की दिशा में काम करेंगे।

बीआईटी मेसरा में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनकम्प्यूटेशनल मैनेजमेंट एवं निर्णय निर्माण का आयोजन

संवाददाता ।

राँची। प्रबंधन अध्ययन विभाग, Birla Institute of Technology, Mesra द्वारा 26 दिसंबर 2025 से तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्यूटेशनल मैनेजमेंट एवं निर्णय निर्माण (CMDM 2025) का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन ऑफलाइन मोड में आयोजित होगा, जिसमें देश-विदेश के शिक्षाविद्, शोधकर्ता एवं उद्योग विशेषज्ञ भाग लेकर कम्प्यूटेशन, प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान के संगम से जुड़े समकालीन मुद्दों और नवाचारों पर विचार-विमर्श करेंगे।

शंख हाउस बना वार्षिक खेल-कूद में ओवरऑल चैंपियन

संवाददाता ।

रांची। एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव बुधवार को उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में शंख हाउस ने ओवरऑल चैंपियन का खिताब जीता, जबकि दामोदर हाउस रनरअप घोषित हुआ। खेल महोत्सव का शुभारंभ 23 दिसंबर को हुआ था। कार्यक्रम में कैरम एसोसिएशन के जिला सचिव अशोक डे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा विद्यालय के प्राचार्य श्री शादान आलम, निदेशक श्री कुणाल कश्यप तथा उप प्राचार्य श्री विकास भार्गव भी विशेष रूप से मौजूद थे। प्रतियोगिता को दो वर्गों में विभाजित किया गया था। पहले दिन नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए बिस्कुट रेस, बुक बैलेंसिंग रेस, बोतल रेस जैसे रोचक खेल आयोजित किए गए। दूसरे दिन कैरम, बैडमिंटन और बास्केटबॉल की प्रतियोगिताएं हुईं। बच्चों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्राचार्य श्री शादान आलम ने कहा कि खेल हमें टीम भावना और अनुशासन के साथ लक्ष्य प्राप्त करना सिखाते हैं। उन्होंने विजेताओं को बधाई दी। निदेशक कुणाल कश्यप ने बच्चों के सर्वांगीण विकास में खेलों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

राज्य सरकार द्वारा राज्यकर्मियों, पेंशनकर्मियों एवं अनुबंध कर्मियों को एक करोड रुपए तक का दुर्घटना बीमा दिए जाने का स्वागत किया : महासंघ

ंवाददाता ।

रांची ।झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ के राज्य अध्यक्ष आदिल जहीर ने माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड सरकार द्वारा राज्य सरकार के कर्मचारियों,पदाधिकारियों, अवकाश प्राप्त कर्मियों तथा अनुबंध कर्मियों को एक करोड़ रुपए तक का दुर्घटना बीमा दिए जाने और उनकी आर्थिक सुरक्षा किए जाने की कार्रवाई का सराहना करते हुए स्वागत किया है। महासंघ के राज्य अध्यक्ष श्री जहीर ने कहा कि राज्य सरकार का यह निर्णय कर्मियों के लिए महत्वपूर्ण और कल्याणकारी कदम है, इससे समस्त झारखंड के राज्यकर्मियों, पदाधिकारियों , कर्मचारियों, आकाश प्राप्त कर्मियों तथा अनुबंध कर्मियों के लिए एक बहुत बड़ी ताकत और उपलब्धि के रूप में साबित होगी। झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ सरकार के इस निर्णय का सराहना करता है। श्री जहीर ने कहा कि राज्य सरकार और बैंक ऑफ इंडिया के बीच एम ओ यू कर इसका सीधा लाभ कर्मियों को पहुंचाने का ठोस पहल किया गया है।

एकता कमेटी ने क्रिसमस की बधाई दी

।ादाता ।

रांची ।रांची । भारतीय एकता कमेटी झारखंड सरकार से रजिस्टर्ड एनजीओ रांची ने सभी क्रिश्चियन भाइयों बहनों को और सभी देशवासियों को क्रिसमस की बहुत-बहुत बधाई दी है। भारतीय एकता कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने कहा के सभी देशवासी मिलजुल कर रहे तो यही हमारे देश की सबसे बड़ी ताकत है । सभी धर्म समुदाय एक दूसरे को सम्मान दें और प्यार से गले लगाए किसी भी प्रकार का भेदभाव हो तो उसे भुला दिया जाए यही सबसे बड़ी इंसानियत मानवता है ।क्रिसमस का उत्सव परमेश्वर के प्रति असीम प्रेम और आस्था को दशार्ता है। यह पर्व समाज में शांति, एकता, सद्भाव और एकजुटता की भावना को मजबूत करता है। हम सभी के जीवन में खुशियां हमेशा बरकरार रहे, प्रभु यीशु से यह प्रार्थना करते हैं।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई समाज कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक

सेविका/सहायिका के रिक्त पदों के लिए चयन प्रक्रिया को 25 जनवरी 2026 तक पूर्ण करें

आंगनबाड़ी सेवाओं की गुणवत्ता एवं योजनाओं की प्रगति के दिए निर्देश

जमशेदपुर, संवाददाता

समाहरणालय सभागार में बुधवार उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में आंगनबाड़ी सेवाओं, महिला-बाल विकास से संबंधित योजनाओं एवं पोषण कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा को लेकर समाज कल्याण विभाग की मासिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। जिसमें जिला स्तर पर संचालित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। बैठक में समीक्षा के क्रम में कई बिंदुओं पर प्रगति असंतोषजनक पाई गई। जिसपर संबंधित पदाधिकारियों को सख्त निर्देश भी दिए गए। बैठक में निर्देशित किया गया कि रिक्त आंगनवाड़ी सेविका एवं सहायिकाओं के सभी पदों की चयन प्रक्रिया 25 जनवरी 2026 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण की जाए। ताकि आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन सुचारु रूप से किया जा सके। भवनहीन आंगनबाड़ी केन्द्रों में भवन निर्माण एवं डीएमएफटी योजना के अंतर्गत निमार्णाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों का भौतिक निरीक्षण कराते हुए समयबद्ध रूप से निर्माण कार्य पूर्ण कर हस्तांतरण सुनिश्चित कराने का निर्देश भी दिया गया। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों में लंबित बिजली कनेक्शन एवं शुद्ध पेयजल व्यवस्था का कार्य 5 जनवरी 2026 तक पूर्ण करने का निर्देश भी दिया गया। बैठक में एमटीसी (माल्न्यूट्रिशन ट्रीटमेंट सेंटर) में शत-प्रतिशत सैम बच्चों को भर्ती कर उपचारित करने पर विशेष बल दिया गया। साथ ही सभी महिला पर्यवेक्षिका का आधार प्रमाणीकरण की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए सभी को आधार ऑनबोर्डिंग से जोड़ने का निर्देश भी दिया गया। प्रतिदिन आंगनवाड़ी केंद्रों के खुलने एवं नियमित संचालन की निगरानी के लिए जिला समाज कल्याण पदाधिकारी एवं सभी सीडीपीओ को जिम्मेदारी भी सौंपी गई। इसके अलावा सभी परियोजनाओं को पोषण ट्रैकर ऐप में शत-प्रतिशत प्रविष्टि सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया गया। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि 03-06 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों की शत-प्रतिशत वृद्धि निगरानी कराते हुए संबंधित डेटा पोषण ट्रैकर ऐप में नियमित रूप से प्रविष्ट किया जाए। ताकि पोषण स्तर की प्रभावी मॉनिटरिंग संभव हो सके। समीक्षा के दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं कन्यादान योजना की प्रगति काफी असंतोषजनक पाई गई। जिसपर बहरागोड़ा एवं धालभूमगढ़ परियोजना के सीडीपीओ को शो-कॉज करने का निर्देश भी दिया गया। उपायुक्त द्वारा स्पष्ट निर्देश दिया गया कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ सुनिश्चित किया जाए। अन्यथा लापरवाही की स्थिति में संबंधित पदाधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में उप विकास आयुक्त नागेन्द्र पासवान, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संध्या रानी, जिला शिक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार, सीडीपीओ समेत अन्य पदाधिकारी व कर्मी भी उपस्थित रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जयंती की पूर्व संध्या पर भाजपा ने मनाया दीपोत्सव

कार्यकताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित कर अटल जी के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

जमशेदपुर, संवाददाता

पूर्व प्रधानमंत्री, झारखंड राज्य के जनक एवं भारत रत्न श्रद्धेय स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती की पूर्व संध्या पर बुधवार भाजपा जमशेदपुर महानगर की ओर से साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय में दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत पूर्व प्रधानमंत्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इस दौरान कार्यालय परिसर को आकर्षक रंगोली और मिट्टी के दीपक से सजाया गया था। पूरे वातावरण में दीपों की रौशनी के बीच कार्यकताओं ने अटल जी को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया और झारखंड अलग राज्य निर्माण सहित राष्ट्र की उन्नति में उनके अतुलनीय योगदान को स्मरण भी किया। दीपोत्सव के दौरान कार्यकताओं ने अटल बिहारी वाजपेयी अमर रहें, भारत माता की जय और भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद के नारों से वातावरण गुंजायमान रहा।

इस अवसर पर अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी केवल एक महान प्रधानमंत्री ही नहीं थे। बल्कि भारतीय राजनीति में सुचिता, संवेदना और राष्ट्रवाद के प्रतीक भी थे। उन्होंने अलग राज्य झारखंड का गठन कर यहां की जनता को सम्मान और पहचान भी दी। श्रद्धेय अटल जी का भाजपा को एक मजबूत वैचारिक और राष्ट्रीय विकल्प के रूप में स्थापित करने में ऐतिहासिक और अतुलनीय योगदान रहा है। उनके आदर्श, विचार और राष्ट्र के प्रति समर्पण आज भी हम सभी कार्यकताओं के लिए मार्गदर्शक हैं। मौके पर संजीव सिन्हा, बबुआ सिंह, राजीव सिंह, संजीव सिंह, मिली दास, कृष्णा शर्मा काली, प्रेम झा, अखिल सिंह, बिनोद सिंह, संजीत चौरसिया, उज्जवल सिंह, नीलू मछुआ, पवन अग्रवाल, पप्पू उपाध्याय, अमित शर्मा, श्वेता कुशवाहा, काजू सांडिल, मीरा शर्मा, लीना चौधरी, रीना चौधरी, गौरी कुमारी, कृष्णा देवी, शुक्ला हलदर, श्रीनू राव, अमिश अग्रवाल, मनोज सिंह, मधुमाला समेत अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

धोखाधड़ी होने पर अपने उपभोक्ता अधिकार का इस्तेमाल जरूर करें : प्रवीण राजगढ़िया

रामगढ़, संवाददाता

श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा में बुधवार को राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित सेमिनार का उदघाटन स्कूल के निदेशक प्रवीण राजगढ़िया, प्राचार्य विवेक प्रधान और शिक्षकों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। सेमिनार में बच्चों को बताया गया कि जागरूक उपभोक्ता ही एक निष्पक्ष, पारदर्शी और मजबूत बाजार व्यवस्था की नींव रखता है। यह दिवस उपभोक्ताओं को यह बताता है कि आप केवल खरीददार ही नहीं, बल्कि कानून द्वारा संरक्षित एक सशक्त नागरिक भी हैं। निदेशक प्रवीण राजगढ़िया ने कहा कि आज के समय में बाजार में कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है। ऐसे में किसी उत्पाद या सेवा को लेकर उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी, गलत जानकारी और भ्रामक विज्ञापनों के मामले भी बढ़ रहे हैं। ऐसे में उपभोक्ताओं को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी जरूरी है। ग्राहक को जागरूक रहकर हमेशा सही व सुरक्षित खरीदारी करना चाहिए। फिर भी यदि कोई धोखा होता है, तो अपने अधिकार का उपयोग करने से पीछे नहीं हटना चाहिए। प्राचार्य विवेक प्रधान ने कहा कि भारत जैसे विशाल देश में बाजार से करोड़ों लोग जुड़े हुए हैं। ठगी, नकली सामान, गलत बिलिंग या खराब सेवाओं का शिकार होने के बाद जानकारी के अभाव में ग्राहक शिकायत नहीं करते हैं। यदि हम जागरूक रहेंगे तभी अपने उपभोक्ता अधिकार का उपयोग कर पाएंगे। सेमिनार में बच्चों को उपभोक्ताओं के साथ ठगी और धोखाधड़ी से संबंधित कई स्थानीय एवं चर्चित केस के बारे में बताया गया कि कैसे किसी उपभोक्ता ने अपने कानूनी अधिकार का उपयोग किया। सेमिनार में बच्चों ने भी विभिन्न कंपनियों के प्रोडक्ट, भ्रामक विज्ञापनों आदि का जिक्र करते हुए बताया कि कैसे भ्रामक विज्ञापन के चक्कर में फंसकर उनके घर में प्रोडक्ट की खरीदारी हो जाती है।

बिरहोर परिवारों के बीच बी डी ओ एवं मुखिया ने कंबल का किया वितरण

पतरातू: ग्राम पंचायत कोतो के बिरहोर कॉलोनी में विरहोर परिवार के बीच लगभग 40 कम्बल का प्रखंड विकास पदाधिकारी व मुखिया प्रतिनिधि सह समाजसेवी जयप्रकाश सिंह ननकी ने वितरण किया। मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज गुप्ता ने बताया कि ठंड को देखते हुए यहां जल्द अलाव की भी व्यवस्था की जायेगी। बिरहोर परिवार के जाति, जन्म, मृत्यु,आय,आवासीय के लिए भी जल्द यहां कैम्प लगाया जाएगा। मौके पर उपस्थित मुखिया प्रतिनिधि सह समाजसेवी जयप्रकाश सिंह ननकी ने कहा कि दिनांक 26/12/025 से पुरे बिरहोर परिवार का सभी घरों का मरम्मतिकरन का कार्य प्रारंभ होगा और सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जाने पर पंचायत के जरुरतमंद परिवारों के बीच कम्बल वितरण किया जाएगा।

जिंदल कंपनी द्वारा अवैध रूप से जमीन हथियाना के विरोध में मुखिया एवं ग्रामीणों ने थाना में दिया आवेदन

रामगढ़, संवाददाता

बलकुदरा के ग्रामीणों ने बासल थाना में आवेदन देकर आग्रह किया है कि खाता नंबर 283 प्लॉट नंबर 1522 कुल रकबा 1 एकड़ 28 डिसमिल जमीन हमारे तीन पीढ़ी से शांतिपूर्वक दखल कब्जा और जोत आबाद है और इसके अलावा चार दिवारी घर मकान और दुकान बना हुआ है। उसमें आज तक किसी के भी द्वारा कोई दावा दखल और ना किसी तरह का दावा पेश किया है। हमारे दादा परदादा के नाम पर हुकुम नामा रसीद एवं हाल सर्वे का डिग्री पेपर भी है। 2009 में जिन्दल कंपनी गांव के ग्रामीणों से अवैध तरीके से फर्जी पेपर तैयार कर जमीन खरीद लिया। जिंदल कंपनी के द्वारा जमीन जहां भी लिया तो रैयत से खरीद किया गया। जमीन पर कब्जा लिया गया लेकिन लगभग 14 साल हो गए किसी तरह का न कब्जा लिया ना दावा किया। 4 महीना पहले बलकुदरा निवाशी बृजमोहन मुंडा सरकार द्वारा प्राप्त प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास निर्माण कर रहा था। इसी बीच जिन्दल कंपनी के अधिकारी के द्वारा बोला जाता है कि रैयत के द्वारा यह जमीन कंपनी के नाम से बिक्री हो चुकी है। काम नही करना है। काम रोकने के लिए जिंदल कंपनी थाना और अंचला अधिकारी को आवेदन देकर काम रुकने का आग्रह किया है ' जिससे ग्रामीण काफी डरे सहमें और भयभीत हैं। इसी के आलोक में वहां के रैयतों ने थाना प्रभारी, अंचलाधिकारी, ग्रामीण शामिल थे। अनुमंडल अधिकारी एवं उपायुक्त महोदय को आवेदन देकर आग्रह किया है कि हमारी वर्षों की जो दादा परदादा के समय से काबिज जमीन है उसको बचाया जाए और अवैध ढंग से खरीद बिक्री में संलिप्त दोषी व्यक्तियों के ऊपर उचित कानूनी कार्रवाई किया जाए। आवेदन देने वालों में मुखिया विजय मुंडा ,पूर्व जिला पार्षद झरी मुंडा पूर्व मुखिया रामदास बैदीया राजमोहन मुंडा पवन मुंडा नागेश्वर मुंडा जागेश्वर मुंडा बिजेंदर मुंडा आयुष राज रवि मुंडा बृजमोहन मुंडा शक्ति देवी सीमा कुमारी सुमन कुमारी पूनम देवी अवंती देवी सावित्री देवी लीला देवी शकुंतला देवी फूलमानी देवी सुमित्रा देवी बेबी देवी रामप्रसाद मुंडा रामचरण मुंडा शिवचरण मुंडा एवं दर्जनों ग्रामीण शामिल थे।

सीसीएल सवांग वाशरी में चोरों का आतंक, हेड सिक्योरिटी गार्ड पर जानलेवा हमला

गोमिया (बोकारो) : सीसीएल सवांग वाशरी क्षेत्र में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। मंगलवार रात करीब साढ़े दस बजे सवांग वाशरी बैंकर के सामने तैनात हेड सिक्योरिटी गार्ड कामेश्वर कुम्हार पर 20-25 की संख्या में पहुंचे अज्ञात चोरों ने बेरहमी से हमला कर दिया। बताया जाता है कि गार्ड लगातार लोहा और कोयला चोरी रोकने में सक्रिय थे, जिससे नाराज चोरों ने उन्हें घेरकर लाठी और लोहे से जमकर पीटा। हमले में गार्ड की जांघ में गंभीर चोट आई। चोरों ने स्टोर में तोड़फोड़ भी की। सूचना पर गोमिया थाना पुलिस पहुंची, पुलिस को देखकर चोर फरार हो गए। हालांकि पुलिस के लौटते ही दोबारा चोरी की कोशिश की चर्चा से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। घायल गार्ड का कथारा अस्पताल में इलाज कराया गया। घटना से कर्मचारियों व स्थानीय लोगों में आक्रोश है। लोगों ने गश्त बढ़ाने, आरोपियों की गिरफ्तारी और स्थायी सुरक्षा व्यवस्था की मांग की है।

ऑपरेशन सतर्क के तहत आरपीएफ पोस्ट बीकेएससी की बड़ी कार्रवाई

बोकारो, संवाददाता

ऑपरेशन सतर्क के तहत आरपीएफ पोस्ट बीकेएससी नेबुधवार को ट्रेन संख्या 18626 (कोसी सुपर एक्सप्रेस) में जांच के दौरान लावारिस हालत में मिली भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की। आरपीएफ टीम ने जनरल कोच में संदिग्ध स्थिति में एक ट्रॉली बैग देखा। यात्रियों से पूछताछ के बावजूद किसी ने बैग पर दावा नहीं किया, जिसके बाद उसे उतारकर जांच की गई। तलाशी के दौरान बैग से 375 एमएल की कुल 30 शराब की बोतलें बरामद हुईं, जिनमें रॉयल चैलेंज की 16, रॉयल स्टैग की 10, ब्लेंडर्स प्राइड की 2 और स्टर्लिंग रिजर्व की 2 बोतलें शामिल हैं। बरामद शराब की अनुमानित कीमत 12,640 रुपये बताई गई है। कार्रवाई एएसआई डी.के. द्विवेदी के नेतृत्व में की गई। जब्त शराब को 25 दिसंबर 2025 को उत्पाद विभाग को सौंपा जाएगा।

सकारात्मक आउटलुक के बीच वेदांता का शेयर रिकॉर्ड ऊंचाई पर, रु 599.80 तक पहुंचा

बोकारो, संवाददाता

वेदांता लिमिटेड का शेयर बुधवार को एनएसई में कारोबार के दौरान रु 599.80 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुँच गया। इंट्रा-डे में शेयर में करीब 2 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई और यह 52-हफ्तों के उच्च स्तर के आसपास बंद हुआ। पिछले एक महीने में कंपनी के शेयर में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़त देखी गई है। शेयर में आई इस मजबूती की सबसे बड़ी वजह कंपनी की डीमर्जर योजना को लेकर बना सकारात्मक माहौल है, जिसे हाल ही में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (NCLT) से मंजूरी मिली है। ब्रोकरेज फर्मों वेदांता समूह को लेकर आशावादी रुख बनाए हुए हैं।

एल्यूमिनियम, जिंक और सिल्वर की मजबूत मांग, इनके बढ़ते औद्योगिक उपयोग और परिचालन दक्षता में सुधार से कंपनी की विस्तार योजनाओं को मजबूती मिल रही है। वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने सिल्वर को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि इस साल सिल्वर ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। डॉलर के हिसाब से सिल्वर में सालाना आधार पर 125 प्रतिशत की तेजी आई है, जबकि गोल्ड में 63 प्रतिशत का रिटर्न मिला है। उनके अनुसार, सिल्वर की कहानी अभी शुरू ही हुई है। 16 दिसंबर को डीमर्जर योजना को NCLT की मंजूरी मिलने के बाद वेदांता का शेयर लगातार छठे कारोबारी सत्र में चढ़ा है। योजना के तहत वेदांता लिमिटेड को पांच अलग-अलग सूचीबद्ध कंपनियों में विभाजित किया जाएगा– वेदांता एल्युमिनियम, वेदांता ऑयल एंड गैस, वेदांता पावर, वेदांता आयरन एंड स्टील और एक पुनर्गठित वेदांता लिमिटेड।

इससे पहले दिसंबर में S&P Global ने वेदांता रिसोर्सेज की रेटिंग आउटलुक को स्टेबल से बढ़ाकर पॉजिटिव कर दिया था और बी+ रेटिंग की पुष्टि की थी। एजेंसी ने बेहतर आय स्थिति, लागत में कमी और अनुकूल धातु कीमतों को इसके पीछे प्रमुख कारण बताया। Bloomberg के मुताबिक, वेदांता को कवर करने वाले 14 विश्लेषकों में से 10 ने शेयर पर बाय रेटिंग दी है। ब्रोकरेज फर्म नुवामा ने शेयर के लिए रु 686 का सबसे ऊंचा लक्ष्य मूल्य तय किया है। पिछले छह महीनों में वेदांता के शेयर में 33 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई है, जबकि इसी अवधि में निफ्टी में करीब 5 प्रतिशत और निफ्टी मेटल इंडेक्स में लगभग 15 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है।

संक्षिप्त खबर

भारतमाला परियोजना के अंतर्गत सड़क निर्माण मे रायपूरा के अंतर्गत बाईपास रोड मांग - भारतीय राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकरण नई दिल्ली

रामगढ़ : गोला रामगढ़ में रामगढ़ जिला के गोला प्रखंड रायपुरा गांव में बोकारो जैनामोड़ से ओरमांझी तक भारतमाला परियोजना के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण कार्य चल रहा है जहां क्षेत्र का प्रसिद्ध बाबा बुढ़ा छतर धाम है निर्माणधीन राजमार्ग से होते हुए प्रतिदिन रायपुरा, बाघाकुदर, कोनारडीह ,कुजूकलांसाडम कोराम्बे हेसल, कुसमाजारा मोहनबेडा नावाजारा बारघुटू एवं गोला इत्यादि के अधिकांश स्कूल के बच्चे तथा ग्रामीण रेलवे लाइन के किनारे पगडंडी में गोला बाजार आना जाना करते हैं इतना ही नहीं गोला प्रखंड के लोगों भी इस रास्ते में बाबा बुढ़ा छतुर धाम आवागमन करते हैं । ग्रामीणों का आग्रह पूर्वक सडक परिवहन और राजमार्ग मंत्री भारत सरकार नई दिल्ली, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण नई दिल्ली, सांसद मनीषा जयसवाल हजारीबाग, विधायक ममता देवी रामगढ़, उपायुक्त रामगढ़, अनुमंडल पदाधिकारी महोदया रामगढ़ है कि सड़क एवं पुलिया का निर्माण कराया जाए । मौके पर ग्रामीण बिनू कुमार महतो युवा टाइगर, नंदलाल मुंडा, राजेश महतो, मितन महतो, दिनेश महतो,रंजीत कुमार, सुधीर महतो, छोटू लाल महतो,राजू महतो ,शंकर महतो कालेश्वर महतो, देवेंद्र महतो, राहुल महतो, भुनेश्वर महतो, लकी मुंडा, विकास मुंडा, भंदुराम मुंडा, शिवकुमार मुंडा, बढन महतो, रविंद्र महतो, दिनेश महतो, मुकेश महतो, राकेश महतो, सुदेश कुमार, मुन्नी देवी, भैरव देवी, मनीता देवी, कृपा देवी, सरिता देवी, मिलवा देवी, रुकिया देवी, राधिका देवी, कुंती देवी, बबीता देवी, गौरी महतो, धनेश्वर देवी, ननकी देवी, आशा देवी,सीमा कुमारी,नेहा कुमारी, रेखा कुमारी, मानव देवी, दुर्गा देवी, खूनी देवी, शिवार्शाति देवी, मनीषा कुमारी, फूलों देवी, सोमवारी देवी, विपिन कुमार महतो, उमेश मुंडा, पुरानी देवी, विजय महतो, मिथिलेश मुंडा, रंजीत मुंडा, कारु मुंडा, बिरजू करमाली, हरिया करमाली, दिल मोहम्मद अंसारी, रोजन अंसारी, अफजाल अंसारी, सलमा खातून, रशीद अंसारी, लुकमान अंसारी ,कुर्बान अंसारी, दीपक करमाली, मुमताज अंसारी, हजारों गांवों के ग्रामीणों का मांग है।

सुकरीगढ़ा लारी स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय में झारखण्ड शिक्षा परियोजना रामगढ़ के अंतर्गत विशेष अभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित

रजरप्पा: चितरपुर प्रखंड के सुकरीगढ़ा लारी स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय में बुधवार को झारखण्ड शिक्षा परियोजना रामगढ़ के निदेशानुसार विशेष अभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित की गई। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला शिक्षा पदाधिकारी रामगढ़ कुमारी नीलम व विशिष्ट अतिथि पंचायत की मुखिया दिल्ली कुमारी, पंसस आशु कुमारी, राजकुमार प्रसाद द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। आगे कहा कि सभी बच्चे खास होते है। कोई बच्चा कमजोर नही होता। हर बच्चे में अलग अलग हुनर होता है। उसे निखारने की आवश्यकता है। बच्चों को कभी पीटे नही, उन्हें प्यार से समझाए ओर आगे बढ़ने में मदद करें। इस दौरान विद्यालय मे उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु स्कूली बच्चों को सर्टिफिकेट, मेडल व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों को पुष्पगुच्छ, शॉल ओढ़ाकर और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं बेहतर कार्य करने वाले शिक्षकों को भी सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इससे पूर्व प्रधानाध्यापक राघवेंद्र कुमार सिन्हा ने उन्हें शॉल पहनाकर अतिथियों का स्वागत किया। बैठक का संचालन शिक्षिका रोज शोभा मिंज व धन्यवाद ज्ञापन सीमा कुमारी ने किया। मौके पर रेशमी कुमारी, प्रियंका कुमारी, कुमारी मंजू, कोलेश्वर महतो, बबिता प्रभकार, किरण देवी, अनुरोध प्रसाद सहित काफी संख्या में अभिभावक मौजूद थे।

डीएवी तेनुघाट में पराक्रम वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन

बोकारो, संवाददाता

शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के संकल्प को साकार करते हुए डीएवी पब्लिक स्कूल तेनुघाट ने स्थानीय चिल्ड्रेन पार्क में वार्षिक खेल प्रतियोगिता पराक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बेरमो अनुमंडल पदाधिकारी मुकेश कुमार मछुआ थे। विशिष्ट अतिथियों में डीएवी ढोरी के प्राचार्य अमिताभ दास गुप्ता, जिला परिषद सदस्य माला कुमारी, मुखिया नीलम श्रीवास्तव सहित खेल शिक्षक व बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। बच्चों ने तिलक लगाकर अतिथियों का स्वागत किया। मार्च पास्ट, मशाल दौड़, डीएवी ध्वज फहराने और गुब्बारे उड़ाकर प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। जलेबी, चॉकलेट, सूई-धागा, पग बाधा दौड़, रिले रेस व मटका संतुलन सहित कई खेल आयोजित हुए। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को रोचक बनाया। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों के खेल कौशल की सराहना की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

श्रीनिवास पानुरी जयंती पर सम्मानित होंगे चार साहित्यकार, छह पुस्तकों का विमोचन व लोकार्पण भी होगा

बोकारो, संवाददाता

खोरठा दिवस सह श्रीनिवास पानुरी की 105 वीं जयंती के उपलक्ष्य में स्नातकोत्तर खोरठा विभाग रांची विश्वविद्यालय रांची और खोरठा साहित्य संस्कृति परिषद रामगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में 25 दिसंबर को विसवा ट्रेनिंग सेंटर यूनिसेफ भवन कांके रोड रांची में आयोजित समारोह में नावाडीह प्रखंड के जानेमाने पत्रकार व संस्कृति कर्मी बासु बिहारी के खोरठागीत संग्रह कोरइया फूल सहित छह पुस्तकों का विमोचन व लोकार्पण किया जायेगा। साथ ही खोरठा भाषा साहित्य व संस्कृति के लिए उल्लेखनीय कार्य के लिए चार साहित्यकारों को सम्मानित किया जायेगा। षरिषद के सचिव सुजीत कुमार के अनुसार खोरठा साहित्य की दीर्घ कालीन सेवा एवं उत्कृष्ट खोरठा साहित्यिक पुस्तक का प्रणयन व प्रकाशन के लिए डा बीएन ओहदार को श्रीनिवास पानुरी स्मृति साहित्य सम्मान 2025 से सम्मानित किया जायेगा। वहीं खोरठा भाषा साहित्य अथवा शिक्षा के क्षेत्र में दीर्घ कालीन सेवा के लिए डा कुमारी शशि को खोरठा सेवा सम्मान 2025, खोरठा लोकगीत, संगीत व नृत्य के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए राम किशुन सोनार को खोरठा कला संस्कृति रत्न 2025 और डा. संदीप कुमार महतो को खोरठा करील पोहा पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया जायेगा।

जबकि डॉ दिनेश दिनमणि की पुस्तक - खोरठा भासा साहितेक बिकास जातरा, डा. महेंद्र नाथ गोस्वामी सुधाकर की पुस्तक - अखरा, बासु बिहारी का गीत संग्रह - कोरइया फूल, गौतम कुमार महतो की कविता संग्रह - नइजगा और डा. संदीप कुमार महतो की दो पुस्तकें- जाडेक रउद तथा खोरठा करमगीत आर कथा (संकलित) का विमोचन - लोकार्पण किया जायेगा। उन्होंने कहा कि समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के माननीय मंत्री श्री योगेंद्र प्रसाद, विशिष्ट अतिथि झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी श्री कपिल कुमार के अलावा रांची विश्व विद्यालय, डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय रांची, विनोबा भावे विश्व विद्यालय हजारीबाग, राधा गोविन्द विश्वविद्यालय रामगढ व ओपेन यूनिवर्सिटी रांची के प्राध्यापक, शोधार्थी, कवि, लेखक,कलाकार, विद्यार्थी व भाषा प्रेमी शामिल होंगे।

भोजपुर में बर्थडे पार्टी में गोली चलाने वाला गिरफ्तार

भांजा के जन्मदिन पर नाच का हुआ था आयोजन ; घायल के बयान पर केस दर्ज, हथियार की तलाश जारी

आरा (भोजपुर), एजेंसी।भोजपुर जिले के पीरो थाना क्षेत्र के सम्भल टोला गांव में हुए भांजे के बर्थडे पार्टी में नाच के दौरान हुए हर्ष फायरिंग में मामा को गोली लगने के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पीरो थाना क्षेत्र के लहराबाद गांव निवासी राजदेव सिंह के पुत्र लाल बाबू सिंह के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।प्राथमिकी दर्ज के उपरांत त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी लाल बाबू सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि हथियार बरामदगी को लेकर छापेमारी की जा रही है। इसके अलावा जख्मी लाल बाबू सिंह के द्वारा भी पार्टी में उनके साथ मारपीट कर उसे जख्मी करने का आरोप लगाते हुए तीन नामजद एवं 10-12 अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इसके पश्चात पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।जख्मी युवक पीरो थाना क्षेत्र के संभल टोला गांव वार्ड नंबर 1 निवासी हरी सिंह यादव का 29 वर्षीय पुत्र अखिलेश कुमार यादव है। जख्मी युवक को गली बाएं सछड सीने में लगी है। इधर जख्मी युवक अखिलेश कुमार यादव ने बताया कि हरेराम यादव के 3 वर्षीय पुत्र लवकुश कुमार का बर्थडे पार्टी उसके ननिहाल संभल टोला गांव में मनाया जा रहा था। जहां बर्थडे पार्टी में नाच प्रोग्राम कभी आयोजन किया गया था। सोमवार की देर रात जब नाच प्रोग्राम चल रहा था और सभी लोग नाच देख रहे थे।उसी दौरान वहां पर आए एक युवक ने नशे की हालत में हर्ष फायरिंग कर दी। जिसमें फायरिंग के दौरान उन्हें गोली लग गई। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार लवकुश कुमार जिसका जन्मदिन था। जख्मी युवक उसका चचेरा मामा लगता है। जबकि आरोपी युवक उस बच्चे का फुफेरा मामा लगता है। वहीं जख्मी युवक को आरा सदर अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में पटना रेफर कर दिया गया है।

गयाजी में पति-पत्नी जिंदा जले ; मौत :शॉर्ट सर्किट के कारण हादसा, पत्तल बनाते समय घर में लगी आग

गयाजी, एजेंसी।गयाजी में मंगलवार की देर शाम हादसा हुआ। एक घर में आग लग गई। आग की चपेट में आकर पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। घर राख हो गया। तीन बच्चे अनाथ हो गए। घटना चाकंद थाना क्षेत्र के बिथो गांव की है। मृतकों की पहचान सरयू साव के बेटे प्रमोद साव और उनकी पत्नी के रूप में हुई है। प्रमोद साव घर पर ही पत्तल बनाने का काम करता था। यही उनके परिवार की रोजी-रोटी का एकमात्र सहारा था। मंगलवार की शाम रोज की तरह घर में काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक बिजली की चिंगारी निकली। चिंगारी ने देखते ही देखते आग का रूप ले लिया। घर में रखे सूखे पत्तल और अन्य सामान ने आग को और भड़का दिया।दूसरे कमरे में शोर मचा रहे थे बच्चेग्रामीणों के मुताबिक आग इतनी तेजी से फैली कि किसी को संभलने का मौका तक नहीं दिया। प्रमोद साव और उनकी पत्नी आग में फंस गए। चीख-पुकार मच गई। बच्चे तीनों दूसरे कमरे थे। वे शोर मचा रहे थे।शोर सुनकर आसपास के लोग दौड़े। पानी और बाल्टी लेकर आग बुझाने की कोशिश हुई। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। पति पत्नी दोनों बुरी तरह से झुलस चुके थे। ग्रामीणों कहना है कि मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही चाकंद थानाध्यक्ष शिवम कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जले हुए घर का मुआयना किया। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कराई गई। पुलिस ने आग की घटना को प्रथम दृष्टया में शॉर्ट सर्किट से जुड़ा बताया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है।इधर, हादसे की खबर फैलते ही गांव में लोगों की भीड़ जुट गई।इस घटना की जानकारी मिलने पर जदयू नेता डॉ. जितेंद्र कुमार दास भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। हालात का जायजा लिया। डीएम शशांक शुभंकर से बात कर पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह बेहद गरीब परिवार है। अब तीनों बच्चों के भविष्य की चिंता सरकार को करनी चाहिए।

तमिलनाडु में सड़क हादसे में घायल ट्रक ड्राइवर की मौत

बेतिया पहुंचा शव, गाड़ी ठीक करते समय सरकारी ट्रक ने मारी थी टक्कर

बेतिया, एजेंसी।तमिलनाडु में सड़क दुर्घटना का शिकार हुए बेतिया के युवक का शव बुधवार को नौतन के जमुनिया गांव पहुंचा। मृतक की पहचान भुटेनही राम के 19 वर्षीय बेटे नीतीश कुमार के रूप में हुई है। शव के गांव पहुंचते ही परिजन बेसुध हो गए, वहीं गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया। असमय हुई इस मौत से न केवल परिवार,बल्कि पूरा गांव शोक में डूब गया है।नीतीश कुमार पिछले करीब एक साल से तमिलनाडु में रहकर ट्रक चालक के रूप में काम कर रहा था। बीते दिनों तमिलनाडु के खम्मम जिले के तिरुमलयापालेम थाना क्षेत्र में यह दर्दनाक हादसा हुआ। बताया गया कि ट्रक को अन्नेहोड़ा के पास बंद नीतीश अपने कमरे की ओर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में ट्रक खराब हो गया,जिसे वह सड़क किनारे खड़ा कर ठीक करने लगा।तभी एक बस ने मारी टक्करइसी दौरान तेलंगाना राज्य परिवहन निगम की एक सरकारी बस ने खड़े ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि नीतीश गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल उसे नजदीकी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया।लेकिन इलाज के दौरान हुई मौतलेकिन गंभीर चोटों के कारण इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिजनों ने बताया कि नीतीश परिवार का कमाऊ सदस्य था और बेहतर भविष्य की उम्मीद में बाहर गया था।उसकी असमय मौत से परिवार के समक्ष गहरा आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।मां-बाप का रो-रोकर बुरा हाल है। हालांकि मामले को लेकर परिजनों ने तिरुमलयापालेम थाना में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने बस चालक की लापरवाही को प्राथमिक दृष्टया हादसे का कारण मानते हुए मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार दुर्घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।अंतिम दर्शन के लिए उमड़े ग्रामीणशव के गांव पहुंचने के बाद अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण उमड़ पड़े। शोकाकुल माहौल में अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की गई।स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और सरकारी सहायता देने की मांग की।

बल्ब, बेडशीट और कप तक गायब...शिक्षा संस्थान में शिक्षक ही बने अपराधी, सीसीटीवी में हुई घटना कैद

अररिया, एजेंसी।अररिया जिले में शिक्षकों की नैतिकता और अनुशासन पर सवाल खड़े हो गए हैं, जब जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डीआईईटी) में आयोजित आवासीय प्रशिक्षण के दौरान सरकारी संपत्ति की चोरी का मामला सामने आया। संस्थान में लगे सीसीटीवी कैमरों ने चार शिक्षकों द्वारा सामग्री ले जाते हुए दृश्य कैद कर लिए हैं, जिससे शिक्षा व्यवस्था और शिक्षक समाज की छवि पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। जानकारी के अनुसार, पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में शामिल इन शिक्षकों ने बल्ब, बेडशीट, चाय के कप और हैंडवाश डिस्पेंसर जैसी आवश्यक सामग्री चुराई। जांच के दौरान चोरी की गई सामग्री उनके निजी वाहनों और आवंटित कमरों से बरामद की गई।प्राचार्य ने लिखित पत्र, सख्त कार्रवाई की मांगके प्रभारी प्राचार्य आकलाब आलम ने इस मामले को गंभीर बताते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी को पत्र लिखा और दोषी शिक्षकों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की। उन्होंने इसे न केवल सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाला कृत्य बताया, बल्कि शिक्षक समाज की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला भी करार दिया।छ हजार की क्षति, वसूली का प्रस्तावप्राचार्य के पत्र में संस्थान को हुए कुल क्षति लगभग आठ हजार रुपये आंकी गई है। साथ ही उन्होंने संबंधित शिक्षकों से उक्त राशि की वसूली कर संस्थान को लौटाने का सुझाव भी दिया है।जांच के बाद होगी कार्रवाई : डीईओजिला शिक्षा पदाधिकारी संजय कुमार ने कहा कि डीआईईटी प्रबंधन से पत्र प्राप्त हुआ है और मामले की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। जिले में यह घटना इसलिए भी गंभीर मानी जा रही है।

सरकारी भवन में ही बैठेंगे राजस्व कर्मी, 10 दिन में निपटेंगे लंबित म्युटेशन मामले, डीएम का आदेश

छपरा, एजेंसी। राजस्व कार्यों में अनुशासन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिले के सभी अंचलों में प्रतिनियुक्त सभी राजस्व कर्मचारी प्रतिदिन अनिवार्य रूप से सरकारी भवन में उपस्थित रहकर ही अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करेंगे। किसी भी परिस्थिति में कोई भी राजस्व कर्मचारी निजी भवन में बैठकर कार्य नहीं करेंगे और न ही निजी भवन से कार्यालय का संचालन करेंगे। आदेश की अवहेलना की स्थिति में संबंधित राजस्व कर्मचारी के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

यह निर्देश राजस्व से संबंधित कार्यों की समीक्षा के दौरान दिए गए। इस अवसर पर जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में राजस्व विभाग के अपर समाहर्ता, प्रभारी पदाधिकारी, जिले के तीनों अनुमंडलों–छपरा सदर, सोनपुर और मढ़ौरा–के भूमि सुधार उपसमाहर्ता तथा सभी अंचलाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि जिले के सभी अंचलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि परिमार्जन प्लस एवं दाखिल-खारिज से संबंधित सभी लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से 75 दिनों से अधिक समय से लंबित म्यूटेशन मामलों का निष्पादन अगले 10 दिनों के भीतर हर हाल में करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही विभिन्न सरकारी परियोजनाओं के लिए अर्जित भूमि का दाखिल-खारिज प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने को कहा गया है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि केवल आपत्ति (ऑब्जेक्शन) लगाकर मामलों को लंबित रखने वाले कर्मियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने जिले की उन सभी सरकारी भूमियों का आकलन कर विवरणी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, जिन पर वर्तमान में जमाबंदी चल रही है, ताकि यथाशीघ्र जमाबंदी रद्दीकरण की कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।उन्होंने सभी भूमि सुधार उपसमाहर्ताओं को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत अंचलों के कार्यों की नियमित समीक्षा करें तथा राजस्व कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों का निरंतर पर्यवेक्षण सुनिश्चित करें। साथ ही प्रत्येक माह विभिन्न हल्कों का नियमित निरीक्षण करने, म्युटेशन एवं परिमार्जन के पुराने लंबित मामलों के अभिलेखों की जांच कर लंबित रहने के स्पष्ट कारणों का पता लगाने के भी निर्देश दिए गए। इसके अलावा सभी भूमि सुधार उपसमाहर्ताओं को अपने न्यायालय में लंबित सभी वादों का अविलंब निष्पादन करने का आदेश दिया गया है।

राजस्व महाभियान के तहत प्राप्त सभी आवेदनों को नियमानुसार निष्पादित करते हुए शत-प्रतिशत विभागीय पोर्टल पर अपलोड करने का भी निर्देश जिलाधिकारी ने दिया।

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी अंचलाधिकारियों को विभिन्न विभागों की महत्वपूर्ण परियोजनाओं–स्वास्थ्य विभाग के तहत स्वास्थ्य उपकेंद्र भवन निर्माण, शिक्षा विभाग के अंतर्गत विद्यालय भवन निर्माण, मंडल कारा छपरा का स्थानांतरण, उपकारा मढ़ौरा का निर्माण, बी-पैप केंद्र निर्माण तथा मढ़ौरा अनुमंडल न्यायालय–के लिए आवश्यक भूमि का अविलंब चयन कर प्रस्ताव तैयार करने और भूमि उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।विभिन्न परियोजनाओं के लिए भू-अर्जन प्रक्रिया में तेजी लाने के उद्देश्य से अलग-अलग मौजों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से सभी हितबद्ध रैयतों से भूमि से संबंधित दस्तावेज प्राप्त करने में आ रही कठिनाइयों का समाधान करते हुए दस्तावेज एकत्र करने तथा मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया में तेजी लाने का भी निर्देश दिया गया है।

सदर अस्पताल में चोरों का दुस्साहस, काट ले गए मरीजों की जान बचाने वाला ऑक्सीजन पाइप ; मची अफरातफरी

सहरसा, एजेंसी।बिहार के सहरसा जिले के सदर अस्पताल में चोरों के हौसले अब मरीजों की जान पर भी सवार हो गए हैं। अज्ञात चोरों ने अस्पताल में मरीजों की जान बचाने वाले ऑक्सीजन पाइप को अपना निशाना बनाया और कीमती तांबे के पाइप को काटकर चोरी करने की कोशिश की। घटना के बाद अस्पताल प्रशासन हरकत में आया। मामले की शिकायत लेकर सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. एस.एस. मेहता मंगलवार की शाम सदर थाना पहुंचे और पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई।

उपाधीक्षक डॉ. मेहता ने बताया कि चोर अस्पताल के बच्चा वार्ड के पीछे पोस्टमार्टम रूम की तरफ से घुसपैठ की। शातिर चोरों ने वहां लगे ग्रिल के नट को खोलकर अंदर दाखिल हो गए। इसके बाद उन्होंने ऑक्सीजन सप्लाई के लिए लगे तांबे के पाइप को काटना शुरू किया। चोर कुछ पाइप काट चुके थे और उसे ले जाने की फिराक में थे।

हालांकि, चोरी की इस घटना के दौरान गेट पर तैनात सुरक्षा गार्ड को संदिग्ध आवाजें सुनाई दीं। अ नहोनी की आशंका पर गार्ड ने शोर मचाना शुरू किया। गार्ड की सतर्कता के कारण चोर घबरा गए और कटे हुए पाइपों को छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर पोस्टमार्टम रूम की तरफ से भाग निकले।

सदर अस्पताल उपाधीक्षक ने सदर थाना पुलिस से आग्रह किया है कि अस्पताल परिसर में हो रही चोरियों पर कड़ी नजर रखी जाए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से मांग की है कि रात के समय पुलिस की पेट्रोलिंग पार्टी अस्पताल के आसपास दो-तीन बार गश्त लगाए। इससे न केवल अपराधियों और चोरों में भय का

साथ जीने का वादा निभाया, पत्नी की शवयात्रा से पहले पति ने भी तोड़ा दम, एक ही चिता पर हुआ अंतिम संस्कार

मुंगेर, एजेंसी।मुंगेर शहर के लल्लू पोखर मोहल्ले में मंगलवार को एक हृदयविदारक घटना सामने आई, जिसने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया। पत्नी की शवयात्रा निकलने से ठीक पहले पति ने भी इस दुनिया को अलविदा कह दिया। इसके बाद पति-पत्नी की एक साथ शवयात्रा निकाली गई और दोनों का अंतिम संस्कार एक ही चिता पर किया गया। इस मार्मिक दृश्य को देखकर मौजूद लोग भावुक हो उठे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहल्ले के निवासी, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं विश्वनाथ सिंह लॉ कॉलेज, मुंगेर के पूर्व प्रोफेसर रहे विश्वनाथ सिंह की 82 वर्षीय पत्नी अहिल्या देवी का निधन सोमवार दोपहर हो गया था। परिवार मंगलवार को उनके अंतिम संस्कार की तैयारी में जुटा हुआ था और शवयात्रा निकलने ही वाली थी, तभी अचानक 87 वर्षीय विश्वनाथ सिंह ने भी अंतिम सांस ले ली। पत्नी के निधन के बाद पति की इस अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और घर में कोहराम मच गया।

विश्वनाथ सिंह के निधन की सूचना मिलते ही आसपास के लोग, मोहल्लेवासी तथा मुंगेर न्यायालय के कई वरिष्ठ अधिवक्ता उनके आवास पर पहुंच गए। सभी ने दिवंगत दंपती के अंतिम दर्शन किए और शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया।

स्वर्गीय विश्वनाथ सिंह न केवल लॉ कॉलेज मुंगेर के प्रोफेसर रह चुके थे, बल्कि मुंगेर न्यायालय के एक विद्वान और सम्मानित अधिवक्ता के रूप में भी उनकी विशेष पहचान थी। उनका विवाह वर्ष 1961 में भागलपुर जिले के शाहपुर निवासी अहिल्या देवी से हुआ था। दंपती को तीन पुत्र और तीन पुत्रियां हैं, जिनकी सभी की शादियां हो चुकी हैं। बड़े पुत्र शैलेश कुमार शिक्षक हैं, दूसरे पुत्र विभेष कुमार अधिवक्ता हैं, जबकि तीसरे पुत्र राकेश कुमार बैंक से सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

दिवंगत दंपती के पुत्र विभेष कुमार ने बताया कि सोमवार को मां का निधन हुआ था और मंगलवार को उनकी शवयात्रा निकलनी थी, लेकिन उससे पहले ही पिताजी ने भी दम तोड़ दिया। ऐसे में अब मां और पिता की एक साथ शवयात्रा निकाली जा रही है और दोनों का अंतिम संस्कार एक ही चिता पर किया जाएगा। पति-पत्नी के इस तरह एक साथ दुनिया से विदा होने की घटना ने पूरे मुंगेर शहर को गमगीन कर दिया है और हर आंख नम हो गई।

भोजपुर में दो लूटकांड का हुआ खुलासा:चौकीदार, दुकानदार से हथियार के बल पर हुई थी लूट ; चार आरोपी गिरफ्तार

आरा(भोजपुर),एजेंसी।भोजपुर जिले मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत आरा-पटना फोरलेन पर डुमरा और बलवतरा के समीप चौकीदार व दुकानदार से हुई लूटपाट की घटनाओं का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो अन्य की तलाश जारी है। दुकानदार से लूटा गया मोबाइल भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। यह सफलता पटना एसटीएफ और भोजपुर जिला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई से मिली है। इसकी जानकारी भोजपुर एसपी राज ने दी।

दुकानदार से लूट के आरोपियों में से शामिलएसपी के अनुसार दुकानदार से लूटपाट के मामले में गिरफ्तार आरोपितों में संदेश थाना क्षेत्र के चिल्होस गांव निवासी अनिल कुमार, नवादा थाना क्षेत्र के जवाहर टोला निवासी विकास कुमार उर्फ पीटन तथा कुंदन कुमार शामिल हैं। बताया गया कि 23 जुलाई 2025 को सुंदरपुर कुड़िया गांव निवासी दुकानदार शत्रुघ्न प्रसाद आरा से बाजार कर बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान बलवतरा के समीप आरा-पटना फोरलेन पर तीन अलग-अलग बाइक सवार अपराधियों ने उनकी बाइक रुकवाई। पिस्टल का भय दिखाकर बदमाशों ने 35 हजार रुपए नकद और मोबाइल लूट लिया तथा सर्विस लेन के रास्ते पटना की ओर फरार हो गए थे।दुकानदार ने डकैती से संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थीइस मामले में पीड़ित दुकानदार ने मुफस्सिल थाना में अज्ञात अपराधियों के खिलाफ डकैती अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थी। घटना के बाद एसपी के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर पुलिस ने पहले अनिल कुमार को उसके गांव चिल्होस से लूटे गए मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया।

उसकी निशानदेही पर विकास उर्फ पीटन को गड़हनी से और कुंदन कुमार को जवाहर टोला से गिरफ्तार किया गया। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष दीपक कुमार, दारोगा नीरज कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। पूछताछ में दो अन्य बदमाशों के नाम सामने आए हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

डुमरा पुल के पास से चौकीदार से लूट का आरोपी भी अरेस्ट

इधर, डुमरा पुल के समीप चौकीदार संतोष कुमार से हुई लूटपाट के मामले में भी पुलिस ने एक और वांछित आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाश की पहचान शुभकरगंज गांव निवासी चुन्नू चौधरी के रूप में हुई है, जिस पर लूटी गई बाइक की खरीद-बिक्री में सहयोग करने का आरोप है। उल्लेखनीय है कि इस मामले में पूर्व में पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर लूटी गई बाइक और मोबाइल बरामद किए जा चुके हैं। पुलिस का कहना है कि लूटपाट की घटनाओं में शामिल अन्य अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

बोधगया में थाईलैंड की महिला का बाजार से बैग चोरी

गयाजी, एजेंसी।बोधगया में विदेशी महिला पर्यटक से चोरी, बाजार में उड़ा नकदी व जरूरी दस्तावेज का पाउच।

अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल बोधगया में एक बार फिर विदेशी पर्यटकों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए हैं। बोधगया थाना क्षेत्र के लोकल मार्केट में शॉपिंग के दौरान थाईलैंड से आई एक महिला पर्यटक का बैग अज्ञात चोर उड़ा ले गए।

बैग में नकदी के साथ कई अहम दस्तावेज भी थे।पीड़िता की पहचान थाईलैंड निवासी चोनाचन प्रोमपाटुम के रूप में हुई है। महिला पर्यटक ने बोधगया थाने में दिए आवेदन में बताया कि 22 दिसंबर को शाम करीब 7 बजकर 40 मिनट पर वह स्थानीय बाजार में खरीदारी कर रही थीं। इसी दौरान भीड़ का फायदा उठाकर किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनका बैग चोरी कर लिया।

चोरी हुए बैग में कैश समेत जरूरी कागजात थे

चोरी हुए बैग में करीब 20 हजार थाई बाट, 10 हजार रुपये भारतीय मुद्रा, क्रेडिट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस सहित अन्य जरूरी कागजात रखे हुए थे। घटना के बाद महिला ने काफी देर तक बाजार और आसपास के इलाके में बैग की तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद

वह सीधे बोधगया थाना पहुंचीं और पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी।

सीसीटीवी खंगालने में जुटी लोकल पुलिस

शिकायत के आधार पर बोधगया थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि चोरों की पहचान की जा सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना को गंभीरता से लिया गया है और जल्द खुलासा किया जाएगा।

स्थानीय बोले- पर्यटकों से चोरी, छिनतई की घटना बढ़ी

इधर, इस घटना के बाद बोधगया में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता गहराने लगी है। महाबोधि मंदिर और उसके आसपास हर दिन बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक पहुंचते हैं।

पूर्णिया में बन रहा अत्याधुनिक मौसम विज्ञान केंद्र बिहार का दूसरा सबसे अत्याधुनिक डॉप्लर

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में बिहार का दूसरा सबसे प्रमुख और मॉडर्न मौसम विज्ञान केंद्र बन रहा है। इसमें पटना के बाद बिहार का दूसरा सबसे मॉडर्न डॉप्लर मौसम रडार लगा होगा। इसे तैयार करने में 57 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। नए साल की शुरुआत में ये काम करना शुरू कर देगा। इससे 100 घरको दायरे में मौसम से जुड़ी जानकारी दो से तीन घंटे पहले मिल सकेगी। भारी बारिश, आंधी, तूफान की जानकारी पहले ही मिल जाएगी। हर साल वज्रपात से होने वाली मौत की घटनाओं में भी कमी आएगी।सीमांचल, कोशी के 7 जिलों के अलावा नेपाल के मौसम पर भी रखी जा सकेगी नजरजेल रोड स्थित मौसम विभाग के ऑफिस ग्राउंड में 57 करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि से मॉडर्न डॉप्लर रडार के साथ ही मौसम संबंधी कई दूसरे मॉडर्न उपकरण लगाए जा रहे हैं। ये व्यवस्था सिर्फ पूर्णिया तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि सीमांचल और कोसी के 7 जिलों के अलावा पड़ोसी देश नेपाल और पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल और हिमालय क्षेत्र के कुछ हिस्सों की मौसम से जुड़ी गतिविधियों पर नजर रखी जा सकेगी। मौसम की सटीक जानकारी के लिए दूसरे जिलों की निर्भरता खत्म हो जाएगी। डॉप्लर रडार के शुरू होते ही पूर्णिया प्रमुख मौसम केंद्र

के रूप में उभरेगा।आंधी, बारिश, ओलावृष्टि और वज्रपात की जानकारी 2 से 3 घंटे पहले मिल सकेगीजानकारी देते हुए मौसम विभाग पूर्णिया के इंचार्ज मौसम वैज्ञानिक वीरेंद्र कुमार झा ने बताया कि डॉप्लर रडार की मदद से 100 किलोमीटर के दायरे में होने वाली आंधी, बारिश, ओलावृष्टि और वज्रपात जैसी घटनाओं की जानकारी 2 से 3 घंटे पहले मिल सकेगी। समय से पहले मिलने वाली चेतावनी खासकर वज्रपात से होने वाली मौतों में कमी आएगी, क्योंकि लोग पहले से सतर्क हो सकेंगे।अत्याधुनिक रडार का सबसे बड़ा लाभ किसानों को मिलेगा। सीमांचल और कोसी क्षेत्र के किसान अक्सर अचानक बदलने वाले मौसम की वजह से फसल नुकसान का सामना करते हैं। अब बारिश, तेज हवा या साइक्लोन की जानकारी पहले मिलने से किसान अपनी फसल की कटाई, बुआई और भंडारण की बेहतर योजना बना सकेंगे, जिससे उनकी आर्थिक क्षति कम होगी।सिस्मोग्राफी सिस्टम लगाने की भी प्लानिंग, भूकंप की जानकारी मिल सकेगीमौसम केंद्र में सिस्मोग्राफी सिस्टम लगाने की भी योजना है। इसके स्थापित होने के बाद भूकंप से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी तुरंत मिल सकेगी, जिससे आपदा प्रबंधन को और मजबूत किया जा सकेगा। प्राकृतिक आपदाओं के समय प्रशासन को त्वरित और सही निर्णय लेने में यह व्यवस्था मददगार साबित होगी। मौसम वैज्ञानिक राकेश कुमार ने बताया कि पूर्णिया मौसम केंद्र में हवा की गति और दिशा मापने के लिए विंड बैलून सिस्टम भी लगाया जाएगा। इससे वातावरण की ऊपरी सतह में चलने वाली हवाओं की सटीक जानकारी मिलेगी। इसका सीधा लाभ पूर्णिया एयरपोर्ट को होगा, जहां विमानों की लैंडिंग और टेक-ऑफ के दौरान मौसम से जुड़ी सटीक जानकारी उपलब्ध कराई जा सकेगी। इससे हवाई सेवाएं अधिक सुरक्षित और सुचारु होंगी।विधायक विजय खेमका ने कहा कि डॉप्लर रडार की स्थापना सीमांचल क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल मौसम की सटीक जानकारी मिलेगी, बल्कि जनहानि में कमी, किसानों की सुरक्षा और आपदा प्रबंधन को मजबूती भी मिलेगी। पूर्णिया और आसपास के जिलों के लिए ये परियोजना आने वाले समय में जीवन रक्षक तकनीक के रूप में काम करेगा।

नवादा में नीलगाय का आतंक,15 को मारी गई गोली

नवादा, एजेंसी। नवादा में नीलगाय (घोड़परास) के आतंक से किसानों को हो रहे भारी नुकसान के बाद प्रशासन ने कार्रवाई की है। महुली पंचायत में नीलगाय को गोली मारकर मारने का अभियान चलाया गया, जिसमें 10 से 15 नीलगायों को मार गिराया गया है। स्थानीय किसानों के अनुसार, नीलगाय हर साल उनकी फसलों को भारी क्षति पहुंचाती थीं। महुली पंचायत में प्रतिवर्ष 50 लाख रुपये से अधिक की फसल बर्बाद हो रही थी, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा था।इस समस्या को लेकर महुली पंचायत के मुखिया विपिन सिंह ने पंचायती राज पदाधिकारी को एक आवेदन दिया था। उन्होंने जिलाधिकारी से भी मुलाकात की, जिसके बाद जिलाधिकारी ने मामले का संज्ञान लिया और कार्रवाई के निर्देश दिए। 15 नीलगायों को मारा गोलीवन विभाग के मगध क्षेत्र के शूटर मोहम्मद कासम अख्तर को इस कार्य के लिए बुलाया गया।उन्होंने महुली पंचायत के कई स्थानों पर 50 से अधिक नीलगायों के झुंड देखे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित

जिले में शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव हर हाल में सुनिश्चित हो : उपायुक्त

विभा संवाददाता

लोहरदगा : उपायुक्त लोहरदगा डॉ. तारा चंद की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक समाहरणालय सभागार में आयोजित की गई। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिले में शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव हर हाल में सुनिश्चित हो। यदि कोई महिला जिले के बाहर प्रसव कराती है, तो इसकी नियमित मॉनिटरिंग करते हुए रिकॉर्ड संधारित किया जाए। उन्होंने साफ कहा कि घरेलू प्रसव किसी भी हाल में न हो। उपायुक्त डॉ. तारा चंद ने निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों एवं समाज के अन्य सक्रिय लोगों से समन्वय स्थापित कर महिलाओं का शत-प्रतिशत एएनसी सुनिश्चित करें। एक भी महिला इससे वंचित न रहे। टीकाकरण की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने कहा कि बच्चों को निर्धारित समय पर टीकाकरण सुनिश्चित हो। साथ ही, समय-समय पर नियमित अंतराल पर कैंप लगाकर लोगों को जागरूक किया जाए। कुपोषण उपचार केंद्र की समीक्षा में उपायुक्त ने कहा कि मरीजों को चिह्नित कर समय पर केंद्र तक लाया जाए। साथ ही, यहां उनके खान-पान, सफाई एवं अन्य सुविधाओं की नियमित मॉनिटरिंग हो। उपायुक्त ने सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के प्रभारी चिकित्सकों को निर्देश दिया कि वे स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं एवं लाभों की जानकारी मरीजों के साथ-साथ अन्य लोगों को भी दें। उन्होंने कहा कि एमओआईसी स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले मरीजों को आवश्यकता अनुसार भर्ती होने के लिए प्रेरित करें। उपायुक्त ने एएनसी के तहत चिह्नित एनीमिक महिलाओं की विशेष मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। साथ ही, इनको समय-समय पर आयरन की गोलियां एवं अन्य रक्त बढ़ाने वाले आहारों की जानकारी प्रदान करने को कहा। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में टीबी, कुष्ठ रोग, मलेरिया आदि अन्य विषयों पर चर्चा कर विशेष निर्देश दिए गए। बैठक में जिले के सिविल सर्जन राजू कच्छप, सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के प्रभारी चिकित्सक एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मी उपस्थित थे।

पीएमश्री उच्च विद्यालय जिंगी में विशेष अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठि एवं गणित मेला का हुआ आयोजन

विभा संवाददाता

कुडू: प्रखंड क्षेत्र अवस्थित पीएमश्री रा. उ. उच्च विद्यालय जिंगी में विशेष अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठि का आयोजन विद्यालय के प्रधानाचार्य अलीरजा अंसारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई।मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी एमलीन सुरीन एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्र प्रबंधक आवेश कुमार शामिल हुए। विद्यालय पहुंचने पर मुख्य अतिथि सहित तमाम अतिथियों का विद्यालय परिवार ने भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष कंचन राम ने प्रस्तुत करते हुए कहा कि विगत कुछ वर्षों में विद्यालय ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाने में सफलता पाई है। मुख्य अतिथि एमलीन सुरीन ने विद्यालय परिवार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वास्तव में यहां के बच्चों में विलक्षण प्रतिभाएं मौजूद हैं जिसे आगे बढ़ाने के लिए विद्यालय के शिक्षक व शिक्षिकाओं के प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के अभिभावकों से अपील की कि वे नियमित रूप से बच्चों को विद्यालय भेजें और शिक्षकों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सदैव बच्चों को आगे बढ़ने हेतु प्रेरित करें। कार्यक्रम में अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रधानाध्यापक अलीरजा अंसारी ने कहा कि विद्यालय के सभी शिक्षकों, प्रबंधन समिति के सभी सदस्यों अभिभावकों और छात्र-छात्राओं के निरंतर और कड़ी मेहनत से विद्यालय को जिला के एकमात्र गोल्डमेडलिस्ट हाईस्कूल होने का गौरव प्राप्त हुआ है। इससे हमें लगातार मेहनत बरकरार रखने की प्रेरणा मिलती है। जिंगी पंचायत समिति सदस्य संतोषी उरांव ने अपने विचार रखते हुए कहा कि विद्यालय की हो रही लगातार प्रगति देखकर गदगद् हूं।

मौके पर छात्र-छात्राओं को शॉल ओढ़ाकर एवं प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान कर अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त खबरें

रफ्तार का कहर, लोहरदगा-रांची सीमा पर बाइक दुर्घटना, दो युवक घायल

भंडरा/लोहरदगा(विभा)। रांची सीमा पर स्थित चट्टी के पास एक अनियंत्रित मोटरसाइकिल दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों की तत्परता और 108 एम्बुलेंस की मदद से दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बेड़ी में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना में घायल हुए दोनों युवक भंडरा थाना क्षेत्र के जमगाई गांव के निवासी हैं, मंटू उरांव 25 वर्ष पिता पचु उरांव, गोपी उरांव 18 वर्ष पिता करमा भगत, मिली जानकारी के अनुसार, दोनों युवक मोटरसाइकिल से अपने घर की ओर जा रहे थे, तभी चट्टी के पास संतुलन बिगड़ने के कारण वे सड़क पर गिर पड़े। मोटरसाइकिल इतनी रफ्तार थी कि दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने मानवता का परिचय देते हुए तुरंत एम्बुलेंस को सूचित किया और उन्हें अस्पताल पहुंचाने में मदद की फिलहाल अस्पताल में उनका उपचार जारी है।

हसबुल खान यूथ कांग्रेस के जिला महासचिव मनोजीत

भंडरा/लोहरदगा(विभा)। यूथ कांग्रेस के सांगठनिक चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद भंडरा प्रखंड के बांदा ग्राम निवासी हसबुल खान ने शानदार जीत दर्ज की है। हसबुल खान ने 2974 वोट हासिल कर लोहरदगा जिला यूथ महासचिव के पद पर अपना परचम लहराया है। उनकी इस ऐतिहासिक जीत से क्षेत्र के युवाओं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। हसबुल खान की कार्यकुशलता, संगठन के प्रति निष्ठा और जमीनी स्तर पर उनकी मेहनत को देखते हुए वरिष्ठ नेताओं ने उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व में जिला यूथ कांग्रेस और अधिक सशक्त होगी। हसबुल खान की जीत पर राज्य के कद्दावर नेताओं और स्थानीय प्रतिनिधियों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू, लोहरदगा विधायक डॉ रामेश्वर उरांव, जिला अध्यक्ष सुखेर भगत, विधायक प्रतिनिधि निज्जित जायसवाल, शकील अहमद, नेसार अहमद, महिला जिला अध्यक्ष सीमा परवीन, विशाल डुंगडुंग, यानिश अली, प्रखंड अध्यक्ष जुकल भगत, सांसद प्रतिनिधि विजय चौहान, अनीस अहमद, और झामुमो अध्यक्ष परवेज अंसारी। इसके साथ ही भंडरा अंजुमन सदर आफताब आलम, सेक्रेटरी रऊफ खान, बांदा अंजुमन सदर हैदर मिरदाहा, पूर्व उप मुखिया रंजन उरांव, मनावर खान, हाशिम मिरदाहा, अल्ताफ अंसारी, बबलू खान, इनामुल, तबरेज, अजमल, नसीम, राधेश्याम, मुबारक अंसारी, गौहर खान, हदीस खान, मोईन, मंसूर, शकील, सलमान अंसारी, शकील अहमद, आरिफ, गनी खान, सुलेफ खान, मेराज उर्फ टिंकू, आमिर, तनवीर, सनावर खान, नूर खान और नजीर खान समेत बड़ी संख्या में शुभचिंतकों ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

इंडियन यूथ कांग्रेस के ऑनलाइन चुनाव में आसिफ ईमाम की ऐतिहासिक जीत

लोहरदगा(विभा) : इंडियन यूथ कांग्रेस द्वारा संगठनात्मक मजबूती हेतु कराए गए ऑनलाइन चुनाव की प्रक्रिया 14 अगस्त से 15 सितंबर तक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस चुनाव में युवाओं की व्यापक भागीदारी देखने को मिली। लोहरदगा जिले के लोहरदगा विधानसभा से आसिफ ईमाम ने 4852 मतों के भारी अंतर से विजय प्राप्त कर विधानसभा पद पर अपनी मजबूत जीत दर्ज की है। यह जीत क्षेत्र के युवाओं के भरोसे और संगठन के प्रति उनकी निरंतर सक्रियता का प्रमाण है। चुनाव परिणाम घोषित होते ही लोहरदगा जिला सहित पूरे झारखण्ड में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं ने इस जीत को संगठन के लिए नई ऊर्जा और दिशा देने वाला बताया। नव-निर्वाचित विधानसभा अध्यक्ष आसिफ ईमाम ने अपनी जीत पर सभी मतदाताओं, युवा साथियों एवं संगठन के वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इंडिया यूथ कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने, युवाओं की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाने तथा संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे। यह जीत लोहरदगा जिला में यूथ कांग्रेस को मजबूती प्रदान करेगी और आने वाले समय में संगठनात्मक विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सरकारी स्कूल में नशेड़ियों का तांडव, ऑफिस और स्टोर रूम के दरवाजे तोड़े

विभा संवाददाता

भंडरा/लोहरदगा। शिक्षा के मंदिर पर असामाजिक तत्वों की काली नजर पड़ गई है। लोहरदगा जिले के भंडरा प्रखंड स्थित राजकीय कृत मध्य विद्यालय में बुधवार की रात अज्ञात मनचलों ने जमकर उत्पात मचाया। शरारती तत्वों ने न केवल स्कूल की गरिमा को ठेस पहुँचाई, बल्कि प्रिंसिपल ऑफिस और दिव्यांग स्टोर रूम का ताला तोड़कर अंदर अवैध रूप से प्रवेश किया और जमकर तोड़फोड़ की। मंगलवार सुबह करीब 8 बजे जब एक स्थानीय बच्ची स्कूल के पास से गुजरी, तो उसने टूटे हुए किवाड़ देखे। बच्ची ने तुरंत इसकी जानकारी ग्रामीण यूसुफ आलम को दी। यूसुफ आलम ने सक्रियता दिखाते हुए विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष और पत्रकार शकील अहमद को सूचित किया। तत्काल मामले की जानकारी भंडरा थाना प्रभारी मनोज कुमार गुप्ता को दी गई। थाना प्रभारी के निर्देश पर सब इंस्पेक्टर रविकान्त गुप्ता और एएसआई रामदेव राय तुरंत दलबल के साथ मौके पर पहुँचे। पुलिस ने प्रधानाध्यापिका मनोरमा एक्का से फोन पर बात की प्रधानाध्यापिका ने बताया कि क्रिसमस की छुट्टियों की वजह से स्कूल बंद है। फिलहाल ऑफिस में जरूरी कागजात ही थे, लेकिन स्कूल खुलने पर जांच के बाद ही पता चल सकेगा कि कोई कीमती सामान चोरी हुआ है या नहीं।

नशेड़ियों और जुआरियों का सेफ जोन बना स्कूल।

स्कूल समिति के अध्यक्ष फिरोज अंसारी और स्थानीय ग्रामीणों ने गुस्से में बताया कि स्कूल परिसर अब पढ़ाई के बाद नशेड़ियों और जुआरियों का अड्डा बन चुका है। शाम ढलते ही यहाँ असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लग जाता है। जांच अधिकारियों के अनुसार, यह हरकत नशे की हालत में धुत्त लड़कों की हो सकती है।

ग्रामीणों ने भरी हुंकार कहा अब बर्दाश्त नहीं

ग्रामीणों ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए प्रशासन से दो टूक मांग की है सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने वाले बदमाशों की चिह्नित कर जेल भेजा जाए। स्कूल की सुरक्षा के लिए अविलंब चारदीवारी का निर्माण कराया जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटना को रोकी जा सके। हालांकि गुस्साए ग्रामीणों की हुंकार पर थाना प्रभारी ने कहा है कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा, मामले की गंभीरता से जांच की का रही है।

पर्वतारोहण का प्रशिक्षण दे रहे प्रशिक्षक की पहाड़ से गिरकर मौत

विभा संवाददाता

भंडरा/लोहरदगा। झारखंड के लोहरदगा जिले से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहाँ के ऐतिहासिक भंडरा पहाड़ पर पर्वतारोहण का प्रशिक्षण दे रहे एक प्रशिक्षक की पहाड़ से गिरकर मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। मृतक की पहचान रविंद्र नाथ के रूप में हुई है, जो मूल रूप से पश्चिम बंगाल के रहने वाले थे। वे भंडरा पहाड़ के नीचे कैंप लगाकर पर्वतारोहियों को प्रशिक्षण दे रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार, रविंद्र नाथ अपने दल के साथ पहाड़ पर चढ़ने का अभ्यास कर रहे थे। इसी दौरान अचानक उनकी हृदय गति रुक गई, जिससे उनका संतुलन बिगड़ गया और वे खड़ी पहाड़ से नीचे जा गिरे। मौके पर ही उनकी जान चली गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मनोज कुमार गुप्ता दल-बल के साथ मौके पर पहुँचे और शव को अपने कब्जे में लिया। शव की पहचान कर ली गई है और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हम इस मामले की गहराई से जांच कर रहे हैं कि यह घटना किस स्थिति में और कब हुई। सुरक्षा मानकों और कैंप के विवरणों की भी पड़ताल की जा रही है। बता दें कि ऐतिहासिक भंडरा पहाड़ अपनी ऊंचाई और बनावट के लिए जाना जाता है। यहाँ अक्सर पर्वतारोहण के कैंप लगते रहते हैं, लेकिन इस तरह की अनहोनी ने स्थानीय लोगों और साथी पर्वतारोहियों को झकझोर कर रख दिया है। फिलहाल पुलिस मृतक के परिजनों से संपर्क करने की कोशिश कर रही है।

अलताफ अंसारी बने प्रखंड अध्यक्ष

विभा संवाददाता

कुडू/लोहरदगा। झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस के संगठनिक चुनाव के नतीजों ने कुडू प्रखंड में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच उत्साह का संचार कर दिया है। प्रखंड अध्यक्ष पद के लिए हुए कड़े मुकाबले में अलताफ अंसारी ने एकतरफा जीत दर्ज की है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 438 मतों के भारी अंतर से शिकस्त देकर संगठन में अपनी जमीनी पकड़ और लोकप्रियता को साबित कर दिया है। परिणामों की घोषणा होते ही पूरे कुडू क्षेत्र में जश्न का माहौल बन गया। बड़ी संख्या में जुटे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ विजय जुलूस निकाला और एक-दूसरे को गुलाल लगाकर बधाई दी। समर्थकों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष अलताफ अंसारी को फूल-मालाओं से लाद दिया। जीत की खुशी में बाजार और गांवों के चौक-चौराहों पर मिठाइयां बांटी गईं। स्थानीय वरिष्ठ नेताओं ने इस जीत को संगठन की मजबूती के लिए एक बड़ा और सकारात्मक संकेत बताया है, अलताफ अंसारी ऐतिहासिक जीत के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कहा यह जीत मेरी व्यक्तिगत जीत नहीं, बल्कि उन सभी कार्यकर्ताओं और युवाओं की जीत है जिन्होंने कांग्रेस की विचारधारा पर अपना भरोसा जताया है। मेरी पहली प्राथमिकता संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना और क्षेत्र के युवाओं को शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक न्याय के मुद्दों से जोड़ना है। उन्होंने आगे भरोसा दिलाया कि वे पार्टी की नीतियों और जन-कल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुँचाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेंगे। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि अलताफ अंसारी की इस शानदार जीत से कुडू प्रखंड में युवा कांग्रेस न केवल अधिक सक्रिय होगी, बल्कि आने वाले समय में संगठन और अधिक सशक्त बनकर उभरेगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता और भारी संख्या में ग्रामीण व युवा समर्थक उपस्थित रहे।

जनता की जीत, पत्रकारिता की ताकत और प्रशासन की सक्रियता से चमकी बस्ती

विभा संवाददाता

भंडरा/लोहरदगा। भंडरा मुख्य बस्ती में पिछले एक सप्ताह से पसरा अंधेरा आखिरकार दूर हो गया है। स्थानीय पत्रकार शकील अहमद की धारदार रिपोर्टिंग, ग्रामीणों की एकजुटता और लोहरदगा सांसद के कड़े रुख के बाद बिजली विभाग ने सक्रियता दिखाते हुए नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया है। बिजली बहाल होते ही पूरी बस्ती खुशियों रोशनी से जगमग उठी और ग्रामीणों ने मिठाई बांटकर अपनी खुशी का इजहार किया। बता दें कि पिछले सात दिनों से ट्रांसफार्मर जलने के कारण पूरी बस्ती अंधेरे में डूबी हुई थी। पत्रकार शकील अहमद ने इस समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया और बिजली विभाग के उच्चाधिकारियों को वस्तुस्थिति से अवगत कराया। खबर का संज्ञान लेते हुए लोहरदगा सांसद ने विभाग को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। सांसद के हस्तक्षेप के बाद बिजली विभाग के कर्मी हरकत में आए और युद्धस्तर पर काम करते हुए नया ट्रांसफार्मर पोल पर फिट कर बिजली आपूर्ति बहाल की।

थाना प्रभारी ने फीता काटकर किया उद्घाटन, बांटी गई मिठाई

नए ट्रांसफार्मर का विधिवत उद्घाटन भंडरा थाना प्रभारी मनोज कुमार गुप्ता एवं सब इंस्पेक्टर रविकांत ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर थाना प्रभारी ने ग्रामीणों को बधाई देते हुए कहा, बिजली वर्तमान समय की बुनियादी जरूरत है, इसके बिना जनजीवन प्रभावित होता है। विभाग और ग्रामीणों के सहयोग से बिजली बहाल होना एक सुखद पहल है। जैसे ही बिजली कर्मी जामंत प्रजापति ने स्विच ऑन किया और गलियां रोशनी से नहाईं, ग्रामीणों ने तालियों के साथ इसका स्वागत किया। खुशी के इस मौके पर अब्दुल कुद्दुस ने उपस्थित जनसमूह के बीच मिठाई बांटी। ग्रामीणों ने इस त्वरित समाधान के लिए पत्रकार शकील अहमद और स्थानीय प्रशासन का आभार व्यक्त किया, इस अवसर पर मुख्य रूप से सब इंस्पेक्टर रविकांत, अब्दुल कुद्दुस, बबन गुप्ता, उज्ज्वल गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, चंदन लहरी, अमन गुप्ता, आरिफ अंसारी, बिजली कर्मी जामंत प्रजापति, बबलू प्रजापति, प्रकाश दीप, सोनू खान, बसंत साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

लोहरदगा में सड़क सुरक्षा अभियान: हेलमेट-सीट बेल्ट उल्लंघन पर 1.15 लाख का चालान

विभा संवाददाता

लोहरदगा : जिले में सड़क सुरक्षा अभियान के तहत जिला परिवहन पदाधिकारी की अगुवाई में विभिन्न जगहों पर वाहन चेकिंग की गई। दुपहिया वाहनों पर हेलमेट न पहनने और चार पहिया वाहनों पर सीट बेल्ट न बांधने वालों से कुल 1 लाख 11 हजार 500 रुपये का दंड वसूला गया। यह अभियान सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया गया। अभियान में सैकड़ों वाहनों की जांच हुई, जिसमें उल्लंघनकर्ताओं को चेतावनी भी दी गई। जिला प्रशासन ने ऐसी मुहिम नियमित रूप से जारी रखने का संकल्प लिया है, ताकि सड़कें सुरक्षित रहें। नागरिकों से अपील की गई है कि हमेशा हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग करें।

नियमित रूप से वाहनों का ओवर स्पीड एवं अन्य आवश्यक कागजातों की चेकिंग करें :डॉ ताराचंद

विभा संवाददाता

लोहरदगा : आगामी क्रिसमस एवं नए साल की अवसर पर जिले में विधि व्यवस्था संधारण को लेकर उपायुक्त लोहरदगा डॉ0 ताराचंद ने पुलिस विभाग एवं अन्य अधिकारियों के साथ समीक्षा अपने कार्यालय कक्ष में की।

उपायुक्त डॉ0 ताराचंद ने अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि वह जिले के सभी प्रमुख पर्यटक स्थलों को चिन्हित कर वहां दण्डाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति करें।

जिला परिवहन पदाधिकारी पुलिस विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए नियमित रूप से वाहनों का ओवर स्पीड एवं अन्य आवश्यक कागजातों की चेकिंग करें। उन्होंने सख्त निर्देश दिया है की विधि व्यवस्था को बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों को किसी भी हाल में बक्सा नहीं जाएगा।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि वे पुलिस बल को हमेशा अलर्ट मोड में रखेंगे साथ ही त्योहारों के अवसर पर विशेष गस्ती भी किया जाएगा। बैठक में पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी,अपर समाहर्ता जितेंद्र मुंडा, अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार के साथ-साथ अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

आकिब अंसारी 902 मतों के भारी अंतर से विजय प्राप्त कर बने किस्को प्रखंड अध्यक्ष

लोहरदगा (विभा): इंडिया यूथ कांग्रेस द्वारा संगठनात्मक मजबूती हेतु कराए गए ऑनलाइन चुनाव की प्रक्रिया 14 अगस्त से 15 सितंबर तक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस चुनाव में युवाओं की व्यापक भागीदारी देखने को मिली। लोहरदगा जिले के किस्को प्रखंड से आकिब अंसारी ने 902 मतों के भारी अंतर से विजय प्राप्त कर प्रखंड अध्यक्ष पद पर अपनी मजबूत जीत दर्ज की है। यह जीत क्षेत्र के युवाओं के भरोसे और संगठन के प्रति उनकी निरंतर सक्रियता का प्रमाण है। चुनाव परिणाम घोषित होते ही किस्को प्रखंड सहित पूरे लोहरदगा जिले में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं ने इस जीत को संगठन के लिए नई ऊर्जा और दिशा देने वाला बताया। नव-निर्वाचित प्रखंड अध्यक्ष आकिब अंसारी ने अपनी जीत पर सभी मतदाताओं, युवा साथियों एवं संगठन के वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इंडिया यूथ कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने, युवाओं की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाने तथा संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे। यह जीत किस्को प्रखंड में यूथ कांग्रेस को मजबूती प्रदान करेगी और आने वाले समय में संगठनात्मक विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

थाना प्रभारी ने फीता काटकर किया उद्घाटन, बांटी गई मिठाई

नए ट्रांसफार्मर का विधिवत उद्घाटन भंडरा थाना प्रभारी मनोज कुमार गुप्ता एवं सब इंस्पेक्टर रविकांत ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया, इस अवसर पर थाना प्रभारी ने ग्रामीणों को बधाई देते हुए कहा, बिजली वर्तमान समय की बुनियादी जरूरत है, इसके बिना जनजीवन प्रभावित होता है। विभाग और ग्रामीणों के सहयोग से बिजली बहाल होना एक सुखद पहल है। जैसे ही बिजली कर्मी जामंत प्रजापति ने

क्रिसमस को बड़ा दिन क्यों कहा जाता है?

सभी त्योहारों की तरह क्रिसमस यानी बड़े दिन का त्यौहार पूरे विश्व की तरह भारत भर में मनाया जाता है, मगर क्या कभी आपने सोंचा है भारत में क्रिसमस को बड़े दिन के नाम से क्यों पुकारा जाता है। वैसे तो क्रिसमस को प्रभु ईसा मसीह या यीशु के जन्म की खुशी में मनाया जाता है। भारत में क्रिसमस को बड़ा दिन कहने के पीछे कई अलग अलग मान्यताएं प्रचलित है कहा जाता है पहले इसे रोमन उत्सव के रूप में मनाया जाता था इस दिन लोग एक दूसरे को ढेर सारे उपहार देते थे। जब धीरे-धीरे ईसाई सभ्यता पनपने लगी तब भारत में यह दिन मकर संक्रान्ति के रूप में मनाया जाने लगा। इसके अलावा बड़े दिन के पीछे प्रभु ईसा के जन्म से जुड़ी कई कथाएं भी प्रचलित हैं। 25 दिसंबर यीशु मसीह के जन्म की कोई ज्ञात वास्तविक जन्म तिथि नहीं है। एन्नो डॉमिनी काल प्रणाली के आधार पर यीशु का जन्म, 7 से 2 ईपू के बीच हुआ था भारत में इस तिथि को एक रोमन पर्व थामकर संक्राति से संबध स्थापित करने के आधार पर चुना गया है जिसकी वजह से इसे बड़े दिन के नाम से मनाया जाने लगा। वैसे तो पूरी दुनिया में इसे इसे 25 दिसंबर को मनाया जाता है मगर जर्मनी में 24 दिसंबर को ही इससे जुड़े समारोह शुरू हो जाते हैं। क्रिसमस के दिन संता क्लॉज का भी अपना अलग महत्व है, कहते हैं इस दिन सांता क्लॉज बच्चों के लिए ढेर सारे खिलौने और चॉकलेट लाते है। सांता क्लॉज को क्रिसमस का पिता भी कहा जाता है जो केवल क्रिसमस वाले दिन ही आते हैं। क्रिसमस का एक और दिलचस्प पहलू यह है कि ईसा मसीह के जन्म की कहानी का संता क्लॉज की कहानी के साथ कोई संबध नहीं है, कहते हैं तुर्किस्तान के मीरा नामक शहर के बिशप संत निकोलस के नाम पर सांता क्लॉज का चलन करीब चौथी सदी में शुरू हुआ वे गरीब और बेसहारा बच्चों को तोहफे दिया करते थे। चाहे क्रिसमस कहें या फिर बड़ा दिन कुल मिलाकर इस दिन चारों ओर खुशियां ही खुशियां दिखाई देती है, लोग अपने घरों को सजाते है, गिरजाघरों में प्रार्थनाएं होती है। अब क्रिसमस को आने में कुछ ही दिन बचे है बाजारों में क्रिसमस गिफ्ट, कार्ड, प्रभु ईशु की चित्राकृतियाँ, सांता क्लॉज की टोपी, सजावटी सामग्री और केक मिलने भी शुरू हो गए है।

खुशियों का पर्व क्रिसमस

हर साल 25 दिसंबर के दिन दुनियाभर में क्रिसमस का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है. ईसाई धर्म के लोग इस दिन लोग चर्च में एक जुटकर होकर ईसाई धर्म के संस्थापक ईसा मसीह के जन्म दिवस को प्रार्थना गाकर मनाते हैं. साथ ही इस दिन घरों में क्रिसमस ट्री को सुंदर तरीके से सजाया जाता है और तरह-तरह के पकवान व मिठाइया बनाई जाती है. यह साल का आखिरी सबसे बड़ा त्योहार होता है. लेकिन, क्या आप आपको मालूम है कि क्रिसमस का इतिहास क्या है? क्रिसमस की शुरआत कैसे हुई और ईसाई धर्म में इस पर्व का महत्व क्या है? आज इस आर्टिकल में हम आपको बताते हैं कि क्रिसमस की शुरुआत कैसे हुई इसको लेकर क्या मान्यताएं है.

ईसा मसीह का जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है क्रिसमस

दुनियाभर में और खासकर ईसाई बाहुल्य देशों में क्रिसमस का त्योहार बड़े ही उत्साह के साथ मनाया जाता है. माना जाता है कि इस दिन ईसाई धर में पैगम्बर ईसा मसीह जन्म हुआ था. जिन्हें ईश्वर ने लोगों को पापों से मुक्त कराने के लिए और उन्हें सही मार्ग दिखाने के लिए धरती पर भेजा था.

क्रिसमस का इतिहास

क्रिसमस की शुरुआत कैसे हुई और इसका क्या इतिहास इससे जुड़े कई दावे किए जाते हैं. लेकिन, माना जाता है कि सबसे पहले क्रिसमस का त्योहार रोम देश में मनाया गया था. यहां इस दिन को सूर्य देवता के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है. ईसाई धर्म का प्रभाव 330 ई तक रोम में तेजी से बढ़ने लगा था और ईसाई धर्म को मानने वालों की संख्या में भी तेजी से इजाफा हो रहा था. मान्यताओं के अनुसार, कुछ सालों बाद रोम में ईसाई धर्म के अनुयायियों ने ईसाई धर्म के पैगंबर यीशू मसीह को सूर्य देवता का रूप मान लिया और तभी से 25 दिसंबर को क्रिसमस के त्योहार की शुरआत हो गई और इसे 25 दिसंबर के दिन मनाया जाने लगा.

ईसा मसीह का जन्म

माना जाता है कि ईसा मसीह का जन्म मैरी और जोसेफ के घर बैथलहम में 4 ईसा पूर्व हुआ था. कहा जाता है कि उनका जन्म एक अस्तबल में हुआ था. इसके साथ ही यह भी कहा जाता है कि उनके पिता और यीशु बढ़ई थे और ईसा मसीह ने 30 साल की उमर में जनजागरण का कार्य शुरू कर दिया था.

यह भी मान्यता है

यूं तो बाइबल में ऐसा जिक्र नहीं है कि ईसा मसीह का जन्म 25 दिसंबर को ही हुआ था. लेकिन, ऐसा कहा जाता है कि चौथी शताब्दी के मध्य में धर्मगुरुओं और बहुत से राज्यों और चर्च के प्रतिनिधियों ने 25 दिसंबर के दिन को ही क्रिसमस के लिए चुना था.

ईसाई धर्म से जुड़ी मान्यता के अनुसार 25 दिसंबर को प्रभु यीशू मसीह का जन्म हुआ था. इसलिए इस दिन को लोग क्रिसमस डे के रूप में सेलिब्रेट करते है. ईसाई इस दिन को खुशी और उत्साह के साथ मनाते हुए चर्च जाते है, घर को सजाते हैं, एक दूसरे को तोहफे देते हैं, केक काटते हैं, विभिन्न तरह के पकवान बनाते हैं और सगे-संबंधियों को आमंत्रित करते है. क्रिसमस वैसे तो ईसाई धर्म का त्योहार है. लेकिन क्रिसमस का जश्न हर धर्म और समुदाय के लोग मनाते है. लोग एक-दूसरे को मेरी क्रिसमस कहकर इस दिन की बधाई भी देते है.

कब हुआ क्रिसमस की छुट्टी का ऐलान

साल 1870 में अमेरिका ने आधिकारिक तौर पर क्रिसमस के दिन फेडरेल हॉलिडे का ऐलान किया. इसके बाद से दुनिया भर में 25 दिसंबर के दिन क्रिसमस की छुट्टी दी जाने लगी.

सैंटा क्लॉज का क्रिसमस से संबंध क्या है?

क्रिसमस ईसाई समुदाय का एक प्रमुख पर्व है, जिसे हर वर्ष 25 दिसंबर को बड़े धूमधाम से मनाया जाता है. इस दिन गिरिजाघरों में क्रिसमस की घंटियों की मधुर ध्वनि गूंजती है. साथ ही, सभी गिरिजाघरों को रंग-बिरंगी रोशनी और अन्य सजावटी वस्तुओं से सजाया जाता है. इस अवसर पर, ईसाई लोग अपने घरों में केक काटते है और एक-दूसरे को मिठाई खिलाते हैं. क्रिसमस 25 दिसंबर को क्यों मनाया जाता है, यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है.

25 दिसंबर को ही क्यों मनाया जाता है क्रिसमस

क्रिसमस का इतिहास ईसा मसीह के जन्म से संबंधित है, जैसा कि बाइबल के न्यू टेस्टामेंट में वर्णित है. ईसाई धर्म के अनुयायियों के अनुसार, 25 दिसंबर को प्रभु यीशु मसीह का जन्म हुआ था, इसलिए इस दिन को क्रिसमस के रूप में मनाया जाता है, हालांकि, कुछ इतिहासकारों और धार्मिक अनुयायियों का मानना है कि ईसा का जन्म वास्तव में इस दिन नहीं हुआ था और यह केवल एक प्रतीकात्मक जन्मदिन है. बाइबल में यीशु की जन्म तिथि का उल्लेख नहीं है, फिर भी हर वर्ष 25 दिसंबर को क्रिसमस का उत्सव मनाया जाता है, यह माना जाता है कि यीशु मसीह का जन्म मरियम के घर हुआ था, और कहा जाता है कि मरियम को एक स्वप्न में प्रभु के पुत्र यीशु के जन्म की भविष्यवाणी की गई थी. क्रिसमस का पर्व यीशु मसीह के जन्म के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, फिर भी इस दिन को सैंटा क्लॉज के नाम से क्यों जाना जाता है? वास्तव में, सैंटा का वास्तविक नाम संत निकोलस है, और यह कथा 280 ईस्वी में तुर्की से शुरू होती है. सैंटा उत्तरी ध्रुव पर अपनी पत्नी मिसेज क्लॉज के साथ निवास करते हैं. वह एक खुशमिजाज व्यक्ति हैं, जिनकी सफेद दाढ़ी है और जिनके हृदय में दया और करुणा का भाव भरा हुआ है. संत निकोलस जरूरतमंदों और बीमारों की सहायता के लिए यात्रा किया करते थे.

दुनिया की इन देशों में अजीबो-गरीब तरीके से मनाया जाता है क्रिसमस

क्रिसमस एक ऐसा त्योहार है, जिसे दुनियाभर में विशेष उत्साह और धूमधाम से मनाया जाता है. ये त्योहार ईसाइयों के लिए बेहद खास होता है. माना जाता है कि 25 दिसंबर यीशू मसीह का जन्म हुआ था, जिसके बाद से ही इस त्योहार को मनाने की परंपरा शुरू हुई. इस दिन लोग चर्च में जाकर कैंडल जलाते हैं और प्रार्थना करते है. आम तौर पर लोग क्रिसमस के दिन क्रिसमस ट्री सजाते हैं, प्रार्थना करते हैं और पार्टी करते है. लेकिन दुनिया के अलग-अलग देशों में इसे मनाने का तरीका भी काफी अलग है. कुछ देशों में क्रिसमस को पारंपरिक तौर पर मनाया जाता है, तो वहीं कई जगह इसे अजीबो-गरीब अंदाज से सेलिब्रेट किया जाता है.

नॉर्वे में झाड़ू छिपाना

नॉर्वे में क्रिसमस को अजीब तरह से मनाया जाता है. यहां लोग अपने घरों में से झाड़ू को छिपा देते हैं. माना जाता है कि क्रिसमस के समय झाड़ू नहीं छिपाने से बुरी आत्माएं उन्हें चुराकर ले जाती हैं. इसलिए लोग इसे छिपाकर रखते हैं ताकि घर में किसी तरह की नेगेटिव एनर्जी न आए.

जापान में केएफसी खाना

जापान में क्रिसमस के दौरान ज्यादातर लोग अपने परिवारों के साथ खाने का मजा लेते हैं. यहां के लोग केएफसी से खाना ऑर्डर करते हैं. 1970 में केएफसी ने जापान में क्रिसमस के लिए एक विशेष प्रचार अभियान चलाया था और तब से जापान में क्रिसमस के दौरान यह परंपरा बन गई. 24 दिसंबर को केएफसी का ऑर्डर करना यहां की परंपरा का अहम हिस्सा बन चुका है.

जूतों में कैंडी भरना, जर्मनी

दुनियाभर के बच्चे यही मानते हैं कि क्रिसमस पर सैंटा उन्हें तोहफे देने आते हैं. जर्मनी में 25 दिसंबर की रात को सभी बच्चेघर के बाहर अपने जूते रखते हैं. अगर उनका बर्ताव साल भर अच्छा रहता है तो उनके जूतों में कैंडी होती है.

टेबल पर लगती है एक्सट्रा प्लेट

पुर्तगाल में भी बेहद अलग अंदाज से क्रिसमस मनाया जाता है. यहां के लोगों का मानना है कि उनके पूर्वज मरने के बाद क्रिसमस मनाने धरती पर आते हैं. इस दिन पुर्तगाल में खाने की टेबल पर लोग अपने पूर्वजों के लिए भी प्लेट लगाते हैं.

क्रिसमस पर्व की खास परंपराएं, जिनके बिना अधूरा है क्रिसमस

कहते हैं कि यीशु का जन्म 25 दिसंबर 6 ईसा पूर्व हुआ था। इसीलिए हर वर्ष 25 दिसंबर को जीसस क्राइस्ट के जन्म दिवस को क्रिसमस पर्व के रूप में मनाया जाता है। आओ जानते हैं इस त्योहार की 15 खास परंपराएं, जिनके बिना अधूरा है यह फेस्टिवल।

- **गौशाला** : क्रिसमस के दिन चर्च में ईसा के जन्म की झांकी बनाई जाती है जिसमें गौशाला बनाकर उसमें बालक यीशु को मदर मैरी के साथ दर्शाया जाता है।
- **क्रिसमस ट्री** : सदाबहार क्रिसमस वृक्ष डगलस, बालसम या फर का पौधा होता है जिस पर सजावट की जाती है। क्रिसमस ट्री को रिबन, गिफ्ट, घंटी और लाइट्स लगाकर सजाया जाता है।
- **सैंटा क्लॉज** : मान्यता अनुसार सैंटा क्रिसमस के दिन स्वर्ग से आकर बच्चों के लिए टॉफियां, चॉकलेट, फल, खिलौने व अन्य उपहार बांटकर वापस स्वर्ग में चले जाते हैं। सैंटा क्लॉज चौथी शताब्दी में मायरा के निकट एक शहर में जन्मे थे। उनका नाम निकोलस था। अब लोग उन्हीं के भेष में बच्चों को गिफ्ट देते हैं।
- **गिफ्ट देना** : परंपरा से अब सिर्फ सांता ही उपहार नहीं देते हैं बल्कि क्रिसमस पर लोग एक दूसरे को उपहार देते हैं। कई लोग सैंटा का भेष धारण करके बच्चों को टॉफियां, चॉकलेट, फल, खिलौने व अन्य उपहार बांटते हैं।
- **जिंगल बेल** : गिरजाघरों में पारंपरिक तरीके से ईसा मसीह के लिए गाए जा रहे भक्ति गीत के अलावा 'जिंगल बेल्स', 'ओह होली नाइट' और 'सैंटा क्लॉज इज कमिंग टु टाउन' सरीखे गानों से भी माहौल खुशनुमा हो जाता है।
- **क्रिसमस कार्ड** : कहते हैं कि सर्वप्रथम क्रिसमस कार्ड विलियम एंगले द्वारा सन् 1842 में अपने दोस्तों को भेजा था। बाद में यह कार्ड महारानी विक्टोरिया को दिखाया गया। इससे खुश होकर उन्होंने अपने चित्रकार डोबसन को बुलाकर शाही क्रिसमस कार्ड बनवाने के लिए कहा और तब से क्रिसमस कार्ड की शुरुआत हो गई।
- **स्वादिष्ट पकवान** : कई पश्चिम देशों में स्मोक्ड टर्की, फ्रुअ केक, विगिल्ला, जेली पुडिंग, टुररॉन आदि को बनाना पसंद किया जाता है। भारत में भी कई तरह के स्वादिष्ट पकवान बनाए जाते हैं। क्रिसमस पर हर देश में अलग परम्परागत भोजन भी बनता है। कुछ लोग दूध और कुकीज के रूप में सैंटा के लिये भोजन रखते हैं।
- **क्रिसमय पुडिंग** : पुडिंग बनाने की परंपरा 1970 में प्रारंभ हुई। यह आलू बुखारे से दलिया जैसा व्यंजन बनाया जाता है। बाद में मांस, शराब और रोटी मिलाकर पुडिंग बनाने की परंपरा प्रारंभ हुई।
- **रिंगिंग बेल्स** : क्रिसमस के दिन घंटी को बजाने का भी रिवाज है जिसे रिंगिंग बेल कहते हैं। यह बेल खुशियों में सूर्य के लिए भी बजाई जाती है और खुशियों के लिए भी। मान्यता है कि घर को घंटियों से सजाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है।
- **प्रार्थना** : इस दिन चर्च में विशेष तौर पर सामूहिक प्रार्थना भी की जाती है। इस दिन लोग चर्च जाते हैं और क्रिसमस कैरोल (धार्मिक गीत) गाते हैं।
- **मोजे लटकाना** : संत निकोलस के काल में बच्चे मौजे लटका देते थे ताकि सैंटा उसमें टॉफियां या तोहफे रख सके। हलांकि आज भी कई जगहों पर यह किया जाता है ताकि सैंटा क्लॉज आ सकें और उनमें अपने उपहार डाल सकें।
- **नए वस्त्र** : इस दिन लाल और हरे रंग का अत्यधिक उपयोग होता है क्योंकि लाल रंग जामुन का होता है और यह ईसा मसीह के खून का प्रतीक भी है। इसमें हरा रंग सदाबहार परंपरा का प्रतीक है।
- **पिकनिक** : क्रिसमय की 10 दिन की छुट्टियों के दौरान लोग या तो अपने पैत्रक घर, नाना नानी या दादा दादी के घर जाकर क्रिसमय मनाते हैं। कुछ लोग समुद्र के तट पर जाकर क्रिसमस का आनंद लेते हैं।
- **मोमबत्तियां** : क्रिसमय पर गिरजाघरों में जाकर लोग ईसा मसीह और मदर मैरी की मूर्ति के समक्ष मोमबत्तियां जलाकर अपनी खुशी का इजहार करते हैं। मान्यता है कि अलग-अलग रंगों की मोमबत्तियां जलाने से जीवन में खुशियां और सफलता आती हैं।
- **केक** : ईसा मसीह के जन्मदिन पर खुशियां बांटने के लिए केक खाया जाता है और लोगों को बांटा जाता है।

अरावली पर मड़राते संकट के काले बादल

विनोद कुमार सिंह

अरावली खामोश होकर सवाल पूछ रहा है -अगर मेरी ऊँचाई 100 मीटर से कम है,तो क्या मेरी जरूरत भी कम हो गई?,मैं ऊँचा नहीं,लेकिन अमर हूँ।मैं बूढ़ा हूँ,पर कमजोर नहीं।जो पहाड़ करोड़ों सालों से खड़ा है,वो आज मशीनों से डर काँप रहा है।अगर आज तुमने हमको खो दिया तो आने वाली,पीढ़ियाँ तुमसें पूछेंगी तुम्हें बचाने वाला कोई नही था

आदिकाल में जब स्वयं सृजनकर्ता द्वारा धरती का श्रजन की,जब ईसान का नामो-निशान तक नहीं था,तब अरावली पर्वत खड़ा हुआ...कहा जाता है,आज से लगभग करोड़ों वर्षों पहले,धरती की कोख फटी,और अरावली जन्म हुआ था।यह कोई साधारण पहाड़ नहीं था,यह धरती की ढाल था।समय का चक्र निरंतर घुमते रहें,राजा महाराजे आए,साम्राज्य मिटे,रेगिस्तान फैलने को आतुर हुआ,लेकिन समाने अरावली चट्टान बनकर खड़ा रहा।इसने आँधियों को रोका,बाढ़ को थामा,जमीन के नीचे पानी को ज़िंदा रखा।अरावली पर संकट के काले बादल मंडरा रहे है।अरावली खामोश होकर सवाल पूछ रहा है - -अगर मेरी ऊँचाई 100 मीटर से कम है,तो क्या मेरी जरूरत भी कम हो गई?,मैं ऊँचा नहीं,लेकिन अमर हूँ।मैं बूढ़ा हूँ,पर कमजोर नहीं।जो पहाड़ करोड़ों सालों से खड़ा है,वो आज मशीनों से डर काँप रहा है।अगर आज तुमने हमको खो दिया तो आने वाली,पीढ़ियाँ तुमसें पूछेंगी तुम्हें बचाने वाला कोई नही था,अरावली पर्वतमाला केवल एक भौगोलिक संरचना नहीं है,बल्कि भारतीय उपमहाद्वीप की सबसे प्राचीन प्राकृतिक विरासतों में से एक है।आज जब विकास और निर्माण के नाम पर अरावली की पहाड़ियों को काटने,समतल करने और हुक्म ऊँचाईहु के तर्क से बाहर करने की कोशिशें हो रही हैं।भूवैज्ञानिक दृष्टि से अरावली पर्वतमाला का निर्माण आज से लगभग 150 से 200 करोड़ वर्ष पहले हुआ माना जाता है।यह काल पृथ्वी के इतिहास का वह चरण था जब उसकी पपड़ी स्थिर हो रही थी और महाद्वीप आकार ले रहे थे।अरावली का संबंध प्रोटेरोजोइक युग से जोड़ा जाता है,जब भारतीय भू-प्लेट स्वतंत्र रूप से अस्तित्व में थी।यह पर्वतमाला प्राचीन विवर्तनिक गतिविधियों,चट्टानों के उत्थान और लंबे क्षरण की प्रक्रिया का परिणाम है।यही कारण है कि आज अरावली ऊँची नहीं दिखती–करोड़ों वर्षों के प्राकृतिक क्षरण ने इसे अपेक्षाकृत नीचा कर दिया है। लेकिन इसकी उम्र और संरचना ही इसकी सबसे बड़ी ताकत है।हिमालय की तुलना में अरावली कहीं अधिक पुरानी है।हिमालय का निर्माण लगभग 5हु6 करोड़ वर्ष पहले हुआ,जबकि अरावली उससे कई गुना अधिक प्राचीन है।इस तथ्य से यह स्पष्ट होता है कि अरावली केवल वर्तमान का नहीं,बल्कि पृथ्वी के भूवैज्ञानिक इतिहास का जीवित प्रमाण है।इतनी प्राचीन संरचना का नष्ट होना केवल पर्यावरणीय क्षति नहीं,बल्कि वैश्विक वैज्ञानिक विरासत का नुकसान भी है।

इतिहास की दृष्टि से भी अरावली का महत्व कम नहीं रहा।प्राचीनकाल से ही अरावली क्षेत्र मानव बसावट के लिए अनुकूल रहा है।इसके आस पास जल,वन और खनिज

संसाधनों की उपलब्धता ने सभ्यताओं को पनपने में मदद की।राजस्थान के मेवाड़,मारवाड़ और आसपास के क्षेत्रों में विकसित सामाजिक और राजनीतिक संरचनाओं में अरावली की भूमिका केंद्रीय रही है।इस पर्वतमाला ने न केवल प्राकृतिक सीमाओं का काम किया,बल्कि क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने में भी योगदान दिया।मध्यकालीन भारत में अरावली की सामरिक भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही।कई राजपूत राज्यों ने अपनी सुरक्षा और रणनीतिक लाभ के लिए अरावली की पहाड़ियों का उपयोग किया।किले,दुर्ग और बस्तियाँ इसी पर्वतमाला के सहारे विकसित हुईं।अरावली ने आक्रमणों से रक्षा,जल स्रोतों के संरक्षण और कृषि संतुलन में ऐतिहासिक योगदान दिया।यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि अरावली के बिना राजस्थान का सामाजिक और राजनीतिक इतिहास वैसा नहीं होता जैसा हम आज जानते हैं।आधुनिक संदर्भ में अरावली का महत्व और भी व्यापक हो जाता है।यह पर्वतमाला थार मरुस्थल और उत्तर भारत के घनी आबादी वाले क्षेत्रों के बीच एक प्राकृतिक अवरोध के रूप में कार्य करती है। वैज्ञानिक अध्ययनों और सरकारी रिपोर्टों में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि अरावली मरुस्थलीकरण की गति को नियंत्रित करने में निर्णायक भूमिका निभाती है।यदि यह पर्वतमाला कमजोर होती है,तो रेगिस्तान का विस्तार केवल राजस्थान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक इसके प्रभाव दिखाई देंगे।जल संरक्षण के संदर्भ में अरावली की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।यह क्षेत्र वर्षा जल को रोककर उसे धीरे-धीरे भूमि में समाहित करने में सहायक होता है,जिससे भूजल पुनर्भरण संभव होता है।नीति आयोग और केंद्रीय जल आयोग सहित कई संस्थाओं ने उत्तर-पश्चिम भारत में जल संकट के लिए प्राकृतिक जल-संरचनाओं के क्षरण को जिम्मेदार ठहराया है। अरावली का विनाश इसी संकट को और गहरा करेगा।दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र आज जिस जल संकट,हीटवेव और वायु प्रदूषण से जूझ रहा है, उसके पीछे अरावली के क्षरण की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता।अरावली क्षेत्र की वनस्पति धूल और गर्म हवाओं को रोकने में सहायक होती है।इसके जंगल प्राकृतिक कार्बन सिंक की तरह कार्य करते हैं। इनका नष्ट होना सीधे तौर पर वायु गुणवत्ता और तापमान संतुलन को प्रभावित करता है।इसी कारण सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने अपने कई निर्णयों में अरावली के संरक्षण पर जोर दिया है।सर्वोच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट किया है कि पर्यावरण संरक्षण संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन के अधिकार से जुड़ा विषय है।अदालतों ने यह भी माना है कि अरावली में अनियंत्रित खनन और निर्माण गतिविधियाँ न केवल पर्यावरणीय क्षति पहुँचाती हैं,बल्कि मानव जीवन और स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न करती हैं।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने अपने आदेशों में बार-बार कहा है कि अरावली की पर्यावरणीय उपयोगिता उसकी ऊँचाई से नहीं, बल्कि उसकी पारिस्थितिक भूमिका से तय होती है।इसके बावजूद हाल के वर्षों में नीतिगत स्तर पर यह तर्क उभर रहा है कि 100 मीटर से कम ऊँचाई वाली पहाड़ियों को पर्यावरणीय संरक्षण की आवश्यकता नहीं है।यह तर्क न केवल वैज्ञानिक रूप से गलत है, बल्कि न्यायिक और ऐतिहासिक समझ के भी विपरीत है।नीति आयोग की रिपोर्टें भी इस संदर्भ में गंभीर चेतावनी देती हैं।आयोग ने स्पष्ट किया है कि भारत के सामने जल संकट और जलवायु परिवर्तन सबसे बड़े दीर्घकालिक खतरे हैं।उत्तर-पश्चिम भारत में इस संकट को नियंत्रित करने के लिए अरावली जैसी प्राकृतिक संरचनाओं का संरक्षण अनिवार्य है।इसके बावजूद यदि अल्पकालिक आर्थिक लाभ के लिए इन संरचनाओं को कमजोर किया जाता है, तो यह भविष्य के साथ अन्याय होगा।

विकास की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता,लेकिन विकास का अर्थ प्रकृति का विनाश नहीं हो सकता।सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णयों में इसतरह विकासहु के सिद्धांत को बार-बार दोहराया है। इसका अर्थ स्पष्ट है– विकास ऐसा हो जो वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा करे,बिना भविष्य की पीढ़ियों की संभावनाओं को नष्ट किए।अरावली का विनाश इस सिद्धांत का सीधा उल्लंघन है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि अरावली स्वयं अपना पक्ष रखने में सक्षम नहीं है।वह न तो अदालत में याचिका दायर कर सकती है,न नीति आयोग की बैठकों में अपनी भूमिका समझा सकती है।इसकी रक्षा का दायित्व राज्य,संस्थाओं और समाज पर है।यदि आज निर्णय केवल नक्शों,फाइलों और तात्कालिक लाभ के आधार पर लिए जाएँगे,तो उनका परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा।अंततः प्रश्न अरावली के अस्तित्व का नहीं,बल्कि हमारी दूरदर्शिता का है। क्या हम उस पर्वतमाला को नष्ट होने का अधिकार रखते हैं,जिसने करोड़ों वर्षों तक भूकंपीय परिवर्तन झेले,सभ्यताओं को संरक्षण दिया और आज भी जीवन को संभव बनाए हुए है? यदि इस प्रश्न का उत्तर ईमानदारी से खोजा जाए,तो अरावली के संरक्षण के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता।अरावली को बचाना किसी भावनात्मक अपील का विषय नहीं है,यह वैज्ञानिक, ऐतिहासिक और संवैधानिक आवश्यकता है।यदि आज इस दिशा में ठोस और सख्त निर्णय नहीं लिए गए,तो भविष्य में जल संकट, मरुस्थलीकरण और जलवायु आपदाओं के लिए, कोई भी नीति या अदालत जिम्मेदारी से नहीं बच पाएगी।

संपादकीय

साइबर ठगी का जाल

शायद ही कोई दिन ऐसा जाता होगा जब कोई बुजुर्ग या आम लोग साइबर ठगी के शिकार न हुए हों। पिछले दिनों महाराष्ट्र में एक सेवानिवृत्त जज भी डिजिटल अरेस्ट स्कैम के शिकार हो गए। पिछले सप्ताह ऐसा ही एक अन्य दुखद मामला पुणे से सामने आया जब साइबरों ठगों ने एक 82 वर्षीय सेवानिवृत्त अधिकारी को डिजिटल हाउस अरेस्ट स्कैम में फंसाकर 1.19 करोड़ लूट लिए। कई दिन के मानसिक उत्पीड़न व आर्थिक क्षति से टूट गए वृद्ध की आखिर सदमे से मौत हो गई। यह विचारणीय पहलू है कि कैसे पढ़े-लिखे लोग साइबर ठगों की साजिश की गिरफ्त में आ जाते हैं। वैसे आम आदमी को साइबर ठगों व फर्जी फोन कॉल्स से बचाने के लिये पुख्ता व्यवस्था होना बेहद जरूरी है। आम लोगों की सुविधा व सुरक्षा के लिये सरकार के प्रयासों के बाद अब दूरसंचार विभाग ने मार्च 2026 में ऐसी व्यवस्था लागू करने के तैयारी की, जिसमें बिना ट्रू-कॉलर के खुद मोबाइल अवांछित फोन के प्रति सजग करेगा। नियामक संस्था ट्राई ने इस प्रस्ताव पर सहमति जतायी है। यह विडंबना ही कि जैसे-जैसे नई तकनीक आम आदमी के जीवन में सुविधा लाती है, वहीं असामाजिक तत्व उसे लूट-खसोट का हथियार बनाने में आगे निकल जाते हैं। देश में इंटरनेट सेवाओं के विस्तार और मोबाइल फोन की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के साथ ही साइबर अपराधों में खासी तेजी आई है। जरा सी चूक होने पर लाखों लोग, साइबर धोखाधड़ी में अपने जीवनभर की पूंजी कुछ ही क्षणों में गवां देते हैं। अपराधियों का संजाल इतना विस्तृत व रहस्यमय है कि प्रवर्तन एजेंसियां जब तक उन तक पहुंचती हैं, पैसा विदेशों में ट्रांसफर हो जाता है। इस संकट का एक पहलू अनजान नंबरों से आने वाली फोन कॉल्स होती हैं, जिसके जरिये अपराधी लोगों को भ्रमित कर जीवन की जमा पूंजी लूट लेते हैं। दरअसल, संचार क्रांति के चलते तमाम सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हुई हैं, लेकिन इस सुविधा के साथ पुरानी पीढ़ी साम्य नहीं बैठा पाती है। अब इसी चुनौती को दूर करने के लिये दूरसंचार विभाग आम उपभोक्ता को ऐसी सुविधा देने जा रहा है, जिसमें फोन करने वाले को पहचाना जा सकेगा। फोन पर कॉल करने वाले व्यक्ति का नाम लिखा नजर आएगा। फिर व्यक्ति अपनी सुविधा अनुसार फोन कॉल्स लेना तय कर सकता है। दूरसंचार नियामक ट्राई की मंजूरी के बाद इस दिशा में तेजी से काम हो रहा है। हालांकि, फोन करने वाले व्यक्ति की जानकारी जुटाने के कई ऐप अभी भी मौजूद हैं, लेकिन उनका उपयोग कुछ ही लोग कर पाते हैं। वैसे ऐसा निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि ऐप द्वारा दी जाने वाली सूचना सटीक है। ऐसे में यदि दूरसंचार विभाग की कोशिश सिरे चढ़ती है तो इससे करोड़ों उपभोक्ताओं को सुरक्षा कवच मिल पाएगा। पहले इस सुविधा का लेना मांग पर आधारित था, लेकिन बाद में तय किया गया कि यह सुविधा प्रत्येक मोबाइल उपयोगकर्ता को उपलब्ध करायी जाएगी।

लोकनायक, राष्ट्र-द्रष्टा और भारतीयता के शिखरपुरुष

ललित गर्ग

भारत के आधुनिक इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जो केवल सत्ता या पद से नहीं, बल्कि अपने विचार, चरित्र और आचरण से राष्ट्र की चेतना को आकार देते हैं। भारतीय राजनीति का महानायक, भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता, भारत रत्न, प्रखर कवि, वक्ता और पत्रकार अटल बिहारी वाजपेयी ऐसे ही लोकनायक थे, जो राजनीति में रहते हुए भी राजनीति से बड़े दिखाई देते थे। उनकी 101वीं जन्म-जयंती केवल स्मरण का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन और संकल्प का क्षण है कि हम किस भारत का स्वप्न देखते हैं और उसे साकार करने में हमारी भूमिका क्या है? अटलजी की जन्म जयंती 25 दिसंबर को भारत सरकार प्रतिवर्ष सुशासन दिवस के रूप में मनाती है। अटलजी भारतीय राजनीति के दुर्लभ शिखर पुरुष थे, जिनमें विचार की दृढ़ता, व्यवहार की शालीनता और निर्णय की निर्भीकता एक साथ समाहित थी। वे सत्ता के शिखर पर भी विनम्र थे और विपक्ष की पंक्ति में भी गरिमामय। यही कारण है कि उन्हें केवल एक दल का नेता नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का नेता माना गया। वे हुअजातशत्रुहु इसलिए नहीं कहे गए कि उनके विरोधी नहीं थे, बल्कि इसलिए कि विरोध के बीच भी वे सम्मान और संवाद का सेतु बनाए रखते थे।

अटल बिहारी वाजपेयी ने राजनीति को केवल सत्ता-प्राप्ति का साधन नहीं माना, बल्कि उसे राष्ट्र-निर्माण की साधना बनाया। जब राजनीति अवसरवाद, कटुता और अविश्वास की गिरफ्त में थी, तब अटलजी ने उसे मूल्यों, मर्यादा और संवैधानिक आस्था से जोड़े रखा। वे सत्ता में रहते हुए भी लोकतंत्र के प्रति उतने ही प्रतिबद्ध थे, जितने विपक्ष में रहते हुए। अटलजी ने प्रखर राजनेता, अजातशत्रु, विचारक एवं समाज सुधारक एवं राष्ट्र-निमार्ता के रूप में न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हुए थे। अटलजी वह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, नये भारत के निमार्ता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, वक्ता और नेता है, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं।

तीन बार प्रधानमंत्री रहना उनकी उपलब्धि नहीं, बल्कि उस भरोसे का प्रमाण है जो देश ने उनके चरित्र और दृष्टि पर किया। 1996 में अल्पमत की सरकार से लेकर 1999 में स्थिर गठबंधन सरकार तक की उनकी यात्रा यह दर्शाती है कि लोकतंत्र में संख्या से अधिक नैतिकता और नेतृत्व की विश्वसनीयता का महत्व होता है। संसद में उनका वह ऐतिहासिक वक्तव्य-हुसरकारें आएँगी-जाएँगी, लेकिन देश और लोकतंत्र रहना चाहिएहु आज भी भारतीय राजनीति के लिए पाथेय है। अटलजी का सबसे निर्णायक योगदान भारत को रणनीतिक आत्मविश्वास दिलाने में रहा। 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षण केवल वैज्ञानिक या सैन्य उपलब्धि नहीं थे, वे भारत के आत्मसम्मान की उद्घोषणा थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत शांति का पक्षधर है, लेकिन अपनी सुरक्षा और संप्रभुता के प्रति किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगा। इन परीक्षणों के बाद जब वैश्विक दबाव और प्रतिबंधों का दौर आया, तब अटलजी का नेतृत्व और भी निखरकर सामने आया। उन्होंने न तो आक्रामकता दिखाई, न ही आत्मसमर्पण बल्कि धैर्य, संवाद और आत्मनिर्भरता के मार्ग पर चलते हुए देश को आर्थिक और कूटनीतिक रूप से सुदृढ़ किया। यही संतुलन उनके राजनेता होने की सबसे बड़ी पहचान है। अटल बिहारी वाजपेयी को केवल कठोर निर्णयों का नेता मानना अधूरा मूल्यांकन होगा। वे उतने ही बड़े शांति-दूत भी थे। पाकिस्तान के साथ संबंध सुधारने के लिए लाहौर बस यात्रा उनकी दूरदृष्टि का प्रतीक थी, जहाँ साहस, संवेदना और संवाद एक साथ चलते हैं। कारगिल युद्ध के समय भी उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मर्यादाओं का पालन करते हुए देश की सीमाओं की रक्षा की और दुनिया को भारत की जिम्मेदार शक्ति-छवि से परिचित कराया। अटलजी का विश्वास था कि युद्ध अंतिम विकल्प होना चाहिए, लेकिन जब राष्ट्र की अस्मिता पर आघात हो, तब निर्णायक कार्रवाई अनिवार्य है। यही सोच उन्हें यथार्थवादी आदर्शवादी बनाती है। विलक्षण प्रतिभा, राजनीतिक कौशल, कुशल नेतृत्व क्षमता, बेबाक सोच, निर्णय क्षमता, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के कारण कांग्रेस के सभी नेता उनका लोहा मानते रहे। वाजपेयीजी बेहद नम्र इंसान थे और वह अहंकार से कोसों दूर थे। उनके प्रभावी एवं बेबाक व्यक्तित्व से पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भी प्रभावित थे और उन्होंने कहा था कि अटलजी एक दिन भारत के प्रधानमंत्री जरूर बनेंगे। आज भारतीय जनता पार्टी की मजबूती का जो धरातल बना है, वह उन्हीं की देन है। वे भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक हैं। 1977 में जनता पार्टी सरकार में उन्हें विदेश मंत्री बनाया गया। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र संघ के अधिवेशन में उन्होंने हिंदी में भाषण दिया और वे इसे अपने जीवन का सबसे सुखद क्षण बताते थे। वे संसद में बहुत प्रभावशाली वक्ता के रूप में जाने जाते रहे हैं और महत्वपूर्ण मुद्दे पर उनके भाषण खासे गौर से सुने जाते रहे हैं, जो भारत के संसदीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है।

अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में भारत ने बुनियादी ढाँचे और तकनीक के क्षेत्र में नई छलांग लगाई। स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना, ग्रामीण सड़कों का विस्तार, दूरसंचार क्रांति और निजी क्षेत्र की सहभागिता-ये सब उस हुनए भारतहु की नींव थे, जिसकी कल्पना उन्होंने की थी। उन्होंने विकास को केवल आर्थिक आँकड़ों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे आम नागरिक के जीवन से जोड़ा। हुजय जवान, जय किसान, जय विज्ञानहु का नारा उनके समन्वित विकास-दर्शन को दर्शाता है, जहाँ सुरक्षा, कृषि और ज्ञान एक-दूसरे के पूरक हैं। यह नारा आज भी भारत की विकास-यात्रा का सूत्रवाक्य बन सकता है। अटल बिहारी वाजपेयी ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय विदेश मंत्री व

प्रधानमंत्री- पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार बनाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया। पिछले कई दशकों में वह एक ऐसे नेता के रूप में उभरे जो विश्व के प्रति उदारवादी सोच और लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता को महत्व देते हैं।

अटल बिहारी वाजपेयी की सबसे बड़ी विशिष्टता यह थी कि वे सत्ता में रहते हुए भी संवेदनशील बने रहे। उनके भीतर का कवि कभी मरा नहीं। उनकी कविताएँ केवल साहित्य नहीं, बल्कि राष्ट्र के संघर्ष, आशा और आत्मबल की अभिव्यक्ति हैं। उनकी पंक्तियाँ निराशा में संबल देती हैं और चुनौती में साहस-हुहार नहीं मानूँगा,रार नहीं ठानूँगाहु यह केवल कविता नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन है, जो व्यक्ति को भी प्रेरित करता है और राष्ट्र को भी। अटलजी का राष्ट्रवाद संकीर्ण नहीं था। वह समावेशी, सांस्कृतिक और मानवीय था। वे भारत की प्राचीन सभ्यता पर गर्व करते थे, लेकिन आधुनिकता से भयभीत नहीं थे। वे परंपरा और परिवर्तन के बीच सेतु थे। उनका हिंदुत्व आक्रामक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास से उपजा हुआ था, जो सबको साथ लेकर चलने की प्रेरणा देता है।

चिंतन-मनन

ध्यान की तरंग

यहूदियों में एक कथा है कि जब कोई बच्चा पैदा होता है, तो देवता आते हैं और उस बच्चे के सिर पर हाथ फेरते हैं; ताकि वह भूल जाए उस सुख को, जो सुख परमात्मा के घर उसने जाना था, नहीं तो जिंदगी बड़ी कठिन हो जाएगी-दयावश ऐसा करते हैं वे, नहीं तो जिंदगी बड़ी कठिन हो जाएगी। अगर वह सुख याद रहे, तो बड़ी कठिन हो जाएगी जिंदगी, तुलना में। तुम फिर कुछ भी करो, व्यर्थ मालूम पड़ेगा। धन कमाओ, पद कमाओ, सुंदर से सुंदर पत्नी और पति ले आओ, अच्छे से अच्छे बच्चे हों, बड़ा मकान हो, कार हो, कुछ भी सार न मालूम पड़ेगा, अगर वह सुख याद रहे। तो यहूदी कथा कहती है कि एक देवता उतरता है करूणावश और हर बच्चे के माथे पर सिर्फ हाथ फेर देता है। उस हाथ के फेरते ही पर्दा बंद हो जाता है, उसे भूल जाता है परमात्मा। सुख भूल गया, फिर वह जीवन के दुखों में ही सोचने लगता है, सुख होगा। उस पर्दे को फिर से खोलना है, जो देवताओं ने बंद कर दिया है। मुझे तो नहीं लगता कि कोई देवता बंद करते हैं। देवता ऐसी मूढ़ता नहीं कर सकते। लेकिन समाज बंद कर देता है। शायद कहानी उसी की सूचना दे रही है। मां-बाप, परिवार, समाज, स्कूल बंद कर देते हैं, पर्दे को डाल देते हैं। ऐसा डाल देते हैं कि तुम भूल ही जाते हो कि यहां द्वार है, तुम समझने लगते हो दीवार है। ध्यान का अर्थ है, इस पर्दे को हटाना। और इसे अनायास होने दो इसे कभी-कभी तुम्हें पकड़ लेने दो- और जब तुम्हें यह तरंग पकड़े, तो लाख काम छोड़कर बैठ जाना।

क्रिसमस : विश्व बंधुत्व का संदेश और खुशियों का ग्लोबल कार्निवल

दिलीप कुमार पाठक

क्रिसमस को भारत में आम तौर पर बड़े दिनों की शुरुआत मानते हैं, वहीं क्रिसमस पूरी दुनिया में ईसा मसीह के जन्म की खुशी में मनाया जाने वाला पर्व है, ये वैश्विक स्तर पर मनाया जाने वाला पर्व है जो विश्व बंधुत्व का संदेश देता है '

यह प्रत्येक वर्ष 25 दिसम्बर को मनाया जाता है और इस दिन लगभग संपूर्ण विश्व में अवकाश रहता है। क्रिसमस शब्द का जन्म क्राईस्टेस माइसे या क्राइस्टस मास शब्द से हुआ है। ऐसा अनुमान है कि पहला क्रिसमस रोम में 336 ई. में मनाया गया था। यह गॉड के पुत्र जीसस क्राइस्ट के जन्म दिन को याद करने के लिए मनाया जाता है। यह ईसाइयों के सबसे महत्वपूर्ण त्यौहारों में से एक है। अब तो क्रिसमस, भारत में भी खासा लोकप्रिय हो गया है क्योंकि बच्चों को सैंटाक्लॉज खूब पसंद है ' सेंट बेनेडिक्ट उर्फ , सैंटाक्लॉज लाल रंग व सफेद रंग ड्रेस पहने हुए, एक वृद्ध मोटा पौराणिक चरित्र है, जो रेन्डियर पर सवार होता है, तथा समारोहों में, विशेष कर बच्चों के लिए, एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वह बच्चों को प्यार करता है तथा उनके लिए चाकलेट, उपहार व अन्य वांछित वस्तुएं लाता है, जिन्हें वह संभवतः रात के समय उनके जुराबों में रख देता है।

क्रिसमस के दौरान गॉड की प्रशंसा में लोग कैरोल गाते हैं। वे प्यार व भाईचारे का संदेश देते हुए घर-घर जाते हैं। क्रिसमस ट्री अपने वैभव के लिए पूरे विश्व में लोकप्रिय है। लोग अपने घरों को पेड़ों से सजाते हैं तथा हर कोने में मिसलटो को टांगते हैं। चर्च मास के बाद, लोग मित्रवत रूप से एक दूसरे के घर जाते हैं तथा दावत करते हैं और एक दूसरे को शुभकामनाएं व उपहार देते हैं। वे शांति व भाईचारे का संदेश फैलाते हैं। क्रिसमस समारोह अर्धरात्रि के समय के बाद, जिसे समारोह का एक अनिवार्य भाग माना जाता है, शुरु होते हैं। सुंदर रंगीन वस्त्र पहने बच्चे ड्रम्स, झांझ-मंजीरों के आर्केस्ट्रा के साथ चमकीली छड़ियां लिए हुए सामूहिक नृत्य करते हैं।

वहीं क्राइस्ट के जन्म के संबंध में नए टेस्टामेंट के अनुसार व्यापक रूप से स्वीकार्य ईसाई पौराणिक कथा है। इस कथा के अनुसार गॉड ने मैरी नामक एक कुंवारी लड़की के पास गैब्रियल नामक देवदूत भेजा। गैब्रियल ने मैरी को बताया कि वह गॉड के पुत्र को जन्म देगी तथा बच्चे का नाम जीसस रखा जाएगा। वह बड़ा होकर राजा बनेगा, तथा उसके राज्य की कोई सीमाएं नहीं होंगी। देवदूत गैब्रियल, जोसफ के पास भी गया और उसे बताया कि मैरी एक बच्चे को जन्म देगी, और उसे सलाह दी कि वह मैरी की देखभाल करे, जिस रात को जीसस का जन्म हुआ, उस समय लागू नियमों के अनुसार अपने नाम पंजीकृत कराने के लिए मैरी और जोसफ बेथलेहेम जाने के लिए रास्ते में थे। उन्होंने एक अस्तबल में शरण ली, जहां मैरी ने आधी रात को जीसस को जन्म दिया तथा उसे एक नांद में लिटा दिया। इस प्रकार गॉड के पुत्र जीसस का जन्म हुआ, ऐसी कहानियां प्रचलित हैं ' आज जिस तरह मसीह समुदाय के लोग घर में क्रिसमस ट्री सजाते हैं, उसका श्रेय जर्मनी के मार्टिन लूथर को जाता है। ऐसा कहा जाता है कि क्रिसमस की पूर्व संध्या में मार्टिन लूथर यूं ही बाहर घूम रहे थे और आकाश में चमकते सितारों को देख रहे थे। जो फर के वृक्षों की डालियों में से बहुत ही सुंदर दिखाई दे रहे थे। घर आकर उन्होंने यह बात अपने परिवार को बताई और कहा कि इस तारे ने मुझे ईसा मसीह के जन्म की स्मरण कराया। इसके लिए वे एक फर वृक्ष की डाल घर में लेकर आए और उसे मोमबत्तियों से सजाया। ताकि उनका परिवार उनके इस अनुभव को महसूस कर सके। अतः घर के अंदर क्रिसमस ट्री सजाने की परंपरा की शुरूआत मार्टिन लूथर के द्वारा ही मानी जाती है। कहा जाता है कि क्रिसमस और न्यू ईयर के सेलिब्रेशन में सदाबहार वृक्ष का उपयोग पहली बार लत्विया की राजधानी रिगा के टाउन स्क्वेयर में किया गया।

पहले के समय में क्रिसमस ट्री गमले में रखने की जगह घर की सीलिंग से लटकाए जाते थे। फर के अलावा लोग चैरी के वृक्ष को भी क्रिसमस ट्री के रूप में सजाते थे। अगर लोग क्रिसमस ट्री को लेने में सक्षम नहीं होते थे तब वे लकड़ी के पिरामिड को एप्पल और अन्य सजावटों से इस प्रकार सजाते थे कि वह क्रिसमस ट्री की तरह लगे क्योंकि क्रिसमस ट्री का आकार भी पिरामिड के जैसा ही होता है। आज क्रिसमस ट्री के नाम पर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई को रोकने के लिए बाजारों में कृत्रिम क्रिसमस ट्री भी उपलब्ध हैं। बाजारों में सजे और बिना सजे दोनों प्रकार के क्रिसमस ट्री मौजूद हैं। जिन्हें हम अपनी इच्छा और क्षमता के अनुसार खरीद सकते हैं और क्रिसमस सेलिब्रेशन को शानदार व यादगार बना सकते हैं।

अक्षय कुमार होस्ट करेंगे दुनिया का सबसे बड़ा गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून'

'खिलाड़ी कुमार' यानी अक्षय कुमार फिल्मों में लोगों को एंटरटेन करने के बाद अब टीवी पर गेम खिलाने के लिए आ रहे हैं। एक बार फिर अक्षय कुमार बड़े पर्दे के अलावा छोटे पर्दे पर नजर आने वाले हैं। वो एमी अवॉर्ड विनर टीवी गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' भारत में लेकर आ रहे हैं। अक्षय कुमार इस शो को होस्ट करेंगे।

सोनी टीवी पर आएगा शो

आठ बार एमी अवॉर्ड जीतने वाला अमेरिका का नंबर वन टेलीविजन गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' अब भारत में सोनी टीवी और सोनी लिव पर प्रसारित होने के लिए तैयार है। अक्षय कुमार शो में बतौर होस्ट शामिल होंगे। सोनी टीवी की ओर से इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया गया, 'दुनिया के सबसे बड़े टेलीविजन गेम शो ने भारत को नमस्ते कहा है।' इसके साथ ही मेकर्स ने ये भी स्पष्ट कर दिया है कि अक्षय कुमार इस शो को होस्ट करेंगे। हालांकि, अभी तक शो की रिलीज डेट और कंटेस्टेंट के नाम सामने नहीं आए हैं।

अक्षय कुमार ने जताई खुशी

इस गेम शो से जुड़ने पर अभिनेता अक्षय कुमार ने भी खुशी जाहिर की है। एक्टर ने कहा कि 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' दुनिया भर में लाखों लोगों का पसंदीदा शो रहा है। मैं इसके भारतीय संस्करण को यहां के दर्शकों के सामने पेश करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। कई पीढ़ियों से चली आ रही शो की लोकप्रियता और पहेलियां सुलझाने का रोमांच इसे दुनियाभर में लोकप्रिय बना चुका है। मुझे भरोसा है कि भारतीय दर्शक भी इसका भरपूर आनंद लेंगे। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव के जरिए 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' भारतीय दर्शकों को अलग-अलग प्लेटफार्म्स पर शानदार तरीके से जोड़ेगा।

ये अक्षय की टीवी पर वापसी है

अक्षय कुमार इससे पहले 'खतरों के खिलाड़ी' के पहले, दूसरे और चौथे सीजन को भी होस्ट कर चुके हैं। चौथा सीजन साल 2011 में आया था। इसके अलावा वो एक कॉमेडी शो लेकर भी आए थे। हालांकि, ये ज्यादा दिन तक नहीं चला था। हाल ही में अक्षय करण जौहर के साथ 'पिच टू गेट रिच' में भी नजर आए थे। अब अक्षय दुनिया के सबसे पॉपुलर शो को लेकर आ रहे हैं।

धुरंधर के गाने शरारत के लिए तमन्ना भाटिया थीं पहली पसंद

फिर आदित्य धर ने क्यों किया रिजेक्ट?

बॉलीवुड में जब भी दमदार डांस नंबर की बात होती है, तो सबसे पहला नाम तमन्ना भाटिया का लिया जाता है। स्त्री 2 के 'आज की रात' से लेकर 'घफूर' जैसे गानों ने उन्हें स्पेशल सॉन्ग की क्वीन बना दिया है। ऐसे में जब फिल्म धुरंधर के चर्चित गाने शरारत को लेकर यह खुलासा हुआ कि तमन्ना को इस गाने के लिए रिजेक्ट कर दिया गया था, तो इंडस्ट्री से लेकर फैंस तक सभी हैरान रह गए।

पहली पसंद थीं तमन्ना

फिल्म धुरंधर के कोरियोग्राफर विजय गांगुली ने हाल ही में फिल्मी ग्यान के साथ एक इंटरव्यू में इस पूरे मामले पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि जब 'शरारत' गाने की प्लानिंग चल रही थी, तब उनके दिमाग में सबसे पहला नाम तमन्ना भाटिया का ही आया था। उनके मुताबिक, तमन्ना की स्क्रीन प्रेजेंस और डांसिंग स्टाइल इस तरह के गाने के लिए एकदम परफेक्ट बैठती थी।

फिर क्यों तमन्ना नहीं हुई कास्ट?

विजय गांगुली ने बताया कि तमन्ना का नाम डायरेक्टर आदित्य धर के सामने रखा गया था, लेकिन आदित्य इस फैसले को लेकर पूरी तरह साफ थे। उनका मानना था कि वो फिल्म में ऐसा कोई गाना नहीं चाहते, जो कहानी से हटकर सिर्फ एक स्टार पर फोकस करे। अगर गाने में तमन्ना होतीं, तो दर्शकों का ध्यान कहानी की बजाय सिर्फ उन्हीं पर टिक जाता।

कहानी को रखा स्टारडम से ऊपर

आदित्य धर ने यह तय किया कि 'शरारत' को एक पारंपरिक आइटम सॉन्ग नहीं बनाया जाएगा, बल्कि कहानी का हिस्सा रखा जाएगा। यही वजह रही कि गाने में एक नहीं, बल्कि दो कलाकारों को लिया गया। आखिरकार इस गाने के लिए आयशा खान और क्रिस्टल डिसूजा को चुना गया, ताकि फोकस किसी एक चेहरे पर नहीं, बल्कि सीन और नैरेटिव पर बना रहे।

शादी के सीन से जुड़ा था गाना

कोरियोग्राफर के मुताबिक, शरारत गाना रणवीर सिंह और सारा अर्जुन के वेडिंग रिसेप्शन सीन का हिस्सा है। उस सीन में सिर्फ डांस ही नहीं, बल्कि कई अहम कहानी मोमेंट्स भी चलते हैं। ऐसे में डायरेक्टर नहीं चाहते थे कि गाने की वजह से फिल्म की रफ्तार या कहानी का असर कमजोर पड़े।

इंटरनेट पर छाया शरारत

दिलचस्प बात यह है कि इस गाने को काफी ज्यादा पसंद किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर गाने पर अब तक कई रील्स बनाई जा चुकी हैं। शरारत गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। आयशा खान और क्रिस्टल डिसूजा की केमिस्ट्री और एनर्जी को दर्शकों ने खूब सराहा। यहीं नहीं, इस गाने पर सेलेब्स भी रिएक्ट कर रहे हैं।

29 साल बाद फिल्म में साथ नजर आएंगे अक्षय खन्ना और सनी देओल?

फिल्म धुरंधर में रहमान डकैत के खतरनाक किरदार के लिए अक्षय खन्ना को बहुत तारीफ मिल रही है। इसके बाद उनके करियर में एक नया और रोचक दौर शुरू हो रहा है। वे हमेशा अच्छी भूमिकाएं चुनते हैं और फिल्मों के बीच लंबा गैप लेते हैं, इसलिए लोग उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर उत्सुक रहते हैं। धुरंधर की सफलता पर अक्षय ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन उनकी अगली फिल्म की चर्चा जोरों पर है, जिसमें वह सनी देओल के साथ नजर आएंगे।

इक्का में साथ नजर आ सकते हैं अक्षय और सनी?

इंडिया टुडे की एक खबर के अनुसार, अक्षय खन्ना लगभग 29 साल बाद सनी देओल के साथ फिर स्क्रीन पर नजर आएंगे। दोनों ने आखिरी बार 1997 की फिल्म बॉर्डर में साथ काम किया था। हालांकि अभी फिल्ममेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। खबरों के मुताबिक, दोनों ने इक्का नाम की फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है।

फिल्म इक्का के बारे में

इक्का एक एक्शन-क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जो सिनेमाघरों में नहीं बल्कि सीधे नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसमें दीया मिर्जा और संजीदा शेख भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी और किरदारों के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल इक्का को लेकर सिर्फ ऑनलाइन चर्चाएं और अफवाहें हैं, कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। फिर भी, अक्षय खन्ना और सनी देओल को एक एक्शन थ्रिलर में साथ देखने की खबर ने फैंस में काफी उत्साह जगा दिया है।

राम गोपाल वर्मा से मिली आदित्य धर को फिल्में बनाने की प्रेरणा

फिल्म निर्माता और निर्देशक आदित्य धर की फिल्म धुरंधर अपने नाम की तरह लोगों के दिलों से लेकर बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है। हिंदी सिनेमा से जुड़ा हर शख्स फिल्म को आइकॉनिक बता रहा है। अब हिंदी फिल्मों के डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा ने फिल्म की तारीफ की और उसका जवाब देते हुए आदित्य ने उनके साथ काम करने की इच्छा जाहिर की। आदित्य का कहना है कि वे राम गोपाल वर्मा की वजह से ही फिल्में बनाना सीख पाए हैं। रंगीला और आग जैसी फिल्में बनाने वाले डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा ने फिल्म धुरंधर की तारीफ में एक के बाद एक ट्वीट किए और फिल्म को हिंदी सिनेमा का क्वांटम लीप कहा। उन्होंने लिखा, धुरंधर एक फिल्म नहीं है, यह इंडियन सिनेमा में एक क्वांटम लीप है। आदित्य धर ने अकेले ही इंडियन सिनेमा का भविष्य पूरी तरह से बदल दिया है, चाहे वह उत्तर हो या दक्षिण... ऐसा इसलिए है क्योंकि धुरंधर सिर्फ एक फिल्म नहीं है... यह एक क्वांटम लीप है। उन्होंने फिल्म को लेकर और भी बहुत कुछ लिखा। अपनी फिल्म और अपने काम की इतनी तारीफ सुनकर आदित्य धर ने राम गोपाल वर्मा को अपनी प्रेरणा बताया।

अदा शर्मा बनीं 'यूथ फॉर चेंज भारत - से नो टू ड्रग्स' अभियान की चेहरा

अभिनेत्री आदाह शर्मा को यूथ फॉर चेंज भारत – से नो टू ड्रग्स अभियान का चेहरा घोषित किया गया है। यह एक राष्ट्रव्यापी पहल है, जिसका उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ व सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। इस अभियान की शुरुआत इंदौर से हुई, जिसने युवाओं की ऊर्जा और सांस्कृतिक जुड़ाव से प्रेरित एक सशक्त आंदोलन की नींव रखी। अभियान के लिए आदाह शर्मा का चयन एक स्वाभाविक निर्णय माना जा रहा है। वर्षों से उन्होंने विभिन्न फिल्मी शैलियों में काम कर युवा दर्शकों के साथ एक मजबूत रिश्ता बनाया है। द केरल स्टोरी जैसी गंभीर फिल्मों से लेकर 1920 फ्रैंचाइज़ी में उनकी लोकप्रिय भूमिका, सनफ्लावर और कमांडो में उनके अलग अंदाज़ और रीता सान्याल में कॉमेडी तक—आदाह ने अपनी बेहतरीन बहुमुखी प्रतिभा साबित की है। चाहे तीव्र ड्रामा हो, हॉरर या हल्का-फुल्का मनोरंजन, उनकी परफॉर्मेंस हमेशा दर्शकों के दिल को छू जाती है। अभियान को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए आदाह ने कहा, मुझे इस अभियान का चेहरा चुने जाने पर बहुत खुशी है। हमने इसकी शुरुआत इंदौर, मध्य प्रदेश से की। हम यह संदेश फैलाना चाहते हैं कि असली मज़ा पैकेट या गोलियों में नहीं होता, बल्कि सबसे बेहतरीन 'हाई' नशे से दूर रहकर जिंदगी को पूरी तरह महसूस करने में है। ढोल बजाना बिल्कुल अचानक हुआ और मुझे बहुत मज़ा आया। लॉन्च इवेंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें आदाह एक स्थानीय बैंड के साथ ढोल बजाती नजर आ रही हैं। यह पल पूरी तरह सहज, ऊर्जावान और स्थानीय संस्कृति से जुड़ा हुआ था—जो आज के युवाओं को खासतौर पर आकर्षित करता है। यह वीडियो रेड कार्पेट और फिल्मी सेट से अलग, आम लोगों के बीच आदाह की सहज कनेक्ट को खूबसूरती से दर्शाता है। आदाह जो भी करती हैं, वह असली और भरोसेमंद लगता है—कृत्रिम नहीं। यही सच्चापन युवाओं के साथ उनके मजबूत जुड़ाव का कारण है और यही वजह है कि अभियान के आयोजकों ने उन्हें इस पहल का चेहरा बनाया।

भाबीजी घर पर हैं 2.0 में लौटीं शिल्पा शिंदे

भाबीजी घर पर हैं में नजर आ चुकीं शिल्पा शिंदे एक बार फिर इस शो में लंबे समय बाद अंगूरी भाभी बनकर लौटी हैं। सीरियल भाबीजी घर पर हैं 2.0 के प्रोमो में उनकी झलक भी दिखा दी गई है। बिग बॉस सीजन 11 की विनर रह चुकीं शिल्पा शिंदे ने इस शो में लौटने की वजह भी बताई है।

शिल्पा शिंदे भाबीजी घर पर हैं कमबैक

शिल्पा शिंदे 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में अपने आइकॉनिक किरदार को निभाने के लिए एक फिर से इस शो से जुड़ गई हैं। इस शो में लौटने पर वो बेहद खुश और उत्साहित भी हैं। शिल्पा ने इस शो में वापसी पर बातें की और मेकर्स से अपने पुराने विवाद को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि झगड़े तो परिवारों में ही होते हैं, एक बार जब मैंने हां कह दिया तो मैंने कामों और रिएक्शन के बारे में ज्यादा नहीं सोचा। शिल्पा ने इस शो को लेकर बातचीत की। शिल्पा की वापसी के साथ ही ये शो दर्शकों के दिलों में पुरानी यादों और रोमांच की लहरें दौड़ गई है। करीब एक दशक के लंबे अंतराल के बाद हाल ही में जारी प्रोमो ने शिल्पा को देखकर फैन्स का दिल बाग बाग हो गया है।

आपकी असली अंगूरी भाभी वापस आ गई

10 साल बाद इस शो में अपनी वापसी पर बातें करते हुए शिल्पा शिंदे ने कहा, 10 साल बाद अंगूरी भाभी के रूप में वापसी करना मेरे लिए वाकई एक बहुत बड़ा पल है। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं इस किरदार में वापस आऊंगी लेकिन जिंदगी का अपना तरीका होता है आपको वहीं वापस ले आने का जहां आप असल में होते हैं। ऐसा लगता है जैसे किस्मत का अपना ही प्लान था। मुझे कभी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि अंगूरी भाभी ने मुझे कभी छोड़ा हो, यहां तक कि जब मैं स्क्रीन पर उनका किरदार नहीं निभा रही थी तब भी, लोग मुझे न सिर्फ सोशल मीडिया पर, बल्कि असल जिंदगी में भी अंगूरी भाभी कहकर बुलाते रहे हैं। बहुत सारे फैंस, यहां तक कि जिन्हें मैं जानती भी नहीं थी, मुझसे मिलते और पूछते- आप अंगूरी भाभी बनकर कब आओगी? आज मैं उन्हें बताना चाहती हूं, आपकी असली अंगूरी भाभी वापस आ गई है।

मुझे घर जैसा महसूस होने लगा

शिल्पा आगे कहती हैं, इस वापसी को और भी खास बनाती है पूरी टीम से मिला प्यार। आसिफ, रोहिताश, विदिशा और सभी ने मेरा इतने प्यार से स्वागत किया कि मुझे तुरंत घर जैसा महसूस हुआ। प्रोमो और मेरी वापसी की घोषणा पर मिली प्रतिक्रिया बेहद उत्साहजनक और भावुक कर देने वाली रही है। इससे मुझे यकीन हो गया है कि अंगूरी भाभी सचमुच दर्शकों की ही है।

मैं खुश और बेहद उत्साहित हूं

एक्ट्रेस ने कहा, इस शो के साथ चैनल एक बार फिर हल्के-फुल्के, मन को खुश कर देने वाले कॉमेडी शो लेकर आ रहा है जो दर्शकों को आज की भागदौड़ भरी दुनिया में सुकून, आराम और हंसी का मौका देता है। मैं उनके इस सपने को साकार कर रही हूं। भाबीजी घर पर है 2.0 में वही गर्माहट, मासूमियत और खुशी है, लेकिन एक नए माहौल और नई ऊर्जा के साथ। मैं आभारी, खुश और बेहद उत्साहित हूं कि दर्शक एक बार फिर अंगूरी भाभी का अनुभव कर पाएंगे।

उन्होंने गलत अफवाहें फैलाई थीं, जिन्हें सच मान लिया गया

बता दें कि शिल्पा शिंदे ने जब ये शो छोड़ा था तब उन्होंने प्रड्यूसर पर हैरेसमेंट के आरोप लगाए थे। इतना ही नहीं उन्होंने प्रड्यूसर के खिलाफ खुब्रुभी दर्ज कराई थी। मेकर्स ने भी शिल्पा पर भी अनप्रोफेशनलिज्म के आरोप लगाए थे। उनसे पूछा गया था कि इतनी कॉन्ट्रोवर्सी के बाद शो में लौटने पर उनपर सवाल उठ सकते हैं। इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, उस समय चैनल की तरफ से थर्ड पार्टी भी शामिल थी और उन्होंने गलत अफवाहें फैलाई थी, जिन्हें सच मान लिया गया था। कॉन्ट्रैक्ट के जरिए एक शख्स ने मुझे कंट्रोल करने की कोशिश की थी। मुझे कहीं भी ज्यादा काम करने की आजादी नहीं थी। सालों तक कड़ी मेहनत करके करियर बनाने के बाद जब किरदार पर सवाल उठाए जाते हैं तो वो बर्दाश्त करना काफी मुश्किल होता है। उन्होंने कहा- मेरा मानना है कि जब दो लोग किसी चीज का हिस्सा होते हैं और उसमें जब किसी थर्ड पार्टी की एंट्री होती है तो ऐसी चीजें हो जाती हैं।

नीरज चोपड़ा की रिसेप्शन पार्टी आज

- 2 दिन बाद दिल्ली में वीआईपी गेस्ट बुलाए; पीएम मोदी से मिले गोल्डन बॉय

सोनीपत (एजेंसी)। हरियाणा के जेवलिन थ्रोअर ओलिंपिक मेडलिस्ट गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा की आज 25 दिसंबर को रिसेप्शन पार्टी रखी गई है। करनाल के द ईडन और जन्नत हॉल में 2 अलग-अलग प्रोग्राम रखे गए हैं। 27 दिसंबर को दिल्ली में लीला होटल में भी रिसेप्शन पार्टी रखी गई है। इसमें वीआईपी गेस्ट शामिल होंगे। इसकी पुष्टि खुद नीरज के चाचा भीम चोपड़ा ने की। नीरज चोपड़ा और हिमानी मोर ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद समेत अन्य बड़े नेताओं को मिलकर पार्टी का न्योता दिया। पानीपत में खंडरा गांव के रहने वाले नीरज चोपड़ा ने सोनीपत की रहने वाली टेनिस प्लेयर हिमानी मोर से 16 जनवरी, 2025 को शादी की थी। यह शादी हिमाचल प्रदेश में सोलन के एक रिजॉर्ट में गुपचुप तरीके से हुई थी नीरज चोपड़ा ने 16 जनवरी 2025 को टेनिस प्लेयर हिमानी मोर से हिमाचल के सोलन में गुपचुप तरीके से शादी की थी। शादी में सिर्फ परिवार के लोग ही शामिल हुए थे।

ढाई हजार लोगों को न्योता

नीरज चोपड़ा के चाचा भीम चोपड़ा ने बताया कि 25 दिसंबर को करनाल में सुबह और शाम के 2 अलग-अलग रिसेप्शन रखे गए है। 27 दिसंबर को दिल्ली के लीला होटल में वीआईपी और अन्य गेस्ट के लिए रिसेप्शन पार्टी होगी। जहां नीरज और हिमानी दोनों परिवार तीनों अलग-अलग रिसेप्शन पार्टी में शामिल होंगे। करीब ढाई हजार लोगों को न्योता भेजा गया है। वीआईपी गेस्ट की लिस्ट अलग है। प्रधानमंत्री को भी न्योता भेजा गया है, जिसको उनका भतीजा नीरज खुद देख रहा है।

हॉकी इंडिया लीग

सविता-सलिमा की अगुवाई में महिला टीम तैयार, इस बार ट्रॉफी पर नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले सीजन में खिताब से बेहद करीब पहुंचने के बाद जेएसडब्ल्यू सोर्मा हॉकी क्लब अब महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2025-26 में एक कदम आगे जाने के इरादे से उतरेगा। उद्घाटन सत्र में अंक तालिका में शीर्ष पर रहने के बावजूद फाइनल में मामूली अंतर से चूकने वाली यह टीम इस बार खिताब जीतने के लिए पूरी तरह तैयार नजर आ रही है।

गोलकीपिंग बनी सबसे बड़ी ताकत - जेएसडब्ल्यू सोर्मा हॉकी क्लब की सबसे बड़ी मजबूती उसका गोलकीपिंग विभाग है। टीम की सह-कप्तान और दिग्गज गोलकीपर सविता, जिन्होंने हाल ही में भारत के लिए 300 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे किए हैं, एक बार फिर टीम की कमान संभालेंगी। पिछले सीजन में उन्हें 'गोलकीपर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया था। उनके साथ भारतीय जूनियर महिला टीम की पहली पसंद गोलकीपर निधि भी होंगी, जिन्होंने हाल ही में एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था।

डिफेंस और मिडफील्ड में अनुभव और युवा जोश का मेल - रक्षा पंक्ति में ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी पेनी स्क्वब और भारत की उभरती स्टार ज्योति पर भरोसा रहेगा, जिन्हें पिछले सीजन 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया था। इस बार जापान की अनुभवी डिफेंडर शिहोरी ओइकावा भी टीम से जुड़ी हैं। मिडफील्ड की कमान भारतीय कप्तान सलिमा टेटे संभालेंगी, जो अपनी नेतृत्व क्षमता और खेल की रफ्तार नियंत्रित करने के लिए जानी जाती हैं। उनके साथ कई भारतीय और विदेशी अनुभवी खिलाड़ी टीम को मजबूती देंगे।

विजय हजारे ट्रॉफी में
विराट कोहली और रोहित शर्मा के शतक

- कोहली ने 131, रोहित ने बनाए 155 रन, दोनों की टीमें जीती

जयपुर (एजेंसी)। विराट कोहली और रोहित शर्मा ने विजय हजारे ट्रॉफी में अपनी-अपनी टीमों के लिए शतक लगाए। बेंगलुरु में बुधवार को दिल्ली की ओर से खेल रहे विराट कोहली ने 131 रन बनाए। जबकि जयपुर में रोहित शर्मा ने 155 रन की पारी खेली।

कोहली ने 101 गेंद की पारी में 14 चौके और 3 छक्के लगाए। इस मैच में दिल्ली ने आंध्र प्रदेश को 4 विकेट से हराया। इधर, जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में मुंबई की ओर से रोहित ने 94 बॉल में ताबड़तोड़ 155 रन बनाए। उन्होंने 9 सिक्स लगाए। मुंबई ने सिक्किम पर 8 विकेट की जीत दर्ज कर की। यह टूर्नामेंट रोहित और कोहली दोनों के लिए अहम है, क्योंकि ये दोनों अब सिर्फ वनडे क्रिकेट ही खेलते हैं।

दिल्ली ने आंध्र प्रदेश को 4 विकेट से हराया - बेंगलुरु में चल रहे मैच में दिल्ली ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। आंध्र प्रदेश ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 298 रन बनाए। रिकी भुई ने 122 रन की पारी खेली। जवाब में दिल्ली ने 37.4 ओवर में 6 विकेट पर 300 रन बनाए। विराट कोहली के अलावा, नीतीश राणा ने 77 और प्रियांश आर्या ने 74 रन का योगदान दिया।

ग्रुप सी में सिक्किम ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला लिया। टीम ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 236 रन का स्कोर बनाया और मुंबई को 237 रन का टारगेट दिया। इस टारगेट ने मुंबई ने 8 विकेट पर हासिल कर लिया। ओपनर अंगक्रिश रघुवंशी ने 38 और रोहित शर्मा ने 155 रन की पारी खेली। दोनों ने 141 रनों की साझेदारी की। मुशीर खान 27 और सरफराज खान 8 रन पर नाबाद लौटे।

2010 में विजय हजारे खेले थे कोहली - विराट कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी में पिछला मैच फरवरी 2010 में सर्विसेज के खिलाफ खेला था। वहीं, रोहित 7 साल बाद विजय हजार ट्रॉफी खेल रहे हैं। उन्होंने आखिरी बार 2018 में टूर्नामेंट खेला था। दोनों अब टीम इंडिया के लिए सिर्फ वनडे फॉर्मेट में खेलते हैं। रोहित और विराट टी-20 क्रिकेट और टेस्ट से रिटायर हो चुके हैं।

बीसीसीआई ने डोमेस्टिक खेलने के लिए कहा था - बीसीसीआई ने रोहित शर्मा और विराट कोहली से कहा था कि वनडे टीम में अपनी जगह बनाए रखने के लिए उन्हें घरेलू टूर्नामेंटों में हिस्सा लेना होगा। 2024-25 के रणजी सीजन में रोहित और कोहली ने एक-एक रणजी मैच खेला था। जनवरी में कोहली 12 साल बाद दिल्ली के लिए खेले थे, जबकि रोहित ने 10 साल बाद मुंबई की ओर से मैच खेला था।

भारत के खिलाफ सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम अनाउंस

- माइकल ब्रेसवेल वनडे कप्तानी करेंगे
- विलियमसन को आराम, सैंटनर टी-20 टीम के कप्तान

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने भारत के खिलाफ 3 वनडे और 5 टी-20 की सीरीज के लिए अपनी टीम अनाउंस कर दी है। 15 सदस्यीय युवा वनडे टीम की कप्तानी ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल करेंगे। वहीं दिग्गज केन विलियमसन और रेगुलर कैप्टन मिचेल सैंटनर को आराम दिया गया। हालांकि, सैंटनर टी-20 सीरीज में कप्तानी करेंगे।

नए प्लेयर्स को मौका - न्यूजीलैंड ने वनडे टीम में ज्यादातर नए प्लेयर्स को मौका दिया। इनमें आदी अशोक, कृश्चन क्लार्क, जोश क्लार्कसन, जैकरी फॉल्क्स, निक केली, जैडन लेनोक्स और माइकल रे शामिल हैं। अनुभवी खिलाड़ियों में ब्रेसवेल के अलावा डेवोन कॉन्वे, काइल जैमिसन, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स और विल यंग हैं।

11 जनवरी से सीरीज - भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज 11 जनवरी से शुरू होगी। 14 और 18 जनवरी को बाकी 2 मुकाबले खेले जाएंगे। वडोदरा, राजकोट और इंदौर में तीनों मैच होंगे। दोनों टीमें फिर 21 से 31 जनवरी तक 5 टी-20 की सीरीज भी खेलेंगी। इस सीरीज के 6 दिन बाद ही भारत और श्रीलंका में टी-20 वर्ल्ड कप शुरू हो जाएगा।

वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम - माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), आदी अशोक, कृश्चन क्लार्क, जोश क्लार्कसन, जैकरी फॉल्क्स, निक केली, जैडन लेनोक्स, माइकल रे, डेवोन कॉन्वे, काइल जैमिसन, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स और विल यंग।

टी-20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम - मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चापमन, डेवोन कॉन्वे (विकेटकीपर), जैकब डफी, जैकरी फॉल्क्स, मैट हेनरी, काइल जैमिसन, बेवोन जैकब्स, डेरिल मिचेल, जिमी नीशाम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम रॉबिनसन, ईश सोढ़ी।

वैभव सूर्यवंशी ने 39 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा

लिस्ट-ए के सबसे युवा सेंचुरियन, ईशान ने 33 और साकिबुल ने 32 बॉल पर सेंचुरी लगाई

रांची (एजेंसी)। विजय हजारे ट्रॉफी का पहला दिन युवा बल्लेबाजों के नाम रहा। वैभव सूर्यवंशी ने बुधवार को विजय हजारे ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ सिर्फ 36 गेंदों में शतक लगाया। जबकि, बिहार के कप्तान साकिबुल गनी ने 32 बॉल और झारखंड से ईशान किशन ने 33 बॉल पर शतक लगाया।

14 साल के वैभव लिस्ट-ए क्रिकेट में शतक लगाने वाले दुनिया के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। बिहार की ओर से खेलते हुए वैभव ने पाकिस्तान के जहूर इलाही का 39 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया।

जहूर इलाही ने साल 1986 में विल्स कप के दौरान पाकिस्तान ऑटोमोबाइल्स की ओर से खेलते हुए रेलवे के खिलाफ लिस्ट-ए क्रिकेट में शतक जड़ा था। तब उनकी उम्र सिर्फ 15 साल 209 दिन थी। वैभव ने 14 साल 272 दिन की उम्र में शतक ठोक सबसे कम उम्र में शतक बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

साकिबुल गनी ने 32 गेंदों में शतक जड़ा - भारतीय बल्लेबाजों की ओर से लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड अब बिहार के कप्तान साकिबुल गनी के नाम हो गया है। उन्होंने आज सिर्फ 32 गेंदों में शतक लगाकर नया इतिहास रच दिया। इस सूची में दूसरे स्थान पर अब ईशान किशन आ गए हैं, जिन्होंने झारखंड की ओर से कर्नाटक के खिलाफ 33 गेंदों में सेंचुरी ठोकी। इससे पहले यह रिकॉर्ड अनमोलप्रीत सिंह के नाम था, जिन्होंने 2024 में पंजाब की ओर से अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 35 गेंदों में शतक लगाया था। वहीं, वैभव सूर्यवंशी ने आज अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 36 गेंदों में शतक जड़कर इस खास सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया है।

इंडिया विमेंस ने दूसरा टी-20 भी जीता

श्रीलंका को 7 विकेट से हराया, शेफाली की फिफ्टी; वैष्णवी शर्मा ने 2 विकेट लिए

विशाखापट्टनम (एजेंसी)। इंडिया विमेंस ने श्रीलंका को दूसरे टी-20 में भी 7 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ होम टीम ने 5 मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली। विशाखापट्टनम में मंगलवार को भारत ने बॉलिंग चुनी। श्रीलंका 9 विकेट खोकर 128 रन ही बना सकी। भारत ने 12वें ओवर में ही टारगेट हासिल कर लिया।

चरणी और वैष्णवी को 2-2 विकेट - डॉ वायएस राजशेखर रेड्डी स्टेडियम में श्रीलंका ने पहले ही ओवर में विकेट गंवा दिया। विश्मी गुणारत्ने 1 रन बनाकर आउट हुईं। कप्तान चमारी अटापट्टू ने फिर हसिनी परेरा के साथ टीम को 40 के करीब पहुंचाया। अटापट्टू 31 रन बनाकर आउट हुईं। हसिनी ने हर्षिता समरविक्रमा के साथ टीम को 80 के पार पहुंचाया। हसिनी 22 और हर्षिता 33 रन बनाकर आउट हो गईं। दोनों के पवेलियन लौटते ही टीम बिखर गई और 128 रन ही बना पाई। भारत से स्पिनर श्री चरणी और वैष्णवी शर्मा ने 2-2 विकेट लिए। स्नेह राणा और क्रांति गौड़ को 1-1 विकेट मिला। 3 बैटर्स रन आउट भी हुईं।

शेफाली ने फिफ्टी लगाई - 129 रन के टारगेट के सामने इंडिया विमेंस ने तेज शुरुआत की और 3 ओवर में 29 रन बना लिए। स्मृति मंधाना 11 गेंद पर 14 रन बनाकर आउट हुईं। शेफाली वर्मा ने फिर जेमिमा रोड्रिग्ज के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली। जेमिमा 15 गेंद पर 26 रन बनाकर आउट हुईं, लेकिन टीम को 8 ओवर में 90 के करीब पहुंचा दिया। शेफाली ने महज 27 गेंद पर फिफ्टी लगाई और टीम को 9वें ओवर में 100 रन के पार पहुंचा दिया। उन्होंने कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ मिलकर 11.5 ओवर में टीम को जीत दिला दी। शेफाली 69 रन बनाकर नॉटआउट लौटीं।

रमिता जिंदल और हिमांशु ढिल्लों की जोड़ी ने 10 मीटर एयर राइफल में जीता गोल्ड

भोपाल (एजेंसी)। हरियाणा की रमिता जिंदल और हिमांशु ढिल्लों ने राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

फाइनल में रोमांचक मुकाबला - रमिता और हिमांशु ने फाइनल में महाराष्ट्र की जोड़ी आर्य बोरसे और पार्थ माने को 16-12 से हराया। मैच की शुरुआत से ही हरियाणा की जोड़ी ने दबदबा बनाए रखा और निर्णायक क्षणों में बेहतरीन निशानेबाजी दिखाई।

ढिल्लों का शानदार रिकॉर्ड - इस जीत के साथ ही हिमांशु ढिल्लों का दबदबा और भी बढ़ गया। सोमवार को पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में उन्होंने 634.5 का राष्ट्रीय और जूनियर रिकॉर्ड भी बनाया था। उनकी लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन ने टीम को आत्मविश्वास और मजबूती दी।

कांस्य पदक की दौड़ - कांस्य पदक के लिए दिल्ली की राजश्री संचेती और पार्थ मखीजा ने मध्य प्रदेश की श्रेया अग्रवाल और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर की जोड़ी को कड़ी टक्कर दी और 17-15 से जीत दर्ज की। इस मुकाबले ने दर्शकों को भी रोमांचित कर दिया।

विजय हजारे ट्रॉफी

स्वास्तिक समाल ने जड़ा दोहरा शतक, संजू सैमसन के रिकॉर्ड की बराबरी

ओडिशा (एजेंसी)। ओडिशा के ओपनर स्वास्तिक समाल ने विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 के ग्रुप डी मैच में सौराष्ट्र के खिलाफ 169 गेंदों में 212 रन बनाए। यह उनकी पहली लिस्ट-ए सेंचुरी थी, जिसे उन्होंने डबल सेंचुरी में बदल दिया। इस पारी के दौरान उन्होंने 21 चौके और 8 छक्के लगाए और टीम को 345/6 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

शानदार साझेदारी और टीम को बड़ी बढ़त - ओडिशा की शुरुआत थोड़ी कमजोर रही और तीन विकेट जल्दी गिर गए। इसके बाद कप्तान बिप्लब समंत्रय और समाल ने चौथे विकेट के लिए 261 रन की शानदार साझेदारी निभाई। समंत्रय ने 91 गेंदों में 100 रन बनाए, जबकि समाल ने आक्रमक बल्लेबाजी करते हुए टीम को 345/6 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

डबल सेंचुरी के रिकॉर्ड - स्वास्तिक समाल विजय हजारे ट्रॉफी में डबल सेंचुरी बनाने वाले आठवें बल्लेबाज बने। सबसे बड़े स्कोर की सूची में शामिल हैं-

तमिलनाडु के नारायण जगदीशन - अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 277 रन (2022)

मुंबई के पृथ्वी शॉ - पुदुचेरी के खिलाफ 227* रन (2021)

महाराष्ट्र के रुतुराज गायकवाड - उत्तर प्रदेश के खिलाफ 220* रन (2022)

केरल के संजू सैमसन - गोवा के खिलाफ 212* रन (2019)

ओडिशा के स्वास्तिक समाल - सौराष्ट्र के खिलाफ 212 रन (2025)

मुंबई के यशस्वी जायसवाल - झारखंड के खिलाफ 203 रन (2019)

शानदार साझेदारी और टीम को बड़ी बढ़त - ओडिशा की शुरुआत थोड़ी कमजोर रही और तीन विकेट जल्दी गिर गए। इसके बाद कप्तान बिप्लब समंत्रय और समाल ने चौथे विकेट के लिए 261 रन की शानदार साझेदारी निभाई। समंत्रय ने 91 गेंदों में 100 रन बनाए, जबकि समाल ने आक्रमक बल्लेबाजी करते हुए टीम को 345/6 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

धुआंधार स्ट्राइक रेट और कीर्तिमान - समाल ने अपनी पारी में 21 चौके और 8 छक्के लगाए। उन्होंने अपनी पारी में तेज़ी से रन बनाए और संजू सैमसन के 212 रन के स्कोर के बराबरी की। उनका स्ट्राइक रेट और आक्रमक अंदाज दर्शाता है कि वे भविष्य के लिए भारतीय क्रिकेट में बड़ा नाम बन सकते हैं।

रेप केस में क्रिकेटर यश दयाल हो सकते हैं गिरफ्तार

- अग्रिम जमानत खारिज, कोर्ट ने कहा- ऐसा नहीं लगता कि आरोपी को फंसाया गया है

जयपुर (एजेंसी)। आईपीएल चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज यश दयाल को नाबालिग से रेप के मामले में जयपुर के पॉक्सो कोर्ट से झटका लगा है। जयपुर महानगर प्रथम के पॉक्सो कोर्ट-3 ने यश की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। अब यश दयाल की कभी भी गिरफ्तारी हो सकती है।

जज अलका बंसल ने आदेश में कहा- प्रथमदृष्टया ऐसा नहीं लगता है कि आरोपी को झूठे आरोपों में फंसाया गया है। अब तक की गई जांच में आरोपी का अपराध में शामिल होना प्रकट होता है। आरोपी से पूछताछ होनी शेष है। ऐसे में इस स्तर पर आरोपी को अग्रिम जमानत का फायदा नहीं दिया जा सकता है।

23 जुलाई 2025 को जयपुर के सांगानेर सदर थाने में यश के खिलाफ क्रिकेट में करियर बनाने का झांसा देकर और इमोशनल ब्लैकमेल करके नाबालिग के साथ ढाई साल तक रेप करने का मामला दर्ज हुआ था।

पीड़िता के मोबाइल में चैट, फोटोज और वीडियो मिले - पीड़िता के वकील दिनेश शर्मा ने बताया- मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने पीड़िता और आरोपी के मोबाइल की सीडीआर बरामद की। इसमें दोनों के बीच बातचीत होने की पुष्टि होती है। इसके साथ ही पीड़िता द्वारा बताए गए होटलों में दोनों के ठहरने का रिकॉर्ड भी है।पीड़िता के मोबाइल से मिली चैट, फोटोज और वीडियो के विश्लेषण से आरोपी के खिलाफ पॉक्सो के तहत मामला बनता है। उन्होंने कोर्ट को बताया कि आरोपी ने 3-4 मई 2023 को जयपुर में आईपीएल मैच खेलने के दौरान पीड़िता को रेलवे स्टेशन के पास होटल में मिलने बुलाया और सेक्स के लिए कहा। पीड़िता के मना करने पर उसने उसके पापा के केस को लेकर उसकी आर्थिक और भावनात्मक मदद करने, कानपुर में क्रिकेट एकेडमी जॉइन कराने का झांसा देकर 2-3 सितंबर, 2023 को कानपुर (यूपी) बुलाकर उसके साथ होटल में रेप किया।

पीड़िता से हमेशा सार्वजनिक स्थान पर की मुलाकात - आरोपी क्रिकेटर के वकील कुणाल जैमन ने बताया कि आरोपी ने पीड़िता से हमेशा सार्वजनिक स्थान और टीम के अन्य सदस्यों की मौजूदगी में मुलाकात की है। वे एकांत स्थान पर कहीं भी अकेले नहीं मिले। पीड़िता ने आरोपी को कभी नहीं बताया कि उसकी उम्र 18 साल से कम है। एफआईआर में भी उसने यह नहीं कहा कि जब उसके साथ पहली बार रेप हुआ, उस समय वह कम उम्र की थी। वहीं, यदि पीड़िता के साथ कानपुर में रेप हुआ तो वह प्रार्थी के साथ उसके बाद भी अलग-अलग शहरों में क्यों गई? इसके बारे में पीड़िता ने कुछ भी स्पष्ट नहीं किया।

संक्षिप्त समाचार

चक्रवात 'दित्वा' की मार: श्रीलंका में खेत से फैक्ट्री तक सब तबाह, चार लाख श्रमिकों की रोजी-रोटी पर

कोलंबो, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन का कहना है कि श्रीलंका में चक्रवात 'दित्वा से करीब चार लाख श्रमिक प्रभावित हुए हैं। नवंबर के अंत में आए इस चक्रवात में 640 से अधिक लोगों की जान गई और फसलों, चाय बागानों तथा सड़कों-पुलों सहित महत्वपूर्ण परिवहन अवसंरचना को भारी नुकसान पहुंचा। आईएलओ ने मंगलवार को एक संक्षिप्त रिपोर्ट में बताया कि चक्रवात प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाली आबादी करीब 17 लाख है, जो श्रीलंका की कुल आबादी का लगभग 7.5 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार, देश में चक्रवात से प्रभावित इलाकों में लगभग 3.74 लाख श्रमिक रहते हैं, जिससे उनकी आजीविका और घरेलू आय पर गहरा असर पड़ा है। आईएलओ ने कहा कि अनुमानित प्रभावित कार्यबल में 2.44 लाख पुरुष और 1.30 लाख महिलाएं शामिल हैं। इसने कहा, ''क्षेत्रवार आंकड़ों के अनुसार, कृषि क्षेत्र से जुड़ी 85,000 नौकरियां तथा 1.25 लाख औद्योगिक क्षेत्र के रोजगार और 1.64 लाख सेवा क्षेत्र के रोजगार प्रभावित हुए हैं। बाढ़ और भूस्खलन के कारण देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा जोखिम में पड़ गया है, जिसकी कीमत करीब 16 अरब अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। इसका असर कुछ सीमित जिलों तक केंद्रित है। ILO ने चेतावनी दी कि यदि समय पर इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो असमान पुनर्बहाली की आशंका बढ़ सकती है और स्थानीय स्तर पर लंबे समय तक आर्थिक संकट बना रह सकता है। रिपोर्ट में कहा गया कि प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों में आई बाढ़ और भूस्खलन से न केवल अल्पकालिक रोजगार खतरे में पड़ा है, बल्कि दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा और लोगों की आजीविका भी कमजोर हुई है। आईएलओ के अनुसार, यह संकट ऐसे समय में सामने आया है जब श्रीलंका पहले से ही संघर्षोत्तर दौर, कोविड-19 संकट और निर्यात में सुस्ती समेत श्रम बाजार की कई चुनौतियों का सामना कर रहा है।

मोहम्मद यूनुस से नाराज हुआ अमेरिका, शेख हसीना की पार्टी को मिल सकती है प्रतिबंध से राहत

वॉशिंगटन , एजेंसी। बांग्लादेश में जारी अराजकता के हालात पर अमेरिका ने नाराजगी जताई है। अमेरिका की विदेश मामलों की समिति ने मोहम्मद यूनुस को पत्र लिखा है। इस पत्र में मोहम्मद यूनुस के राजनीतिक पार्टियों पर प्रतिबंध लगाने के फैसले की आलोचना की गई है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। एक तरफ बांग्लादेश में कानून व्यवस्था खराब है और अराजकता का माहौल है। वहीं दूसरी तरफ अब अमेरिका भी मोहम्मद यूनुस से नाराज हो गया है। दरअसल अमेरिकी संसद की विदेश मामलों की समिति ने मोहम्मद यूनुस को पत्र लिखा है। इस पत्र में अमेरिकी सांसदों ने एक राजनीतिक पार्टी पर पूरी तरह से प्रतिबंध को गलत ठहराया है। गौरतलब है कि बांग्लादेश में अवामी लीग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। अमेरिका के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स की विदेश मामलों की समिति ने मोहम्मद यूनुस को लिखे पत्र में बांग्लादेश में मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाओं पर भी नाराजगी जाहिर की। पत्र में लिखा गया है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार देश की राजनीतिक पार्टियों के साथ मिलकर ऐसा माहौल बनाए, जिससे देश में निष्पक्ष, मुक्त और शांतिपूर्वक चुनाव हो सकें।

लेकिन हमें आशंका है कि ऐसा नहीं हो सकता क्योंकि अंतरिम सरकार ने राजनीतिक पार्टियों की गतिविधियों को बर्खास्त कर दिया है और साथ ही त्रुटिपूर्ण इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल को भी फिर से शुरू कर दिया है। अमेरिकी सांसदों ने लिखा, 2018 और 2024 के आम चुनाव निष्पक्ष नहीं थे और फरवरी में संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार कार्यालय की रिपोर्ट में बताया गया कि जुलाई और अगस्त 2024 में बांग्लादेश में भड़की हिंसा में करीब 1400 लोग मारे गए। असल में बांग्लादेश को इन घटनाओं से सीख लेकर लोकतंत्र को मजबूत करना चाहिए, लेकिन उसकी जगह बदला बदले की कार्रवाई शुरू हो गई है। हम चिंतित हैं कि एक राजनीतिक पार्टी को पूरी तरह से प्रतिबंधित करना गलत है।

टोरंटो में भारतवंशी महिला की हत्या, वाणिज्य दूतावास ने जताया शोक; आरोपी के खिलाफ वारंट जारी

टोरंटो , एजेंसी। कनाडा के टोरंटो शहर से भारतीय समुदाय को झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। यहां भारतीय मूल की 30 वर्षीय महिला हिमांशी खुराना की हत्या कर दी गई है। पुलिस ने इस मामले में 32 वर्षीय अब्दुल गफूरी को मुख्य आरोपी बताया है, जिसके खिलाफ पूरे कनाडा में गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। टोरंटो पुलिस के अनुसार, हिमांशी खुराना का शव स्ट्रैचन एवेन्यू और वेलिंगटन स्ट्रीट वेस्ट के पास स्थित एक आवास के अंदर से बरामद किया गया। शुरुआती जांच में इस घटना को घरेलू या करीबी संबंधों से जुड़ी हिंसा का मामला माना जा रहा है।

भारतीय वाणिज्य दूतावास ने

आरोपी फरार, पूरे कनाडा में तलाश

टोरंटो पुलिस ने आरोपी अब्दुल गफूरी की तस्वीर जारी करते हुए जनता से मदद की अपील की है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा हमने आरोपी की तस्वीर सार्वजनिक की है। यदि किसी को उसके ठिकाने की जानकारी हो, तो तुरंत पुलिस से संपर्क करें। फिलहाल आरोपी फरार है और उसे पकड़ने के लिए पूरे कनाडा में अलर्ट जारी कर दिया गया है।

अब जानिए कैसे सामने आया मामला

गौरतलब है कि पुलिस अधिकारियों ने बताया शुक्रवार को हिमांशी खुराना के लापता होने की सूचना मिलने के बाद तलाशी शुरू की गई थी। इसके अगले दिन यानी शनिवार को जब पुलिस ने संबंधित आवास में प्रवेश किया, तो वहां हिमांशी का शव मिला। जांच के बाद पुलिस ने मौत को हत्या करार दिया। पुलिस ने पुष्टि की है कि आरोपी अब्दुल गफूरी और मृतका हिमांशी खुराना एक-दूसरे को पहले से जानते थे। हालांकि, उनके रिश्ते की प्रकृति को लेकर विस्तृत जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है।

जताया गहरा शोक: टोरंटो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। पोस्ट में कहा गया हम भारतीय नागरिक हिमांशी खुराना की हत्या से बेहद दुखी और स्तब्ध हैं। इस गहरे दुख की घड़ी में हम उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। बीते कुछ दिनों से वाणिज्य दूतावास इस मामले पर नजर बनाए हुए है और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर परिवार को हर संभव सहायता दी जा रही है। दूतावास ने यह भी स्पष्ट किया कि वह मामले को लेकर लगातार स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है।

9 मई हिंसा मामलों में इमरान खान व बुशरा बीबी को राहत, कोर्ट ने जमानत अवधि बढ़ाई

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की एक स्थानीय अदालत ने 9 मई की हिंसा से जुड़े मामलों में पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान तथा उनकी पत्नी बुशरा बीबी की अंतरिम जमानत 27 जनवरी 2026 तक बढ़ा दी है। यह जानकारी पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट में दी गई है। यह आदेश अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश मोहम्मद अफजल मजोका ने प्री-अरेस्ट जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान पारित किया। इमरान खान और बुशरा बीबी की ओर से अधिवक्ता शम्सा कायानी अदालत में पेश हुईं। हालांकि, इमरान खान की अदालत में गैर-हाजिरी के कारण जमानत याचिकाओं पर दलीलें नहीं सुनी जा सकीं। इसी को देखते हुए अदालत ने सुनवाई स्थगित करते हुए अगली तारीख पर इमरान खान की व्यक्तिगत या वीडियो लिंक के जरिए उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इमरान खान पर 9 मई की हिंसा से जुड़े मामलों के अलावा हत्या के प्रयास और फर्जी रसीदें जमा करने जैसे कई अन्य मामले भी दर्ज हैं। वहीं, बुशरा बीबी के खिलाफ तोशाखाना से जुड़े कथित फर्जी दस्तावेजों का मामला दर्ज किया गया है। एक अन्य मामले में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश चौधरी आमिर जिया ने भी बुशरा बीबी की अंतरिम जमानत बढ़ाते हुए सुनवाई 27 जनवरी तक टाल दी।

चुनाव रद्द कराने के लिए तुमने उसे मारा, उस्मान हादी के भाई का मोहम्मद यूनुस पर गंभीर आरोप

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश के चर्चित छात्र नेता और इंकिलाब मंचो के संयोजक शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद देश की राजनीति में भूचाल आ गया है। मृतक के भाई ओमर हादी ने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनके भाई की हत्या आगामी राष्ट्रीय चुनावों को पटरी से उतारने के लिए कराई गई। ओमर हादी का दावा है कि सत्ता में बैठे लोगों के एक गुट ने जानबूझकर इस हत्या को अंजाम दिया, ताकि चुनावी माहौल को अस्थिर किया जा सके और राजनीतिक फायदा उठाया जा सके।

'आपने उसे मरवाया', सरकार पर सीधा हमला: ढाका के शाहबाग इलाके में राष्ट्रीय संग्रहालय के सामने आयोजित शहीदी शपथ कार्यक्रम में बोलते हुए ओमर हादी ने सरकार पर तीखा हमला बोला। बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार के अनुसार, उन्होंने कहा यह आप ही हैं जिन्होंने उस्मान हादी को मरवाया और अब उसी मुद्दे को लेकर चुनाव बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के भीतर मौजूद एक खास गुट ने साजिश रचकर इस हत्या को अंजाम दिया। बता दें कि उस्मान हादी आगामी 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव में उम्मीदवार थे। ओमर हादी का यह भी आरोप है कि उनके भाई की हत्या इसलिए की गई, क्योंकि उन्होंने किसी भी एजेंसी या विदेशी आकाओं के आगे झुकने से इनकार कर दिया था।

यूनुस सरकार को चेतावनी: ओमर हादी ने अंतरिम सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उनके भाई के हत्यारों को जल्द सजा नहीं दी गई, तो यूनुस सरकार का अंजाम भी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना जैसा हो सकता है। उन्होंने कहा हत्यारों पर जल्द मुकदमा चलाएं, ताकि चुनावी माहौल खराब न हो। सरकार अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं दिखा पाई है। अगर उस्मान हादी को न्याय नहीं मिला, तो आपको भी एक दिन बांग्लादेश छोड़ने पर मजबूर होना पड़ेगा।

मस्जिद से निकलते समय मारी गई गोली: गौरतलब है कि 32 वर्षीय शरीफ उस्मान हादी पर ढाका में एक मस्जिद से बाहर निकलते समय गोली चलाई गई थी। गंभीर रूप से घायल हादी को इलाज के लिए सिंगापुर ले जाया गया, जहां 19 दिसंबर को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उनकी हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया और राजधानी ढाका समेत कई इलाकों में तनाव की स्थिति बन गई।

2024 के आंदोलन का अहम चेहरा थे उस्मान हादी: उस्मान हादी उन प्रमुख छात्र नेताओं में शामिल थे, जिन्होंने 2024 में हुए जन आंदोलन का नेतृत्व किया था। इसी आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को अगस्त 2024 में पद छोड़कर भारत भागना पड़ा था, जहां वे फिलहाल निर्वासन में हैं।

मारे गए हिंदू मजदूर के परिवार की जिम्मेदारी लेगी सरकार.., मोहम्मद यूनुस ने दिया आश्वासन

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की सरकार ने कहा कि वह ईशनिंदा के आरोप में मारे गए हिंदू कार्यकर्ता दीपू दास के परिवार की जिम्मेदारी लेगी। सरकार ने इस हत्या को क्रूर अपराध बताया और परिवार को वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के वरिष्ठ सलाहकार ने मंगलवार को कहा कि राज्य उस हिंदू कार्यकर्ता के परिवार की जिम्मेदारी उठाएगा, जिसे पिछले सप्ताह ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने पीट-पीट कर मार डाला था। शिक्षा सलाहकार सीआर अबरार ने दीपू दास के परिवार से मुलाकात की। दीपू दास को 18 दिसंबर को माइमेंसिंग में भीड़ ने मार डाला और उनका शव जलाया। अबरार ने कहा, राज्य ने दीपू दास के बच्चे, पत्नी और माता-पिता की देखभाल की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने कहा कि यह हत्या बहुत ही क्रूर अपराध है और इसे जायज ठहराने का कोई भी कारण नहीं हो सकता। परिवार से मिलने से पहले अबरार ने मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस से चर्चा की। यूनुस ने अबार से कहा कि वे सरकार की ओर से गहरी हार्दिक संवेदना परिवार तक पहुंचाएं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दीपू दास के पिता रवि चंद्र दास ने अपने बेटे की हत्या के लिए न्याय की मांग की और परिवार की स्थिति के बारे में सलाहकार को बताया। यूनुस के कार्यालय ने पुष्टि की कि दास के परिवार को वित्तीय सहायता दी जाएगी और संबंधित अधिकारी आने वाले समय में उनके संपर्क में रहेंगे। अब तक हत्या में कथित रूप से शामिल 12 लोगों को हिरासत में लिया गया है। यूनुस की प्रेस को जारी एक बयान में कहा, आरोप, अफवाह या विश्वास में भिन्नता कभी भी हिंसा का कारण नहीं बन सकती और किसी व्यक्ति को कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं है।

हादसा या साजिश: अचानक रडार से गायब सैन्य विमान बना आग का गोला ! शीर्ष कमांडर समेत 8 की मौत पर उठे सवाल

अंकारा , एजेंसी। तुर्किये के अंकारा से लीबिया जा रहा एक निजी 'फाल्कन-50' विमान उड़ान भरने के करीब 40 मिनट बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस भीषण हादसे में लीबिया के शीर्ष सैन्य कमांडर जनरल मोहम्मद अली अहमद अल-हद्दाद समेत कुल 8 लोगों की मौत हो गई।अंकारा के आसमान में जो हुआ, उसने कई सवाल खड़े कर दिए। टेकऑफ के कुछ ही देर बाद लीबिया का सैन्य विमान अचानक रडार से गायब हो गया। कुछ मिनटों बाद वही विमान आग का गोला बनकर जमीन से टकरा गया।

इस रहस्यमय हादसे में लीबिया के शीर्ष सैन्य कमांडर सहित आठ लोगों की मौत ने इसे सिर्फ एक तकनीकी दुर्घटना नहीं, बल्कि संभावित साजिश के नजरिए से भी देखने को मजबूर कर दिया है। तुर्किये और लीबिया, दोनों देशों की जांच एजेंसियां अब हर एंगल से पड़ताल में जुट गई हैं। यह हादसा सिर्फ एक विमान दुर्घटना नहीं, बल्कि क्षेत्रीय सैन्य और कूटनीतिक संतुलन से जुड़ा एक बड़ा सवाल बनता जा रहा है।

तुर्किये के अधिकारियों के मुताबिक, विमान ने दुर्घटना से ठीक पहले इलेक्ट्रिकल सिस्टम में खराबी की सूचना दी थी। पायलट ने आपात स्थिति में विमान उतारने का अनुरोध किया, जिसके बाद विमान को वापस अंकारा की ओर मोड़ा गया। लेकिन उतरने से पहले ही विमान रडार से गायब हो गया।

फाइव स्टार होटल में एयर होस्टेस की बेरहमी से हत्या, कैंची से 15 वार कर उतारा मौत के घाट

दुबई, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात के दुबई शहर से रिश्तों को झकझोर देने वाली एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। एक लग्जरी 5-स्टार होटल में ठहरी 25 वर्षीय रूसी एयर होस्टेस अनास्तासिया की उसके ही पूर्व पति ने कथित तौर पर कैंची से गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी।मृतका अनास्तासिया रूस की लो-कॉस्ट एयरलाइन पोबेडा में फ्लाइट अटेंडेंट के रूप में कार्यरत थी। पुलिस ने इस सनसनीखेज हत्याकांड के आरोप में 41 वर्षीय रूसी नागरिक अल्बर्ट मौर्गन को गिरफ्तार किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह वारदात दुबई के पॉश इलाके में स्थित वोको बोनिंगटन होटल में हुई। होटल के कमरे से अनास्तासिया का शव बरामद हुआ, जिसके शरीर, गर्दन और धड़ पर कम से कम 15 बार कैंची से वार किए जाने के निशान पाए गए। जांच एजेंसियों के अनुसार, आरोपी अल्बर्ट मौर्गन को अपनी पूर्व पत्नी पर शक था कि वह शादी के दौरान दुबई में कथित तौर पर हाई-एंड एस्कॉर्ट के तौर पर काम कर रही थी। इसी शक और जलन ने उसे

मानसिक रूप से असंतुलित कर दिया। बताया जा रहा है कि मौर्गन एक लीगल कंसल्टेंट के रूप में काम करता था और शक के चलते वह अनास्तासिया का पीछा करते हुए दुबई पहुंचा।पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी ने खुद को होटल का मेहमान बताकर प्रवेश किया। उसने होटल की लॉन्ड्री से एक बाथरोब चुराया और उसे पहनकर खुद को गेस्ट के रूप में पेश किया। इसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर एक हाउसकीपिंग स्टाफ को बहला-फुसलाकर अनास्तासिया के कमरे का दरवाजा खुलवाया।

रूसी जांचकर्ताओं के अनुसार, आरोपी की शुरुआती योजना सिर्फ महिला पर हरा रंग डालने और उसके बाल काटने की थी, लेकिन कमरे में पहुंचते ही दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई, जो देखते ही देखते हिंसा में बदल गई।गुस्से और वहम में आरोपी ने अनास्तासिया पर ताबड़तोड़ कैंची से वार कर दिए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया, लेकिन बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और होटल की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी फुटेज व स्टाफ की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है। यह घटना एक बार फिर यह सवाल खड़ा करती है कि शक और जलन जब रिश्तों पर हावी हो जाएं, तो वे इंसान को किस हद तक हैवान बना सकते हैं।

यूक्रेन पर रूस के भीषण हमले, 650 से ज्यादा ड्रोन-36 मिसाइलों से 13 इलाकों को बनाया निशाना

मास्को, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन पर एक बड़े हमले में 650 से अधिक ड्रोन और करीब 36 मिसाइलें दागीं। 13 यूक्रेनी इलाकों में किए गए इस हमले में तीन लोग मारे गए। मृतकों में एक चार वर्षीय बच्चा भी शामिल है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि हमले में यूक्रेन के 13 क्षेत्रों में घरों और बिजली ग्रिड को निशाना बनाया गया, जिससे बिजली की व्यापक कटौती हुई। इससे पहले उन्होंने शांति समझौते की दिशा में हुई हालिया प्रगति को ठोस बताया था।

जेलेंस्की ने एक पोस्ट में कहा, इस बमबारी से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का यूक्रेन पर हमला जारी रखने का इरादा स्पष्ट होता है। यूक्रेनी और यूरोपीय अधिकारियों ने शिकायत की है कि पुतिन अमेरिका के नेतृत्व वाले शांति प्रयासों में गंभीरता से सहयोग नहीं कर रहे हैं।

रूस ने मंगलवार (23 दिसंबर) को यूक्रेन पर एक बड़े हमले में 650 से अधिक ड्रोन और करीब 36 मिसाइलें दागीं। 13 यूक्रेनी इलाकों में किए गए इस हमले में तीन लोग मारे गए। मृतकों में एक चार वर्षीय बच्चा भी शामिल है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि हमले में यूक्रेन के 13 क्षेत्रों में घरों और बिजली ग्रिड को निशाना बनाया गया, जिससे बिजली की व्यापक कटौती हुई। इससे पहले उन्होंने शांति समझौते की दिशा में हुई हालिया प्रगति को ठोस बताया था। जेलेंस्की ने एक पोस्ट में कहा, इस बमबारी से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का यूक्रेन पर हमला जारी रखने का इरादा स्पष्ट होता है। यूक्रेनी और यूरोपीय अधिकारियों ने शिकायत की है कि पुतिन अमेरिका के नेतृत्व वाले शांति प्रयासों में गंभीरता से सहयोग नहीं कर रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा, यह हमला रूसी प्राथमिकताओं का बेहद स्पष्ट संकेत है। क्रिसमस से ठीक पहले ऐसा हमला किया गया, जब लोग परिजनों के साथ घर में रहना चाहते हैं। वह बोले, यह हमला इस युद्ध को खत्म करने के लिए जारी वार्ता के बीच में हुआ है। इससे पता चलता है कि पुतिन यह स्वीकार नहीं कर सकते कि हमें हत्याएं बंद करनी होंगी।

शांति वार्ता में ठोस प्रगति: जेलेंस्की: यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा, रूस-यूक्रेन शांति समझौते के लिए अमेरिका द्वारा पेश किए गए शुरुआती मसौदे कीव की कई मांगों को पूरा करते हैं। जेलेंस्की ने हालांकि संकेत दिया कि युद्ध को समाप्त करने के लिए होने वाली वार्ताओं में दोनों पक्षों की सभी इच्छाएं पूरी होने की संभावना कम ही है। उन्होंने समझौते की कोशिश कर रहे अमेरिकी अधिकारियों के साथ हुई हालिया बातचीत पर कहा, इस चरण में काफी ठोस प्रगति नजर आ रही है।

ट्रंप को दो अरब डॉलर दे कई दानदाताओं ने उठाया सरकारी फायदा, सुंदर पिचाई-सत्य नडेला समेत 6 भारतवंशी शामिल

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में उनके सहयोगियों के साथ पसंदीदा सियासी मकसद और परियोजनाओं के लिए करीब दो अरब डॉलर जुटाए हैं। बड़े पैमाने पर जुटाया गया यह धन उनके 2024 के चुनाव अभियान के लिए जुटाई गई राशि से कहीं अधिक है। यह चौंका देने वाली राशि लेनदेन के ऐसे स्तर की ओर इशारा करती है जिसकी तुलना आधुनिक अमेरिकी इतिहास में पहली बार दिखाई दिया। इसके बदले लाभ उठाने वालों में 6 भारतवंशी भी शामिल हैं। अधिकांश धन के पीछे दानदाताओं की पहचान को कानूनी रूप से सार्वजनिक करना अनिवार्य नहीं है और कुछ मामलों में ट्रंप की टीम ने दानदाताओं को गुमनामी का प्रस्ताव भी दिया गया है। इस कारण छह भारतवंशियों में से सिर्फ गूगल के सुंदर पिचाई और माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नडेला के नाम का ही खुलासा हो पाया है।

बेंगलुरु में सनसनीखेज वारदात: सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने बीच सड़क पर की पत्नी की हत्या

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के राजाजी नगर इंडस्ट्रियल एरिया में एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई, जहां एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने अपनी पत्नी की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने खुद थाने जाकर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस की शुरुआती जांच में इस जघन्य हत्याकांड के पीछे वैवाहिक विवाद और संदेह को मुख्य कारण माना जा रहा है। मृतका की पहचान 39 वर्षीय भुवनेश्वरी के रूप में हुई है, जो यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की बसवेश्वरनगर शाखा में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर कार्यरत थीं। आरोपी पति बालमुरुगन, जो एक निजी आईटी कंपनी में कार्यरत था, मूल रूप से तमिलनाडु के सेलम जिले का निवासी है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम करीब 6:30 बजे जब भुवनेश्वरी दफ्तर से घर लौट रही थीं, तब बालमुरुगन ने मुख्य सड़क पर उन पर बेहद करीब से चार गोलियां चलाईं। इनमें से दो गोलियां उनके सिर में और दो बांह में लगीं। घायल अवस्था में उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

गोवा नाइट क्लब अग्निकांड के दोनों प्रबंधकों को कोर्ट ने शर्तों के साथ दी जमानत

पणजी (एजेंसी)। गोवा की एक कोर्ट ने नाइटक्लब अग्निकांड के दो प्रबंधकों को जमानत दे दी। इन दोनों को इस महीने की शुरुआत में आग लगने की घटना के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। इस घटना में 25 लोगों की मौत हो गई थी। जिला न्यायाधीश डी वी पटकर ने क्लब के दोनों प्रबंधकों को कुछ शर्तों के साथ जमानत दी, जबकि उन्होंने तीसरे प्रबंधक विवेक सिंह की इसी तरह की अर्जी को खारिज कर दिया। इन तीनों को उत्तरी गोवा के अरपोरा गांव स्थित नाइट क्लब में भीषण आग लगने के एक दिन बाद सात दिसंबर को गिरफ्तार किया था। सिंघानिया (बार मैनेजर) और ठाकुर (गेट मैनेजर) का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता ने कहा कि जमानत देते समय कोर्ट ने कहा कि आवेदक प्रथम दृष्टया इस मामले के तथ्यों से अवगत किसी भी व्यक्ति को कोई प्रलोभन या धमकी नहीं देंगे। कोर्ट ने उन्हें निर्देश दिया कि आरोपी जब भी जरूरत हो, जांच अधिकारी द्वारा पूछताछ के लिए उपलब्ध रहेंगे और जांच में सहयोग करेंगे। जमानत आदेश में कहा गया है, आवेदकों को आरोप पत्र/अंतिम रिपोर्ट दाखिल होने तक, महीने में एक बार जांच अधिकारी या अंजुना पुलिस थाने के मुख्य जांच अधिकारी के सामने पेश होना होगा। अरपोरा के 'रोमियो लेन' स्थित 'बर्च बाई रोमियो लेन' नाइटक्लब में छह दिसंबर को लगी भीषण आग में 25 लोगों की मौत हो गई थी। मामले में अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें क्लब के दो सह-मालिक गौरव लूथरा और उनके भाई सौरभ लूथरा भी शामिल हैं। दोनों को थाईलैंड से हिरासत में लेकर भारत लाया गया था।

आर्मी कैंप में फायरिंग, जेसीओ की मौत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में स्थित एक आर्मी कैंप के भीतर फायरिंग हुई। घटना में सेना के एक जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) की मौत हो गई। यह घटना मंगलवार देर रात हुई। रक्षा प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता के अनुसार, ड्यूटी के दौरान जेसीओ को गोली लगी थी। इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। शुरुआती जांच में इस घटना के पीछे किसी आतंकी साजिश की आशंका से इनकार किया गया है। मामले की जांच जारी है। तथ्यों की पुष्टि के बाद आगे की जानकारी साझा की जाएगी।

20 साल बाद उद्धव-राज ठाकरे की पार्टी में गठबंधन, कहा – हमारी सोच एक, बंटेंगे तो बिखरेंगे

मुंबई (एजेंसी)। उद्धव और राज ठाकरे ने बुधवार को बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव एक साथ लड़ने का ऐलान किया। 20 साल बाद दोनों की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) और मनसे में चुनावी गठबंधन हुआ है। इससे पहले 2005 में राज ठाकरे ने शिवसेना से अलग होकर मनसे पार्टी बनाई थी। दोनों ने जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया। उद्धव ठाकरे ने कहा कि हमारी सोच एक है अगर बंटेंगे तो बिखरेंगे। महाराष्ट्र के लिए हम एक साथ आए हैं। इससे पहले दोनों नेता शिवाजी पार्क स्थित बालासाहेब ठाकरे के स्मारक पहुंचे और श्रद्धांजलि दी। महाराष्ट्र में बीएमसी समेत 29 नगर निगमों में 15 जनवरी को वोटिंग होगी। 16 जनवरी को रिजल्ट आएगा। राज ठाकरे ने कहा कि मैंने एक बार कहा था कि हमारी आपसी किसी भी विवाद या लड़ाई से महाराष्ट्र बड़ा है। आज की बैठक के बाद हम अन्य नगर निगमों के लिए भी घोषणा करेंगे। मुंबई का मेयर मराठी ही होगा और वह हमारे दल से होगा। वहीं उद्धव ठाकरे ने कहा कि मैं सभी से अनुरोध और अपील करता हूं कि पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा ने 'बंटेंगे तो कटेंगे' जैसा दुष्प्रचार किया था। मैं मराठी लोगों से कहना चाहता हूं- अब अगर आपसे चूक हुई तो सब खत्म हो जाएगा। अब अगर हम बंटे तो पूरी तरह मिट जाएंगे। इसलिए न टूटें, न बंटें। मराठी अस्मिता की विरासत को न छोड़ें।

जम्मू कश्मीर के पांच जिलों में हिमस्खलन की चेतावनी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के ऊपरी इलाकों में हाल में हुई भारी बर्फबारी के मद्देनजर केंद्र शासित प्रदेश के पांच जिलों में हिमस्खलन की चेतावनी दी गई है। जिला अधिकारियों ने बताया कि डोडा, गांदरबल, किश्तवाड़, पुंछ और रामबन जिलों के लिए कम खतरे वाली हिमस्खलन की चेतावनी दी गई है। उन्होंने बताया कि अगले 24 घंटों के दौरान इन जिलों में 2,800 मीटर ऊपर हिमस्खलन होने की आशंका है। लोगों से हिमस्खलन की आशंका वाले इलाकों से बचने और सरकार की ओर से जारी परामर्श का पालन करने को कहा गया है। जम्मू कश्मीर के ज्यादातर ऊपरी इलाकों में इस हफ्ते हल्की से भारी बर्फबारी हुई है।

जल संकट से जूझ रही दुनिया के सामने हालिया रिसर्च में सामने आया चौंकाने वाला आंकड़ा

इंसानों से ज्यादा पानी पी रहा है एआई! – दुनिया भर के बोतलबंद पानी से भी ज्यादा की खपत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोबाइल स्क्रीन पर उंगलियां चलती हैं, एक सवाल टाइप होता है और कुछ सेकंड में जवाब सामने होता है। आज एआई हमारी जिंदगी का इतना नॉर्मल हिस्सा बन चुका है कि हम रुककर यह सोचते भी नहीं कि इसके पीछे क्या चल रहा है। लेकिन जिस एआई को हम स्मार्ट, फास्ट और फ्यूचर मान रहे हैं, वही एआई चुपचाप धरती का पानी पी रहा है और वो भी इतनी मात्रा में कि अब खतरे की घंटी बजने लगी है। लगातार ये बहस चल रही है कि इसे रोका कैसे जाए और क्या-क्या विकल्प है। हालिया रिसर्च में सामने आया है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम्स की सालाना पानी की खपत अब उस पानी से ज्यादा हो सकती है, जितना पूरी दुनिया में एक साल में बोतलबंद पानी के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। यह आंकड़ा सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन टेक इंडस्ट्री के अंदर यह सच्चाई धीरे-धीरे साफ हो रही है।

एआई कोई हवा में चलने वाला जादू नहीं है। इसके पीछे हैं बड़े-बड़े डेटा सेंटर्स। ऐसी जगहें जहां हजारों सर्वर दिन-रात चलते रहते हैं। जब ये सर्वर काम करते हैं, तो गर्म होते हैं। इस गर्मी को कंट्रोल करने के लिए पानी का इस्तेमाल होता है। यही पानी असल में एआई का असली ईंधन है, जिसके बारे में आम यूजर को कभी बताया नहीं जाता। रिसर्च बताती है कि 2025 तक एआई से जुड़े सिस्टम 300 से 700 अरब लीटर तक पानी साल भर में खपा सकते हैं। कंपेयर करें तो यह मात्रा पूरी दुनिया में बिकने वाले बोतलबंद पानी से भी ज्यादा बैठती है। यानी जिस पानी को लोग खरीद-खरीद कर पीते हैं, उससे ज्यादा पानी एआई की मशीनें खामोशी से इस्तेमाल कर रही हैं।

पानी के साथ बिजली भी...

मामला सिर्फ पानी तक लिमिटेड नहीं है। इन डेटा सेंटर्स को चलाने के लिए भारी मात्रा में बिजली चाहिए, और बिजली का मतलब है ज्यादा कार्बन उत्सर्जन। अनुमान है कि आने वाले समय में एआई से पैदा होने वाला कार्बन फुटप्रिंट कई बड़े शहरों के सालाना प्रदूषण के बराबर हो सकता है। लेकिन इस पर अब तक खुलकर बात नहीं हुई, क्योंकि ज्यादातर बड़ी टेक कंपनियां अपने डेटा सेंटर्स की असली पानी और बिजली खपत सार्वजनिक नहीं करतीं। दिलचस्प बात यह है कि एक-एक एआई सवाल भले ही छोटा लगे, लेकिन उसका असर जुड़ता जाता है। जब करोड़ों लोग रोजाना एआई टूल्स का इस्तेमाल करते हैं, तो पानी की यह छोटी-छोटी खपत मिलकर अरबों लीटर तक पहुंच जाती है। यही वजह है कि एक्सपर्ट्स अब चेतावनी देने लगे हैं कि अगर एआई की यह रफ्तार बिना किसी प्लानिंग के चलती रही, तो पानी की कमी और गहराएगी।

जल संकट से जूझ रही दुनिया

आज दुनिया पहले ही जल संकट से जूझ रही है। कई शहरों में पानी की सप्लाई सीमित है, गांवों में भूजल स्तर गिर रहा है और जलवायु परिवर्तन हालात और बिगाड़ रहा है। ऐसे में एआई का यह बढ़ता पानी-खर्च एक नया और बड़ा सवाल खड़ा करता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस टेक्नोलॉजी की कीमत आने वाली पीढ़ियों के पानी से चुका रहे हैं। एआई को रोकना संभव नहीं है, और न ही जरूरी। लेकिन अब यह साफ हो चुका है कि सिर्फ स्मार्ट फीचर्स और तेज जवाब ही काफी नहीं हैं। सवाल यह भी है कि एआई कितना पानी ले रहा है, कहां से ले रहा है और इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। कई एआई कंपनियां विकल्पों पर भी काम कर रही हैं कि कैसे पानी और बिजली की खपत को कम किया जा सके।

उप्र और बिहार की लोक अदालतों का खर्चा दिल्ली से 200 गुना ज्यादा

नई दिल्ली। दिल्ली की तुलना में उत्तर प्रदेश और बिहार की स्थायी लोक अदालतों (पीएलए) में प्रति मामले निपटान का खर्च लगभग 200 गुना अधिक है। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में प्रति मामले औसत निपटान खर्च मात्र 500 रुपये है, जबकि हरियाणा में यह 766 रुपये। इसके उलट, उत्तर प्रदेश में यह राशि 1,10,895 रुपये और बिहार में करीब 1,06,000 रुपये पहुंच जाती है। राष्ट्रीय औसत प्रति मामले निपटान खर्च 2,650 रुपये है। स्थायी लोक अदालतों की कार्यक्षमता में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। वर्ष 2016-17 में केवल 93 हजार मामलों का निपटारा हुआ था, जो 2024-25 में बढ़कर 2.37 लाख से अधिक हो गया। यह 155 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाता है, जो न्याय प्रणाली की तेजी और पहुंच में मजबूती का संकेत है। इससे स्पष्ट है कि दिल्ली के मुकाबले उत्तर प्रदेश और बिहार में खर्च 200 गुना से ज्यादा, जबकि हरियाणा की तुलना में 140 गुना अधिक है। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि संसाधनों का बेहतर उपयोग करके खर्च को तर्कसंगत बनाया जाए, ताकि दक्षता और परिणामों में सुधार हो। साथ ही, प्रत्येक बैठक पर औसतन 17 हजार रुपये खर्च होने की बात सामने आई है रिपोर्ट में स्थायी लोक अदालतों में रिक्त पदों पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। बिहार, पंजाब, तमिलनाडु, राजस्थान और ओडिशा जैसे राज्यों में अध्यक्षों व सदस्यों की नियुक्ति में बड़ी कमी है, जिससे संस्थान का कामकाज प्रभावित हो रहा है। समाधान के लिए मजबूत नियुक्ति और निगरानी व्यवस्था लागू करने की अनुशंसा की गई है, जिससे इन अदालतों की पहुंच व प्रभावशीलता बढ़ सके। 2015 से 2025 के बीच देशभर में 1.61 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान की गई। इसके परिणामस्वरूप पीड़ितों को कुल 2,354 करोड़ रुपये का मुआवजा मिला। इसी अवधि में राष्ट्रीय लोक अदालतों के जरिए 40 करोड़ से ज्यादा मामलों का निपटारा हुआ, जबकि स्थायी लोक अदालतों में 13,11,345 मामलों का समाधान किया गया।

पर्यावरण मंत्री का दावा कहा- प्रदूषण के लिए सिर्फ दिल्ली जिम्मेदार नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में गहराते वायु प्रदूषण के संकट पर केंद्र सरकार ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि राजधानी की हवा में घुलता जहर केवल स्थानीय गतिविधियों का परिणाम नहीं है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने एक आर्थिक सम्मेलन के दौरान इस गंभीर मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने रेखांकित किया कि दिल्ली के प्रदूषण को केवल शहर की सीमाओं के भीतर से पैदा होने वाले उत्सर्जन के चश्मे से देखना गलत होगा। प्रदूषण के लिए सिर्फ दिल्ली जिम्मेदार नहीं है। इसके पीछे पड़ोसी राज्यों से आने वाला धुआं, भौगोलिक स्थितियां, मौसम में बदलाव और क्षेत्रीय वायु प्रवाह जैसे कई महत्वपूर्ण कारक जिम्मेदार हैं।

मंत्री भूपेंद्र यादव ने स्पष्ट किया कि वायु गुणवत्ता की समस्या एक क्षेत्रीय चुनौती है, जिसके लिए केंद्र सरकार सभी संबंधित राज्यों के साथ मिलकर एक समन्वित रणनीति पर काम कर रही है। आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। मंत्री ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में किए गए निरंतर प्रयासों के कारण दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार के संकेत मिले हैं। साल 2016 में जहां दिल्ली ने केवल 110 स्वस्थ एक्यूआई दिन (बेहतर वायु गुणवत्ता वाले दिन) देखे थे, वहीं 2025 में यह संख्या बढ़कर औसतन 200 दिनों तक पहुंच गई है। इस सुधार का मुख्य श्रेय प्रदूषण नियंत्रण के कड़े उपायों और पंजाब व हरियाणा जैसे राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं में आई कमी को दिया गया है। हालांकि, उन्होंने सचेत किया कि अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। सरकार का मानना है कि दिल्ली-एनसीआर की हवा को पूरी तरह स्वच्छ बनाने के लिए केवल राजधानी के स्तर पर प्रयास पर्याप्त नहीं होंगे। इसके लिए एक व्यापक और स्पष्ट विजन की आवश्यकता है, जिसमें पड़ोसी राज्यों का सक्रिय सहयोग और क्षेत्रीय स्तर पर प्रदूषण के स्रोतों की पहचान कर उन्हें नियंत्रित करना अनिवार्य है। अंततः, सामूहिक उत्तरदायित्व और वैज्ञानिक दृष्टिकोण ही इस वार्षिक पर्यावरणीय संकट का स्थायी समाधान प्रदान कर सकते हैं।

प्रियंका गांधी का एकमात्र उद्देश्य भाई राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना: शिवकुमार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का यह बयान हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दिल्ली में मीडिया से बात कर उन्होंने न केवल राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के नेतृत्व को लेकर स्थिति स्पष्ट की, बल्कि कर्नाटक की राजनीति में चल रही उथल-पुथल पर भी अपनी राय रखी। शिवकुमार ने उन अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया जिसमें प्रियंका गांधी वाड्रा को प्रधानमंत्री पद के चेहरे के रूप में देखा जा रहा था।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रियंका गांधी का एकमात्र उद्देश्य अपने भाई राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनाना है। शिवकुमार ने कहा कि उनके लिए मल्लिकार्जुन खड़गे (एआईसीसी अध्यक्ष) ही सर्वोच्च नेता हैं और राहुल गांधी विपक्ष के नेता के रूप में पार्टी का मुख्य चेहरा हैं। दरअसल यह स्पष्टीकरण रॉबर्ट वाड्रा के उस बयान के बाद आया जिसमें उन्होंने अपनी पत्नी प्रियंका गांधी वाड्रा की नेतृत्व क्षमता की तारीफ कर उनके राजनीति में उज्ज्वल भविष्य की बात की थी, जिससे नेतृत्व को लेकर नई चर्चाएं शुरू हो गई थीं।

वहीं पिछले कुछ समय से कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच ढाई-ढाई साल के सत्ता हस्तांतरण के समझौते की खबरें आ रही थीं। इस विवाद पर शिवकुमार ने कहा कि वर्तमान में नेतृत्व को लेकर कोई विवाद नहीं है। उन्होंने कहा, मैं उपमुख्यमंत्री के रूप में खुश हूं और मुझे एक पार्टी कार्यकर्ता बने रहना पसंद है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नेतृत्व को लेकर कोई भी निर्णय लेना पूरी तरह से कांग्रेस आलाकमान का अधिकार है और जो भी निर्णय लिया जाएगा, वह उन्हें स्वीकार होगा। डीके का यह बयान कांग्रेस के भीतर एकता दिखाने और नेतृत्व को लेकर किसी भी तरह के भ्रम को दूर करने की एक कोशिश है। विशेष रूप से प्रियंका गांधी को

लेकर उनके बयान ने यह संदेश दिया है कि परिवार के भीतर और पार्टी में राहुल गांधी ही प्रधानमंत्री पद के लिए पहली पसंद बने हुए हैं।

नशे को न और खेलों का हां कहें युवा : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

आगरा (एजेंसी)। उप-राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा है कि माता-पिता अपने बच्चों को खेलों के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चे खेलों से जुड़ेंगे और खेल में पारंगत होकर देश के लिए पदक जीतेंगे। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि नशे का न कहें और खेलों को हां कहें। जब खेलों में व्यस्त रहेंगे, तो नशे के लिए समय ही नहीं होगा। सांसद खेल स्पर्धा समारोह में मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन रहे. एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम सांसद खेल स्पर्धा में तलवार बाजी और वॉलीबॉल मैच हुआ। इसके साथ ही उप-राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने अलग-अलग इवेंट में विजेता रहे खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किया। अपने सम्बोधन में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि आगरा आकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं कॉलेज में लंबी दूरी का धावक और टेबिल टेनिस खिलाड़ी रहा हूं। मैंने केवल 800 किलोमीटर की पदयात्रा भी खिलाड़ी होने की वजह से सही से की थी। खेल हमें स्वस्थ रखते हैं। खेल केवल स्पर्धा नहीं है। हार और जीत के साथ ही हमें अनुशासन, धैर्य, परिश्रम करना सिखाते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि 2014 के बाद भारत का ओलंपिक में प्रदर्शन सुधरा है। मेडल बढ़े हैं। पहले हमारा ध्यान हॉकी पर था। आज हमारे खिलाड़ी बैडमिंटन, बॉक्सिंग, पॉवर लिफ्टिंग, कुश्ती और अन्य इवेंट में मेडल जीत रहे हैं। ये उपलब्धि संयोग नहीं है। खिलाड़ी केंद्रित और नए इनोवेशन का परिणाम है। महिलाओं की खेलों में भागीदारी को बढ़ रही है।

अंकिता हत्याकांड में उत्तराखंड भाजपा प्रभारी का नाम सामने आने के बाद कांग्रेस हमलावर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने अंकिता भंडारी हत्याकांड में उत्तराखंड भाजपा प्रभारी का नाम सामने आने के बाद मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के जज की निगरानी में सीबीआई से कराने की मांग की है। पार्टी ने कहा है कि भाजपा सरकार दोषियों को बचाने के लिए पूरी ताकत झोंक रही है।

इंदिरा भवन स्थित कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, प्रदेश कांग्रेस के सह-प्रभारी सचिव सुरेंद्र शर्मा और मनोज यादव ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा खोखला साबित हो रहा है और उत्तराखंड में महिलाओं की सुरक्षा गंभीर खतरे में है।

गोदियाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक वीडियो दिखाया, जिसमें खुद को भाजपा के पूर्व विधायक सुरेश राठौर की पत्नी बताने वाली एक महिला यह दावा करती नजर आ रही है कि उसके पति की एक ऑडियो रिकॉर्डिंग है, जिसमें अंकिता भंडारी की हत्या का उल्लेख है। उन्होंने कहा कि यह ऑडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो चुका है। इसमें सुरेश राठौर यह कहते सुनाई देते हैं कि अंकिता की हत्या इसलिए हुई क्योंकि उसके ऊपर उत्तराखंड भाजपा के प्रभारी

दुष्यंत कुमार गौतम के साथ शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया जा रहा था। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा नेता बेटियों के प्रति कैसी नीयत रखते हैं, यह शर्मनाक सच्चाई इस मामले से उजागर होती है। उन्होंने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के नाम सामने आए हैं, तो पूरी भाजपा सरकार उन्हें बचा रही है और खामोश बैठी हुई है। उन्होंने बताया कि शुरुआत से ही भाजपा सरकार ने इस मामले को दबाने की पूरी कोशिश की। उन्होंने कहा कि अंकिता भंडारी के लापता होने के बाद उसका शव मिलने से पहले ही उसके कमरे को बुलडोजर से तोड़ दिया गया और बिस्तर को जलाने की कोशिश हुई। उन्होंने कहा कि यह पूरी कार्रवाई सबूतों को नष्ट करने की साजिश का हिस्सा थी। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि कार्रवाई करनी ही थी, तो होटल मालिक के निजी आवास पर क्यों नहीं की गई। गोदियाल ने उत्तराखंड सरकार, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और भाजपा नेताओं पर आरोप लगाते हुए कहा कि सत्ता का दुरुपयोग कर इस केस को दबाने और प्रभावशाली लोगों को बचाने की कोशिश की गई। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में गठित एसआईटी ने निष्पक्ष जांच करने के बजाय गवाहों को डराने का काम किया।

उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करें और इसकी जांच सुप्रीम कोर्ट के किसी वर्तमान या सेवानिवृत्त जज की निगरानी में सीबीआई से कराई जाए, ताकि किसी भी तरह का दबाव जांच को प्रभावित न कर सके। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अगले 10-12 दिनों में उत्तराखंड सरकार सीबीआई जांच की संस्तुति नहीं करती, तो कांग्रेस गढ़वाल मंडल मुख्यालय में बड़ा धरना-प्रदर्शन करेगी। गणेश गोदियाल ने कहा कि अंकिता भंडारी को न्याय दिलाना सिर्फ एक परिवार का नहीं, बल्कि पूरे समाज और महिला सुरक्षा से जुड़ा सवाल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक दोषियों को सजा नहीं मिलती, कांग्रेस इस लड़ाई को पूरी मजबूती से जारी रखेगी।

सेक्युलर होने का अर्थ किसी एक वर्ग का तुष्टिकरण करना नहीं: केंद्रीय मंत्री गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नई दिल्ली में आयोजित पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान देश की राजनीतिक विचारधारा और सांस्कृतिक विरासत पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने वर्तमान सामाजिक चुनौतियों के लिए कांग्रेस की सेक्युलरिज्म की व्याख्या और वोट बैंक की राजनीति को जिम्मेदार ठहराया। गडकरी के अनुसार, देश में आज जो सांप्रदायिक समस्याएं दिखाई देती हैं, उनका मूल कारण धर्मनिरपेक्षता की गलत समझ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सेक्युलर होने का अर्थ किसी एक वर्ग का तुष्टिकरण करना नहीं, बल्कि सर्व धर्म समभाव की भावना के साथ सभी धर्मों को समान सम्मान देना और सभी के साथ बराबरी का व्यवहार सुनिश्चित करना है।

राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष प्रो. वासुदेव देवनानी की पुस्तक सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि के विमोचन पर बोलते हुए गडकरी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के शब्दों को दोहराया। उन्होंने कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है और

हमेशा रहेगा, लेकिन यह किसी राजनीतिक दल या संगठन के कारण नहीं, बल्कि हमारी प्राचीन हिंदू और सनातन संस्कृति की वजह से है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सनातन संस्कृति विश्व कल्याण, सहिष्णुता और करुणा की सीख देती है और इतिहास गवाह है कि किसी भी हिंदू राजा ने धार्मिक स्थलों को नष्ट करने का कार्य नहीं किया। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन भी गरिमामयी उपस्थिति में मौजूद रहे। एक अन्य कार्यक्रम में नेशन फर्स्ट की अवधारणा पर चर्चा करते हुए गडकरी ने कहा कि राष्ट्रवाद केवल नारों तक सीमित नहीं होना चाहिए। उनके अनुसार, वास्तविक प्रगति के लिए देश के इतिहास को ईमानदारी से समझना और व्यवस्था की कमियों को दूर कर भविष्य की क्षमताओं को विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि आधुनिकीकरण का अर्थ पश्चिमी देशों की अंधी नकल करना नहीं, बल्कि अपने सभ्यतागत आत्मविश्वास को बनाए रखते हुए आगे बढ़ना है। इन कार्यक्रमों में भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी और सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी भी शामिल हुए, जहां भारतीय मूल्यों और राष्ट्रीयता के प्रति एक नई दृष्टि विकसित करने पर जोर दिया गया।

अरावली पर्वतमाला की परिभाषा पर केंद्र, सुप्रीम कोर्ट और समिति तीनों नहीं हैं एकमत

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, (ईएमएस)। अरावली पर्वतमाला के भविष्य और उसकी भौगोलिक पहचान को लेकर देश की सर्वोच्च संस्थाओं के बीच गंभीर मतभेद उभरकर सामने आए हैं। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित अरावली की नई परिभाषा—जो केवल 100 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को ही अरावली का हिस्सा मानती है—विवादों के घेरे में है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर को इस परिभाषा को स्वीकार कर लिया है, लेकिन उसकी अपनी ही संस्था सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी (सीईसी) और अदालत की सहायता के लिए नियुक्त एमिकस क्यूरी ने इस पर कड़े सवाल खड़े किए हैं। यह विवाद न केवल कानूनी है, बल्कि इसके पर्यावरणीय परिणाम भी बेहद चिंताजनक हो सकते हैं।

सीईसी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने 2002 में पर्यावरण संबंधी आदेशों की निगरानी के लिए गठित किया था, ने इस नई परिभाषा का स्पष्ट विरोध किया है। समिति ने स्पष्ट किया कि 13 अक्टूबर को मंत्रालय द्वारा अदालत में पेश की गई परिभाषा को न तो सीईसी की मंजूरी प्राप्त थी और न ही इसकी कोई औपचारिक जांच की गई थी। इसके विपरीत, सीईसी का तर्क है कि फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया (एफएसआई) द्वारा 2010 में तैयार की गई परिभाषा को ही अपनाया जाना चाहिए। एफएसआई ने राजस्थान के 15 जिलों में 40,481 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अरावली के रूप में चिह्नित किया था, जिसमें 3 डिग्री ढलान और न्यूनतम ऊंचाई वाली छोटी पहाड़ियों को भी शामिल किया गया था ताकि पर्वतमाला की अखंडता बनी रहे।

मंत्रालय की 100 मीटर की ऊंचाई वाली शर्त पर एमिकस क्यूरी के. परमेश्वर ने अदालत में कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने एक प्रस्तुति के माध्यम से बताया कि यह परिभाषा अरावली की भौगोलिक निरंतरता को नष्ट कर देगी। यदि केवल 100 मीटर से ऊंची चोटियों को ही अरावली माना जाएगा, तो हजारों छोटी और निचली पहाड़ियां कानूनी संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएंगी। इसका सीधा परिणाम यह होगा कि ये क्षेत्र खनन और अन्य निर्माण गतिविधियों के लिए खुल जाएंगे। जानकारों का मानना है कि ये छोटी पहाड़ियां थार मरुस्थल के विस्तार को रोकने के लिए प्राकृतिक अवरोध (विंड बैरियर) का काम करती हैं, इनके हटने से मरुस्थलीकरण का खतरा पूर्व की ओर बढ़ सकता है।

सीईसी के अध्यक्ष सिद्धांत दास ने मंत्रालय के दावों को भ्रामक करार देते हुए कहा कि मंत्रालय के हलफनामे में जिन विचारों को समिति का बताया गया है, वे वास्तव में एक सदस्य के व्यक्तिगत विचार थे। समिति ने स्पष्ट किया कि मंत्रालय की रिपोर्ट पर कोई औपचारिक समीक्षा नहीं हुई थी और न ही इसके मसौदे को साझा किया गया था। विरोधाभास तब और गहरा गया जब एफएसआई के एक आंतरिक आकलन से पता चला कि अरावली की कुल 1,18,575 पहाड़ियों में से 99 प्रतिशत से अधिक पहाड़ियां 100 मीटर की नई परिभाषा में शामिल ही नहीं हो पाएंगी। यहां तक कि 20 मीटर से ऊंची पहाड़ियों में से भी लगभग 91.3 प्रतिशत हिस्सा संरक्षण के दायरे से बाहर हो सकता है। पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने हालांकि आश्वासन दिया

है कि अरावली के केवल एक बहुत छोटे हिस्से (0.19 प्रतिशत) में ही खनन की अनुमति है, लेकिन मंत्रालय यह स्पष्ट करने में विफल रहा है कि नई परिभाषा लागू होने के बाद निचले क्षेत्रों में भविष्य के खनन और विकास को कैसे रोका जाएगा। जमीन पर अभी तक कोई वास्तविक सीमांकन नहीं हुआ है, जिससे यह सवाल बरकरार है कि मंत्रालय ने किस आधार पर सुप्रीम कोर्ट को यह भरोसा दिलाया कि 100 मीटर की परिभाषा पुराने मानकों से अधिक क्षेत्र को कवर करेगी। अरावली जैसी प्राचीन पर्वत श्रृंखला के अस्तित्व पर मंडराता यह संकट अब नीतिगत पारदर्शिता और पारिस्थितिक सुरक्षा के बीच एक बड़ी चुनौती बन गया है।